खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

तापमान: अधिकतम :33°C न्यूनतम: 17°C

सेंसेक्स निफ्टी: 76,295.36 23,250.10

सोना चांदी: 93,110 1,03,000

हल्द्वानी, शुक्रवार 4 अप्रैल 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 223 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com चैत्र शुक्ल पक्ष 4 विक्रमी सम्वत् 2082 5 शव्वाल 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

थाईलैंड में दुनिया की सबसे यंग पीएम से मिले मोदी

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद की कमान संभालेंगे

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

वक्फ बिल राज्यसभा में पेश, चर्चा जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल बुधवार को लोकसभा में पास होने के बाद गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया गया। इस पर दोपहर एक बजे से चर्चा हो रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने वक्फ बिल पर विपक्ष के रुख को लेकर निशाना साधा।

नड्डा ने कहा कि हमने कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की तुलना में वक्फ बिल को लेकर कहीं ज्यादा गंभीरता दिखाई। यह बिल पार्टी इंट्रेस्ट का नहीं है, यह नेशनल इंट्रेस्ट का विषय है। इसलिए मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। विषय को डिरेल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिल में कहीं राम मंदिर आ रहा है। कहीं कुंभ मेला दिख रहा है। बिहार का इलेक्शन दिख रहा। कहीं एयर इंडिया बिक गया। कहीं केरला का सिनेमा आ गया। ये सब चर्चा को डिरेल करने की कोशिश है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि व्यापक चर्चा के बाद तैयार किए गए बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया था। वक्फ को लेकर जेपीसी ने जितना काम किया, उतना काम किसी कमेटी ने नहीं किया। इससे पहले बुधवार देर रात तक चर्चा के बाद इस बिल को लोकसभा से पारित कर दिया गया।

■ **नड्डा बोले- विपक्ष राम मंदिर, कुंभ, बिहार इलेक्शन पर बोल रहा, ये सब चर्चा को डिरेल करने की कोशिश**

भाजपा के हमले का आक्रामक जवाब जरूरी: सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने कहा है कि सरकार सोची समझी रणनीति के तहत समाज का ध्रुवीकरण कर रही है और वक्फ विधेयक जैसे कदम समाज को बांटने की उसकी इसी रणनीति का हिस्सा हैं। श्रीमती गांधी ने कहा कि भाजपा के सदस्य संसद में कांग्रेस शासित राज्यों के मुद्दों पर तीखा हमला करते हैं, इसलिए पार्टी सांसदों को भी भाजपा शासित राज्यों में उसकी विफलता को लेकर सदन में ही करारा जवाब देना चाहिए। संसदीय दल की इस बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। कांग्रेस संसदीय दल की नेता ने अपने संबोधन में कहा कि वक्फ विधेयक को लोकसभा में जबरन पारित किया गया। इस विधेयक को लेकर हमारी पार्टी का दृष्टिकोण स्पष्ट है कि यह संविधान पर हमला है।

राहुल का सरकार पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि चीन भारत के चार हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में घुस आया है, लेकिन हमारे राजदूत चीन के नेताओं के साथ केक काटते देखे गए हैं।

■ **कहा: चीन हमारी जमीन पर कब्जा कर चुका है, सरकार क्या कर रही है**

श्री गांधी ने लोकसभा में शून्य काल में इस मुद्दे पर सरकार से सवाल किया कि चीन द्वारा कब्जाई जमीन को वापस लेने के लिए वह क्या कर रही है? मैं इस बात को लेकर बहुत हैरान हूं कि चीन हमारी जमीन पर कब्जा किए बैठा है और हमारे विदेश सचिव चीन के राजदूत के साथ कुछ समय पहले केक काटते देखे गए। हमारे जवान शहीद हुए थे, उनकी शहादत का जश्न मनाया जा रहा है, केक काटकर। हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सामान्य स्थिति से पहले हमें हमारी जमीन वापस मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक बार कहा था कि वह विदेश नीति के मामले में न तो बाएं झुकेंगी और न ही दाएं झुकेंगी, वह भारतीय हैं, वह सीधी खड़ी होंगी। हम सब इतिहास जानते हैं, जब भाजपा और आरएसएस से ऐसा ही सवाल पूछा जाएगा, तो वे सामने वाले के आगे सिर झुका लेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे सहयोगी (अमेरिका) ने अचानक हमारे ऊपर 26 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा।

मुंबई में लॉरेंस गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार हथियार बरामद

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अंधेरी इलाके से लॉरेंस गैंग के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें संदेह है कि गैंग के निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने लारेंस गैंग के सदस्यों को शनिवार को हिरासत में लिया। उनके हथियार ले जाने के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। गिरफ्तार लोगों की पहचान विकास ठाकुर उर्फ विक्की, सुमित कुमार दिलावर, श्रेयस यादव, देवेंद्र सक्सेना और विवेक गुप्ता के रूप में की गई है। ये सभी राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। सुमित कुमार और विकास हिस्ट्रीशीटर हैं। दरअसल, लॉरेंस गैंग की तरफ से सलमान खान को लगातार धमकियां मिल रही हैं। ऐसे में गैंग के 5 सदस्यों की गिरफ्तारी और उनके पास से हथियार बरामद होने के बाद इसे सलमान खान की सुरक्षा के लिए बड़े खतरे के रूप में भी देखा जा रहा है।

लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट की तुर्की में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। लंदन से मुंबई आ रही वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट ने तुर्की में इमरजेंसी लैंडिंग की गई। इसके चलते 200 से ज्यादा भारतीय पैसेंजर 16 घंटे से ज्यादा समय से फंसे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्लेन नंबर टै 358 के एक पैसेंजर को पैनिक अटैक आ गया था। इस मेडिकल इमरजेंसी के चलते तुर्की के दियारबकिर एयरपोर्ट पर विमान लैंड हुआ था। ये एयरपोर्ट ऐसी फ्लाइट की लैंडिंग के लिए उपयुक्त नहीं है। पैसेंजर्स को बताया गया कि लैंडिंग के दौरान प्लेन में टेक्निकल खामी भी आ गई। एक पैसेंजर ने बताया कि उन्हें नहीं पता है उनकी आगे की यात्रा कैसे होगी, क्योंकि वर्जिन अटलांटिक ने अब तक उनके लिए दूसरी फ्लाइट की व्यवस्था नहीं की है।

फर्जी कॉल करने वाले शख्स को दो साल का कारावास

मुंबई। मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को मुंबई पुलिस नियंत्रण कक्ष को फर्जी कॉल करने के जुर्म में एक शख्स को दो साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जान को खतरा होने की चेतावनी दी गई थी। आरोपी को दोषी ठहराते हुए अदालत ने बचाव पक्ष की इस दलील को खारिज कर दिया कि आरोपी मानसिक रूप से अस्थिर है और कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा दिए गए सबूतों से यह स्पष्ट है कि आरोपी ने मुख्य नियंत्रण कक्ष को धमकी देकर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश की। आरोपी कामरान खान (29) ने 20 नवम्बर 2023 को पुलिस नियंत्रण कक्ष में यह कॉल किया था। अदालत ने आरोपी कामरान खान को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाया।

ट्रम्प टैरिफ युद्ध: भारत को 26 और चीन को 34% का झटका

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दुनिया पर चलाया टैरिफ का चाबुक

वाशिंगटन/नई दिल्ली, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बड़ा कदम उठाते हुए भारत पर 26 प्रतिशत और चीन पर 34 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय समय के अनुसार बुधवार देर रात व्हाइट हाउस रोज गार्डन में एक भाषण के दौरान भारत और चीन पर बड़े पैमाने पर रेसिप्रोकल टैरिफ (जवाबी शुल्क) लगाने की घोषणा की है।

उन्होंने इसे डिस्काउंटेड करार दिया क्योंकि ये दरें उन शुल्कों का लगभग आधा हैं, जो उनके अनुसार ये देश अमेरिका से वसूलते हैं। नई दरों के अनुसार, भारत पर 26 प्रतिशत और चीन पर 34 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। श्री ट्रम्प ने कहा कि भारत अमेरिका से विभिन्न आयातों पर 52 प्रतिशत शुल्क लेता है। उन्होंने कहा कि उनके प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) हाल ही में यहां से गए हैं। वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे उसका आधा 26 प्रतिशत वसूलेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूरोपीय संघ से आयात पर 20 प्रतिशत, ब्रिटेन पर 10 प्रतिशत, जापान पर 24 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत, ताइवान पर 32 प्रतिशत, थाइलैंड पर 36 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत, कंबोडिया पर 49 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, ब्राजील पर 10 प्रतिशत, बंगलादेश पर 37 प्रतिशत, सिंगापुर पर 10 प्रतिशत, इजराइल पर 17 प्रतिशत, फिलिपींस पर 17 प्रतिशत, चिली पर 10 प्रतिशत,

-शेष पृष्ठ दो पर

■ **ट्रम्प ने कहा: भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे उसका आधा 26 प्रतिशत वसूलेंगे**

■ **अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को बताया अपना दोस्त**

अमेरिका की प्रशुल्क-कार्रवाई के असर, अवसर की जांच कर रहा भारत: वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत के खिलाफ जवाबी आयात शुल्क लागू करने के कार्यकारी आदेश और अन्य घोषणाओं के संभावित प्रभावों की सावधानी पूर्वक जांच कर रहा है और इससे उत्पन्न होने वाले अवसरों का भी अध्ययन कर रहा है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति की घोषणाओं के अनुसार भारत पर अतिरिक्त शुल्क 27 प्रतिशत लगाया गया है। राष्ट्रपति ट्रम्प की घोषणाओं पर भारत की यह पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत अमेरिका के साथ अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक भागीदारी को महत्व देता है और उसके साथ मिल कर काम करने को प्रतिबद्ध है, ताकि इससे दोनों देशों के लोगों को लाभ हो। विज्ञप्ति में कहा कि वाणिज्य विभाग अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए गए विभिन्न उपायों/घोषणाओं के प्रभावों की सावधानीपूर्वक जांच कर रहा है। विकसित भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, विभाग भारतीय उद्योग और निर्यातकों सहित सभी हितधारकों के साथ मिलकर अतिरिक्त शुल्क के बारे में उनके आकलन पर प्रतिक्रिया ले रहा है।

दिल्ली में पटाखा बैन पर ढील देने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

शाह टाइम्स ब्यूरो

सुप्रीम कोर्ट ने कहा: वायु प्रदूषण का स्तर काफी समय से खतरनाक बना हुआ है, सभी एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखे बनाने, स्टोर करने और बेचने पर लगे प्रतिबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया।

जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि वायु प्रदूषण का स्तर काफी समय से खतरनाक बना हुआ है। आबादी का एक बड़ा हिस्सा सड़कों पर काम करता है और प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित है। पीठ ने कहा कि हर कोई अपने घर या ऑफिस में एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकता। जब तक कोर्ट इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से बहुत कम प्रदूषण होता है, तब तक पिछले आदेशों पर पुनर्विचार करने का सवाल ही नहीं उठता। सुनवाई के दौरान निजी रूप से पेश इंजीनियर मुकेश जैन ने कहा कि पटाखे पर पाबंदी का फैसला ठीक नहीं है। पटाखे पर्यावरण साफ करते हैं। उन्होंने दलील दी कि पटाखे पर बैन अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसम्बर, 2024 को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर साल भर के लिए पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था। कोर्ट 1985 में दायर एमसी मेहता की याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है।

संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। न्यायपालिका में पारदर्शिता और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने का फैसला किया है। फुल कोर्ट मीटिंग में सभी 34 जजों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना की मौजूदगी में अपनी संपत्ति का खुलासा करने का फैसला लिया है।

जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी डिटेल सुप्रीम कोर्ट की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक होगी। सुप्रीम कोर्ट में जजों की निर्धारित संख्या 34 है। फिलहाल यहां 33 जज हैं, एक पद खाली है।

■ **संपत्ति की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड होगी**

इनमें से 30 जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा-पत्र कोर्ट में दे दिया है। हालांकि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कैश मिलने के विवाद के बाद लिया गया है। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लगी थी। फायर सर्विस टीम को वहां अधजले नोट मिले थे। याद रहे कि 1997 में, तत्कालीन सीजेआई जेएस वर्मा ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें जजों से अपेक्षा की गई कि वे अपनी संपत्ति की घोषणा चीफ जस्टिस को करें। हालांकि यह घोषणा सार्वजनिक नहीं की जानी थी।

चुनौतियों के समाधान की योजना बनाए सेना: राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों से बदलते भू-रणनीतिक बदलावों और अनिश्चितताओं से भरे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक और अल्पकालिक चुनौतियों के समाधान की योजना बनाने को कहा है।

श्री सिंह ने सेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा भू-रणनीतिक अनिश्चितताओं और जटिल विश्व स्थिति वैश्विक स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दुनिया एक दूसरे से जुड़ी हुई दुनिया है और ऐसी घटनाएं चाहे हमारे पड़ोस में हो या दूर के देशों में, सभी को प्रभावित करेंगी।

■ **कहा: वर्तमान दुनिया एक-दूसरे से जुड़ी हुई दुनिया है**

अनिल अंबानी पर 25000 का जुर्माना

मुंबई, वार्ता

बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी पर अप्रैल 2022 में आयकर विभाग की ओर से जारी नोटिस को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करने पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

एक वकील ने यहां यह जानकारी दी। न्यायमूर्ति महेश एस. सोनक और न्यायमूर्ति जितेंद्र एस. जैन की पीठ ने हाल ही में अंबानी के वकील गुंजन कक्कड़ को सुनवाई के दौरान कड़ी फटकार लगाई और कहा कि श्री अंबानी के वकील ने मामले को तत्काल सुनवाई के लिए अब लिखित अनुरोध किया है, जबकि नोटिस 12 अप्रैल, 2022 को जारी किया गया था। पीठ ने कहा कि मामले को तत्काल प्रसारित करने या सुनवाई की सुविधा 'ऐसी कृत्रिम तात्कालिकता पैदा करके लागू नहीं की जा सकती। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि इसके अलावा, अदालत में कारण बताओ नोटिस को चुनौती दी गई है, जिसे लेकर याचिकाकर्ता ने न्यायालय में उस समय याचिका दायर की है, जब 31 मार्च, 2025 तक मूल्यांकन की समय सीमा समाप्त होने की संभावना है।

■ **हाईकोर्ट ने अंबानी के वकील को कड़ी फटकार लगाई**

25,753 शिक्षकों की बर्खास्तगी का आदेश बरकरार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। पश्चिम बंगाल में एसएससी ने 2016 में 25 हजार शिक्षकों और गैर-शिक्षकों की नियुक्ति की थी।

हाईकोर्ट ने इन नियुक्तियों को अवैध करार देते हुए कर्मचारियों को बर्खास्त किया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की जांच को सही माना और कहा कि पूरी प्रक्रिया में धोखाधड़ी की गई। इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई थीं। इसके साथ ही सीबीआई जांच के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 4 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की है।

ममता को बड़ा झटका

■ **सुप्रीम कोर्ट बोला: सिलेक्शन प्रोसेस गलत**

व्यक्तिगत तौर पर फैसला स्वीकार नहीं: ममता बनर्जी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ देर बाद ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बयान आया। ममता ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार नहीं करती हैं, लेकिन उनकी सरकार इसे लागू करेगी और चयन प्रक्रिया को फिर से दोहराएगी। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या विपक्षी भाजपा और सीपीएम चाहते हैं कि बंगाल की शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाए। उन्होंने कहा कि इस देश के नागरिक के रूप में, मेरे पास हर अधिकार है और मैं जजों के प्रति सम्मान के साथ इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। मैं मानवीय दृष्टिकोण से अपनी राय व्यक्त कर रही हूं। गलत सूचना न दें या भ्रम पैदा न करें। सरकार फैसले को स्वीकार करती है। स्कूल सेवा आयोग से भर्ती प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के लिए कहा है।

खूनी व बादी बवासीर, गठिया बाय, हर प्रकार का दर्द, कहीं भी हो, कैसा भी हो, एलर्जी, पुराना नज़ला, छींके, बिस्तर पर पेशाब, ल्यूकोरिया, सेहत बनाई या वजन घटाएँ, सांस, दमा, झाइयाँ, मुंहासे व गंजापन का पक्का इलाज, शराब व हर प्रकार का नशा छुड़ाऐ

निःसंतान दंपत्ति एक बार अवश्य मिलें

डा. शाइस्ता अंसारी

Mob. 9897147171

Follow us on :
facebook, You tube, insta, whatsup

सरवट फाटक, गांधी कॉलोनी, मुजफ्फरनगर

सरकार की नजर वक्फ की संपत्ति पर: हुसैन

नई दिल्ली, वार्ता

राज्यसभा में गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन ने केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर देश में ध्रुवीकरण की राजनी. ति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार यह विधेयक सिर्फ वक्फ की संपत्ति को हड़पने के लिए लेकर आई है, जबकि भाजपा के राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि इसका उद्देश्य वक्फ द्वारा किसी की संपत्ति पर दावा करने से रोकना और वक्फ की संपत्तियों का गरीब मुस्लिमों के उत्थान के लिए उपयोग करना है।

■ बीजेपी देश में कर रही ध्रुवीकरण की राजनीति

हुसैन ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2025 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि 1995 में और वर्ष 2013 में जब इससे जुड़े विधेयक लाए गए थे, तब भाजपा ने समर्थन किया था। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा ने इसका क्यों समर्थन किया था और इसको सर्वसम्मति से पारित क्यों किया गया था। वर्ष 2009 में भाजपा ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में इससे जुड़ी एक समिति की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए उसको लागू करने की बात कही थी। वर्ष 2013 में कांग्रेस सरकार ने उस समित और सच्चर समिति की रिपोर्ट को मिलाकर संशोधन किया था और उसका भाजपा ने समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक केन्द्र में रही मोदी सरकार को यह समक्ष नहीं आया कि वक्फ कानून तुष्टीकरण वाला कानून है। वर्ष 2024 में जब भाजपा लोकसभा चुनाव में 400 सीटें नहीं जीत पाई और उसको 240 सीटें मिली तो इस संशोधन को लेकर आ गई ताकि ध्रुव. ीकरण किया जा सके और धर्म की राजनीति की जा सके। उन्होंने इस विधेयक को मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने वाला बताते हुए कहा कि वक्फ कानून को लेकर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुयक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट को सदन में रखा जाना चाहिए कितने लोग विरा. ेध में थे और कितने लोग पक्ष में थे यह पता चल सके। समिति की सिफारिशों में विरोधी सदस्यों की बातें नहीं है। समिति की बैठक में अनुच्छेदों पर चर्चा नहीं की गई। समिति ने सर्वसम्मति से सिफारिश नहीं की बल्कि समर्थकों सदस्यों ने इसको जोर डालकर मंजूर कर दिया। यह सिर्फ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सांसदों की सिफारिश थी। उन्होंने कहा कि यह संशोधन संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि देश के सभी धर्मों के लिए एक समान कानून होनी चाहिए। सभी धर्मों के लिए कानून बनाया जाना चाहिए, लेकिन उससे पर्सनल लॉ बोर्ड को अलग रखा जाना चाहिए। एक समुदाय को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि दान के विचार हर धर्म में है।

टैरिफ का दूसरे देशों के मुकाबले भारत पर असर कम: नायर

नई दिल्ली, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ लगाए जाने को लेकर भारतीय उद्योग जगत ने गुरुवार को अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि इस शुल्क का दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत पर कम असर पड़ेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग संगठन एसोचैम के अध्यक्ष संजय नायर ने गुरुवार को कहा कि ट्रम्प द्वारा कल रात घोषित किए गए नए टैरिफ वैश्विक व्यापार और विनिर्माण मूल्य श्रंखलाओं में एक बड़े रीअलाइनमेंट का कारण बन सकते हैं। हालांकि भारत पर इन टैरिफ का प्रभाव अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम होने की संभावना है। नायर ने कहा कि भारत को 10 प्रतिशत बेसलाइन ड्यूटी के अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क के साथ मध्य स्तर पर रखा गया है। इसके वास्तविक प्रभाव का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। फिर भी कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि अमे. रिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता पर तुलनात्मक आधार पर कम असर पड़ेगा। हमारे उद्योग को निर्यात दक्षता और मूल्यवर्धन को बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने चाहिए, ताकि इन टैरिफ के प्रभाव को कम किया जा सके।

एसोचैम अध्यक्ष ने यह भी बताया कि अधिकांश अमेरिकी व्यापार साझेदार देश पारस्परिक शुल्क (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाने की योजना बना रहे हैं, जिससे कोई भी देश विशेष लाभ की स्थिति में नहीं होगा। इसका परिणाम उपभोक्ताओं पर अधिक कीमतों के रूप में पड़ सकता है, जिससे महंगाई का दबाव बढ़ेगा। नायर ने कहा कि हम वैश्विक प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन भारत के लिए आगे का रास्ता एक त्वरित वरीयता व्यापार समझौता (प्रेफरेंशियल ट्रेड डील) हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रम्प अभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का सम्मान करते हैं, इसे ध्यान में रखते हुए यह समझौता संभव हो सकता है। भारत के उद्योग जगत को इस मामले में सरकार के साथ मिलकर काम करना होगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव का विश्लेषण करने से यह स्पष्ट होता है कि भारत की स्थिति अन्य प्रमुख प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर है। उन्होंने बताया कि भारत पर 26 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत, चीन पर 34 प्रतिशत और इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है।

शुल्कों की संभावनाएं भी हो जाएंगी कम

भारत वियतनाम, चीन, इंडोनेशिया, बंगलादेश, श्रीलंका और म्यांमार जैसे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अपेक्षाकृत अनुकूल स्थिति में है। रल्हन ने यह भी कहा कि परिधान, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, प्लास्टिक और फर्नीचर जैसे कुछ क्षेत्रों में निर्यात का डायवर्जन हो सकता है, जो संभावित रूप से इन टैरिफ के कुछ प्रतिकूल प्रभावों की भरपाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) का समय पर निष्कर्ष अत्यंत आवश्यक है। फियो अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा समझौता न केवल शुल्कों को कम कर सकता है, बल्कि भारतीय निर्यातकों को राहत प्रदान करने के लिए एक संरचित ढांचा भी तैयार कर सकता है। इससे एकतरफा व्यापार उपायों और प्रतिशोधात्मक शुल्कों की संभावनाएं भी कम हो जाएंगी। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह इस मामले में अमेरिका के साथ वार्ता को प्राथमिकता दे।

संक्षिप्त समाचार

वक्फ बोर्ड की जमीन पर बनें आवास व शिक्षण संस्थान: दिनेश

प्रयागराज। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश शर्मा फलाहारी ने वक्फ संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित होने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी को अपने खून से पत्र लिखकर वक्फ की भूमि पर गरीबों के लिए कम लागत वाले आवास, शिक्षण संस्थान और अस्पताल बनवाने की मांग की है। पंडित फलाहारी ने गुरूवार को कहा कि जो भी व्यक्ति वक्फ बोर्ड का समर्थन करता है वह देश विरोधी है, उन पर देशद्रोह की कार्यवाही होनी चाहिए और ऐसे लोगों को पाकिस्तान भेज देना चाहिए। ए लोग पाकिस्तान में मजार और मस्जिद बनाकर आबाद हो और भाईचारा कायम कर सकें, ऐसे लोगों का हिंदुस्तान में कोई काम नहीं है। उन्होंने कहा कि 1940 में मुस्लिम लीग ने लाहौर प्रस्ताव में मुसलमानों के लिए एक अलग देश की मांग की थी। मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद अली जिन्ना ने इस मांग को आगे बढ़ाया और पाकिस्तान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूपी में दलितों की सुरक्षा की जाए: सपा

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को समाजवादी पार्टी के धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून- व्यवस्था की स्थिति बदहाल है और वहां दलितों की सुरक्षा के समुचित उपाय किए जाने चाहिए। यादव ने शून्य काल में यह मामला उठाते हुए कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में हाल ही में एक दलित युवक सनी कुमार की हिरासत के दौरान मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस ने दावा किया कि सनी कुमार ने पैजामा के नाड़े से फांसी लगा ली थी। उन्होंने पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और परिजनों को एक करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि हिरासत में मौतों के मामले में यह प्रदेश सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि राज्य सभा सदस्य रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर हमला किया गया है, उनकी सुरक्षा बढ़ाई जाए। उन्होंने मांग की कि उत्तर प्रदेश के दलितों की सुरक्षा के पुख्ता उपाय किए जाने चाहिए। सपा की ही डिंपल यादव ने सदन में पूर्व सैनिक अंशदाई स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लाभार्थियों को उपचार में आ रही दिक्कतों का मामला उठाया और उन्हें दूर करने की मांग की।

सीएम योगी ने पिछली सपा सरकार पर बोला हमला

वो पैदा करती थी माफिया, हमने विदा किया

प्रयागराज, वार्ता

उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर धाम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकार प्रदेश में माफिया पैदा करती थी, लेकिन हमने उत्तर प्रदेश से उसे विदा कर दिया।

निषादराज गुह्य की जयंती पर गुरुवार को मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर निषादराज के नगर श्रृंगवेरपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गुरुवार को 580 करोड़ रुपए की 181 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनने के बाद प्रदेश में विकास की गति को देने के लिए धन की कोई कमी नहीं है। श्रृंगवेरपुर का अभी और विकास किया जाएगा। डबल इंजन की सरकार के दरवाजे विकास के लिए हमेशा खुले रहेंगे। धन की तंगी इसके रास्ते में आड़े नहीं आने पाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें प्रदेश में माफिया पैदा करती थी, लेकिन हमने उत्तर प्रदेश से उसे विदा कर दिया। माफिया राज समाप्त हो गया। पिछली सरकारें उत्तर प्रदेश को माफिया के हवाले कर रही थी। हर जिले में एक माफिया पैदा कर रही थी। अपराधियों का शासन चलता था, लेकिन अब माफिया प्रदेश छोड़कर चले गए। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार प्रयागराज की गरिमा को छिपाने का प्रयास करती थी।

■ मुख्यमंत्री ने प्रयागराज में 580 करोड़ की 181 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, विकास की गति में धन की कमी नहीं आएगी आड़े

देश और दुनिया से करोड़ों लोग यहां आकर श्रद्धा से शीश नवाते थे, लेकिन प्रयागराज की भूमि पर यहां के माफिया कब्जा करते जा रहे थे। यहां के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ करते थे। जो आवाज उठाता था, उसे मार दिया जाता था, अपहरण कर लिया जाता था, गायब कर दिया जाता था, लेकिन अब यह प्रदेश में नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के लिए वोट बैंक जरूरी था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयागराज अब सामान्य रूप से इलाहाबाद नहीं रहा। अब ए प्रयागराज हो गया। प्रयाग का मतलब मिलन स्थल। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। गंगा, यमुना और सरस्वती तो मिलती हैं, लेकिन यहां प्रभु राम और निषादराज का मिलन हुआ, जो लोग प्रयागराज की पहचान छिपाते थे वो नहीं चाहते थे कि प्रयागराज को नई पहचान मिले। वे नहीं चाहते थे कि भगवान राम और निषदराज के मिलन स्थल को एक पहचान मिले।

योगी ने कहा कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञा ज्ञापित करने के लिए मैं आज यहां निषादराज की जयंती के मौके पर आया हूं। पहले हमें यहां देखने के लिए कुछ भी नहीं था। डबल इंजन की सरकार आने के बाद भगवान राम और निषादराज के मिलन का भव्य पार्क आपको पहचान दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज को वैश्विक मान्यता मिली है। प्रयागराज को दुनिया जान गई है। पहले प्रयागराज का परिचय देना हो, तो बताना पड़ता था कि वाराणसी के बगल में है। अब प्रयागराज ने विकास के कई मार्ग खोल दिए हैं। प्रयागराज महाकुंभ की सफलता और उसका पुण्य आप सभी को प्राप्त हो रहा है। डबल इंजन की सरकार अपने पूर्वजों की विरासत को भव्य रूप से स्थापित करने का काम कर रही है। महाकुंभ के बहाने आज प्रयागराज समार्ट सिटी से आगे बढ़ गया है। महाकुंभ, के बहाने निषादराज और प्रभु राम का स्मारक, लेअे हनुमान जी कॉरीडोर, अक्षय वट कॉरीडोर, मां सरस्वती कूप कॉरीडोर, पातालपुरी कॉरीडोर, महषि भरद्वाज कॉरीडोर, दशाश्वमेघ कॉरीडोर बनने इसको नई पहचान मिली है। योगी ने कहा कि जिनके मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव नहीं, वो महाकुंभ का इतना बघ आयोजन नहीं कर सकते। 66 करोघ् से ज्यादा श्रद्धालु महाकुंभ में आए, जो आए अभिभूत होकर गए। दुनिया में कहीं भी जाकर अपना परिचय देंगे कि श्रृंग्वेरपुर से आए हैं तो सिर-आंखों पर बैठाकर स्वागत होगा। अगर सम्मान और पहचान मिल गई तो इससे बढ़कर कुछ नहीं होता। पिछली सरकार इसी पहचान को समाप्त कर रही थी।

यह वक्फ बोर्ड है या भूमाफिया

शहर में जगह-जगह वक्फ के नाम पर कब्जे किए गए हैं। जब हम महाकुंभ का आयोजन करने जा रहे थे तो वक्फ बोर्ड कैसा प्रयागराज में कुंभ की भूमि को वक्फ की मनमाना बयान दे रहा था। वक्फ बोर्ड के नाम उन्होंने प्रयागराज के साथ अन्य शहरों में भी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि ये बोर्ड क्या माफिया बोर्ड हो गया है। माफिया अब प्रदेश मे नहीं चल सकते। माफियाओं को तो हम पहले ही प्रदेश से विदा करा चुके हैं। अब उत्तर प्रदेश में माफियागीरी नहीं चलेगी। मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड के मनमानी पर लगाम लगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के प्रति आभारी जताया और कहा लोकसभा में एक महत्वपूर्ण अधिनियम पारित करके कल्याणकारी कार्य किया। आज इसे राज्यसभा में भी परित कर दिया जाएगा। योगी ने कहा कि आज सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को धनराशि के चेक सौंपे गए हैं। 1400 मत्स्य पालकों के खाते में करोड़ों रुपए सरकार ने भेजे हैं।

आरोप साबित करें या अनुराग माफी मांगें: खड़गे

नई दिल्ली, वार्ता

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्य अनुराग ठाकुर द्वारा कल लोकसभा में वक्फ भूमि कब्जे को लेकर लगाए गए आरोप पर गुरूवार को सदन में भारी रोष व्यक्त करते हुए कहा कि ठाकुर इसके लिए माफी मांगे नहीं तो अपने आरोप को सही साबित करें।

खड़गे ने गुरुवार की सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने पर ठाकुर की टिप्पणी पर अपना रोष जताते हुए कहा कि लोकसभा में कांग्रेस सदस्यों द्वारा विरोध किए जाने पर इस टिप्पणी को वापस ले लिया गया था, लेकिन इससे उनकी छवि को जो नुकसान होना था हो गया। इसको लोकसभा की कार्यवाही से हटाया गया है लेकिन सोशल मीडिया और अन्य मीडिया में यह चल रहा है। उन्होंने राजनीति में अपने लंबे करियर का हवाला दिया और निराशा व्यक्त की। उन्होंने माफी की मांग की और कहा कि अगर ठाकुर अपने आरोपों को साबित नहीं कर सकते, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और अगर वे आरोप साबित कर देते हैं, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। उन्होंने कहा कि यह साबित किया जाना चाहिए कि वह या उनके परिवार के सदस्यों ने किसी वक्फ जमीन पर कब्जा किया है।

■ मैं झुकने वाला नहीं इस्तीफा भी दे सकता हूं

उन्होंने कहा कि वह डरते नहीं हैं और विधानसभा में पहले की उन घटनाओं का जिक्र करते हैं, जहां मुख्यमंत्री ने उनसे माफी मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि सदन के नेता ठाकुर की ओर से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोपों से वह झुकने वाले नहीं है। वह झुकेंगे नहीं बल्कि टूट जाएगे। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेज रिजिजू कुछ कहने लगे तभी तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्राईन बोलने लगे जिस पर रिजिजू बैठ गए। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि टिप्पणियों को हटाना कोई उपाय नहीं हो सकता। उन्होंने हाल ही में समाजवादी पार्टी के सदस्य रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर की गई टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि संसदीय संस्था के सम्मान में कुछ हटाया जाता है, तो किसी भी सदस्य को इसे मुद्दा नहीं बनाना चाहिए।

अर्थ व्यापार

ट्रम्प के टैरिफ लगाने से बाजार हलकान

मुंबई, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध छिड़ने की चिंता में विश्व बाजार में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, फोकस्ड आईटी, ऑटो और तेल एवं गैस समेत नौ समूहों में हुई भारी बिकवाली से गुरुवार को शेयर बाजार हलकान रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 322.08 अंक का गोता लगाकर 76,295.36 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 82.25 अंक की गिरावट लेकर 23250.10 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली का रुख रहा। इससे मिडकैप 0.31 प्रतिशत बढ़कर 41,796.08 अंक और स्मॉलकैप 0.76 प्रतिशत की तेजी लेकर 47,494.11 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4123 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2813 में तेजी जबकि 1169 में गिरावट रही, वहीं 141 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कुल 2963 कंपनियों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2057 में लिवाली जबकि 829 में गिरावट रही वहीं 77 के भाव स्थिर रहे। बीएसई के नौ समूह में गिरावट का रुझान रहा। इससे फोकस्ड आईटी 4.13, आईटी 3.78, टेक 2.85, सीडी 0.24, ऊर्जा 0.38, ऑटो 1.14, धातु 0.99 और तेल एवं गैस 0.59 और रियल्टी समूह के शेयर 0.22 प्रतिशत लुढ़क गए। वहीं हेल्थकेयर 1.82, यूटिलिटीज 2.44 और पावर समूह के शेयर में 1.83 प्रतिशत तेजी रही। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बिकवाली का दबाव रहा। इससे ब्रिटेन का एफटीएसई 1.36, जर्मनी का डैक्स 1.94, जापान का निक्केई 2.77, हांगकांग का हैंगसेंग 1.52 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.24 प्रतिशत गिर गया। कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 806 अंक का गोता लगाकर 75,811.86 अंक पर खुला।

■ आईटी, टेक, फोकस्ड आईटी, ऑटो और तेल एवं गैस समेत नौ समूहों में हुई भारी बिकवाली

ईपीएफओ में दावा निपटान को चेक प्रति की आवश्यकता नहीं

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने दावा निपटान प्रक्रिया को सरल बनाते हुए चेक लीफ या बैंक पासबुक की तस्वीर अपलोड करने की जरूरत को समाप्त कर दिया है। इसके अलावा यूएएन के साथ बैंक खाता विवरण जोड़ने के लिए नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि ईपीएफ सदस्यों के लिए जीवनयापन की सुगमता और नियोक्ताओं के लिए व्यवसाय को आसान बनाने की दिशा में ईपीएफओ ने अपनी दावा निपटान प्रक्रिया में दो प्रमुख सुधार किए हैं। इन उपायों से दावा निपटान की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार आएगा और दावा खारिज होने से संबंधित शिकायतों में भी कमी आएगी।

खाद्य तेलों में टिकाव, अधिकांश दालें महंगी

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजार में भारी गिरावट आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से गुरुवार को दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकलने से अधिकांश दालें महंगी हो गईं, वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 32 रिंगिट गिरकर 4810 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1. 12 सेंट की गिरावट के साथ 47.39 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में चना, दाल चना और अरहर दाल में 100-100 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। इस दौरान मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे। अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :- दाल-दलहन: चना 5550-5650, दाल चना 6550-6650, मसूर काली 7400-7500, मूंग दाल 9400-9500, उड़द दाल 8800-8900, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपए और चावल : 3150-3250 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4400- 4500, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मिले सरकारी कर्मचारी जैसी सुविधा

नई दिल्ली। लोकसभा में आंगनबाड़ी कर्मियों का मुद्दा उठाते हुए सदस्यों ने गुरुवार को कहा कि उन्हें सरकारी कर्मचारियों की तरह सुविधाएं देकर उनका मानदेय बढ़ाया जाना चाहिए। भाजपा के जगदम्बिका पाल ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाया और कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सरकारी कर्मचारी के रूप में माना जाना चाहिए और देश के लाखों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी सुविधाएं दी जानी चाहिए। उनका मानदेय बढ़ाकर देशभर में उनके कार्यों को देखते हुए उन्हें सरकारी कर्मचारी माना जाए और गुराजत हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें सुविधाएं दी जाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ट्रम्प टैरिफ:....

ऑस्ट्रेलिया पर 10 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत, तुर्की पर 10 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत और कोलंबिया पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। व्हाइट हाउस के अनुसार, ये शुल्क सभी उत्पादों पर लगाए गए 10 प्रतिशत आधार आयात शुल्क के अतिरिक्त होंगे। श्री ट्रम्प ने कहा कि यह कदम उन देशों के खिलाफ लिया गया है, जिन्होंने अमेरिका की नीतियों का अनुचित लाभ उठाया। श्री ट्रम्प ने घोषणा की दो अप्रैल हमेशा के लिए 'लिबरेशन डे' के रूप में जाना जाएगा, जब अमेरिका ने अपने उद्योग को फिर से हासिल किया। हम उन देशों पर वही शुल्क लगाएंगे जो वे हम पर लगाते हैं - रेसिप्रोकल का मतलब है कि जैसा वे करते हैं, वैसा ही हम भी करेंगे। यह इतना ही सीधा है। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि हम इस कदम से अपने रोजगार वापस हासिल करेंगे, अपने उद्योग को फिर से बनाएंगे, अपने छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों को सशक्त बनाएंगे और हम अमेरिका को फिर से समृद्ध बनाएंगे। अब अमेरिका में नौकरियां तेजी से आएंगी। व्हाइट हाउस ने संवाददाताओं को बताया कि यह निर्णय एक 'राष्ट्रीय आपातकाल' के कारण लिया गया है, जो लगातार व्यापार घाटे के चलते सुरक्षा चिंताओं से उत्पन्न हुआ है। सभी उत्पादों पर 10 प्रतिशत का 'आधार' शुल्क पांच अप्रैल को स्थानीय समयानुसार सुबह 12:01 बजे (भारतीय समयानुसार 9:30 बजे) से लागू होगा जबकि देश-विशिष्ट उच्च शुल्क नौ अप्रैल को उसी समय से लागू होंगे।

राज्यसभा की पवित्रता की रक्षा का संकल्प लें: धनखड़

नई दिल्ली, वार्ता

उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्य सभा दिवस के अवसर पर गुरुवार को सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए इस प्रतिष्ठित सभा की पवित्रता की रक्षा करने और महान राष्ट्र भारत की लोकतांत्रिक नींव को मजबूत करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहने की अपील की।

धनखड़ ने गुरुवार सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही राज्यसभा दिवस पर सदस्यों को शुभकामनाएं दी और कहा कि राज्यों की परिषद, हमारी सम्मानित राज्य सभा, हमारे संसदीय लो. कतंत्र के प्रतिष्ठित ऊपरी सदन- बुजुर्गों के सदन के रूप में प्रतिष्ठित है। उन्होंने कहा कि भारत की संघीय वास्तुकला की सर्वोत्कृष्ट इमारत के रूप में, यह आदरणीय संस्था व्यापक प्रतिनिधित्व, शासन में संतुलन और चिंतनशील बुद्धिमत्ता को सुनिश्चित करती है। राज्य सभा एक प्रतिष्ठित मंच के रूप में बनी हुई है, जहां प्रांतीय दृष्टिकोण और विशिष्ट विशेषज्ञता हमारे राष्ट्र को समृद्ध करने के लिए एकत्रित होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 250वें सत्र के दौरान कहा था, यद्यपि राज्य सभा को दूसरा सदन कहा जा सकता है, फिर भी इसका महत्व सर्वोपरि है। संसद हमारे ध्रुव की तरह खड़ी है 'हमारा अटल ध्रुव तारा' जो राष्ट्र की सबसे कठिन चुनौतियों के दौरान आगे का मार्ग प्रशस्त करता है तथा अशांत समय में मार्गदर्शन की किरण के रूप में कार्य करता है। धनखड़ ने कहा कि यह स्मरणीय अवसर हमें इस शानदार संस्था की विशेषताओं को संरक्षित करने के लिए खुद को नए सिरे से समर्पित करने के लिए प्रेरित करता है, जो लोकसभा के विपरीत अपनी चिरस्थाई निरंतरता को बनाए रखती है। इस संस्था की गंभीरता तथा इसके प्रतिष्ठित सदस्यों की विद्वता सर्वोपरि महत्व रखती है। मैं माननीय सदस्यों से उत्कृष्टता, अटूट समर्पण, दृढ़ प्रतिबद्धता, गहन विद्वता तथा बौद्धिक चिंतन और ज्ञान को प्रेरित करने वाले भाषण के माध्यम से उत्कृष्ट आचरण का उदाहरण प्रस्तुत करने का आग्रह करता हूं। यह अनुकरणीय मानक नागरिकों के लिए तत्काल प्रकट होना चाहिए, क्योंकि राज्य सभा को हमारे गणतंत्र में विधाई निकायों के लिए आदर्श आदर्श के रूप में कार्य करना चाहिए।

■ राज्य सभा एक प्रतिष्ठित मंच के रूप में बनी हुई है

भगत सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए: राजा वारिंग

नई दिल्ली। कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने गुरुवार को लोक सभा में शहीदे आजम भगत सिंह को भारत रत्न दिए जाने की मांग की। राजा वारिंग ने शून्य काल में कहा कि बहुत से लोगों को सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया है, लेकिन शहीदे आजम भगत सिंह को अब तक न तो शहीद का दर्जा दिया गया है और न ही उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। समाजवादी पार्टी की इकरा हसन ने सदन में उनके कैराना संसदीय क्षेत्र में यमुना के घाटों को विकसित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं के इन घाटों पर आने से कई बार दुर्घटनाएं हो जाती हैं और लोगों की जान तक चली जाती है। इसलिए इन घाटों को सुरक्षित बनाने के उपाय किए जाने चाहिए। इनके विकसित करने से श्रृद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी, जिससे रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। भारतीय जनता पार्टी के अनुराग ठाकुर ने राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से पैसे मिलने का मामला उठाया।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
हैल्थ प्लस सिरप
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8434 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आगामी 30 वर्षों की जरूरत ध्यान में रखकर बनाएं जलापूर्ति की योजनाएं: मुख्यमंत्री

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में पानी की जरूरतों को लेकर मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिए हैं । कहा कि, आगामी 30 साल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य में जलापूर्ति के लिए कार्ययोजना बनाई जाए। वर्षा जल संरक्षण और भू जल स्तर को बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाये जाएं। जल स्रोतों, नदियों और जल धाराओं के पुनर्जीवीकरण के लिए जन सहयोग लिया जाए और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों के सुझाव लेकर उनको आगे की कार्ययोजनाओं में शामिल किया जाए।

पेयजल, जल संचय और जल संरक्षण के लिए आगामी 10 सालों और आगामी 30 सालों की आवश्यकताओं के हिसाब से अलग-अलग ठोस प्लान बनाया जाए। राज्य की अंतिम सीमा तक गंगा का जल पूर्ण रूप से पीने लायक हो इस दिशा में कार्य किये जाएं। गंगा की सहायक नदियों पर एसटीपी के कार्य किए जाएं। गंगा की स्वच्छता

वर्षा जल संरक्षण और भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, पेयजल के गुणवत्ता की समय - समय पर टेस्टिंग की जाए

के लिए जन सहयोग और सुझाव लिये जाएं। ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में पेयजल और जलागम की बैठक के दौरान दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत लगे कनेक्शनों से लोगों को नियमित जलापूर्ति हो, इसके लिए पुराने जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण के साथ ही नये जल स्रोत भी चिन्हित किये जाएं, जिससे गर्मियों में पेयजल की समस्या न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी के स्टोरेज टैंक और पेयजल टैंकर की नियमित सफाई की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में पेयजल की गुणवत्ता की समय-समय पर टेस्टिंग की जाए। गुणवत्ता के सभी मानक सही पाये जाने पर प्राकृतिक जल स्रोतों से निकलने वाले पानी के अधिक उपयोग के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। लोगों को पेयजल की परेशानी न हो, इसके लिए टोल फ्री नम्बर के साथ ही जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम भी बनाए जाएं। जन शिकायतों की विभाग स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग भी की जाए।

सारा के अंतर्गत विभागों द्वारा मिलकर क्रिटिकल जल स्त्रोतों कों पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। वर्षा आधारित नदियों के फ्लो और डिस्चार्ज के मापन की भी योजना है। जिसमें आई आर आई रुड़की और राष्ट्रीय हाइड्रोलॉजिक संस्थान नदियों में किए जाने वाले कार्यों को चिन्हित करेगा। उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना के अंतर्गत पर्वतीय कृषि को लाभदायक और ग्रीन हाउस गैस के प्रभाव को कम करना है। इसके लिए कृषकों की बंजर भूमि में पौधारोपण किया जाएगा। साथ ही काश्तकारों को कार्बन क्रेडिट से फायदा देने की भी योजना है। बैठक में उत्तराखण्ड अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, आर.मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव शैलेश बगोली, रणवीर सिंह चौहान, विशेष सचिव पराग मधुकर धकाते, परियोजना निदेशक जलागम नीना ग्रेवाल, अपर सचिव हिमांशु खुराना एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वक्फ बिल गरीब मुस्लिम वर्ग के लिए क्रांतिकारी कदम : भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने वक्फ बिल का समर्थन करते हुए, गरीब मुस्लिम वर्ग के लिए क्रांतिकारी कदम बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि, कांग्रेस सरकारों द्वारा इस कानून को संविधान से ऊपर रखने का जो पाप किया, उसे हमने संशोधन बिल से धो दिया है। अब देवभूमि में भी वक्फ की जो भी संपति है, उसकी जवाबदेही गरीब पसमांदा मुस्लिमों के कल्याण के लिए सुनिश्चित करना संभव होगा।

उन्होंने कहा, पिछली सरकारों ने तुष्टिकरण नीति के चलते वक्फ बोर्ड को असीमित अधिकार दिए थे। जिससे किसी भी जमीन को यह बोर्ड अपना दावा कर सकता है और पीड़ित को न्यायालय में अपील का अधिकार भी नहीं था। चंद वक्फ अधिकारियों, जिनमें अधिकांश कांग्रेस समेत विपक्ष के नेता और समर्थक हैं, ने दान मिली जमीनों पर कब्जा किया हुआ है। इतना ही नहीं, गरीबों के कल्याण के उद्देश्य से दान की गई संपति या पैसे से न कोई अस्पताल बनाया गया, न स्कूल या न

ही कोई सामाजिक कार्य किए गए।

लिहाज हमारी सरकार मुस्लिम गरीब समुदाय और महिलाओं के उत्थान के लिए वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है। वर्तमान कानून में संशोधन कर हम वक्फ बोर्ड के उत्तरदायित्व को निश्चित करना चाहते है, हम उसके कामकाज में पारदर्शिता लाना चाहते हैं, वक्फ की जमीनों को कब्जा मुक्त कर उसका लाभ गरीबों को दिलाना चाहते हैं, मातृ शक्ति का प्रतिनिधित्व उसमें सुनिश्चित करना चाहते हैं। जबकि पूर्ववर्ती विपक्षी सरकारों ने वक्फ को संविधान से ऊपर रखते हुए बनाया, हम उसे पुन: संविधान के दायरे में लाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि यह कानून किसी मस्जिद, कब्रिस्तान या ईदगाह के खिलाफ नहीं है, जबकि ये बिल उनके खिलाफ है जिन्होंने वक्फ की जमीनों कर अवैध कब्जा किया हुआ है।

कहा , कांग्रेस सरकारों ने इस कानून को संविधान से ऊपर रखने का पाप किया

हमने इसमें संशोधन कर कानूनी बराबरी के अधिकार को सुनिश्चित किया है, जबकि विपक्षी सरकारों ने इसे भेदभाव पूर्ण बना दिया था। दअरसल वक्फ बोर्डों की अधिकांश जमीनों पर कांग्रेसी और विपक्षी नेताओं समेत मुस्लिम पर्सनल बोर्ड के लोगों का कब्जा है। यही वजह है कि ये लोग इसे असंवैधानिक बताकर, इसका विरोध कर रहे हैं। जबकि इन्हें जबाब देना चाहिए कि 1955 में वक्फ कानून बनने से लेकर इसमें 1995 और 2013 के संशोधन संवैधानिक हो सकता है तो वर्तमान संशोधन असंवैधानिक कैसे हो सकता है।

कैंसर संस्थान सहित पांच मेडिकल कॉलेजों को मिले नर्सिंग अधिकारी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से चयनित 1238 नर्सिंग अधिकारियों को तैनाती स्थल आंवटित कर दिये गये हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसकी सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। नवनियुक्ति नर्सिंग अधिकारियों को संबंधित मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे, इसके साथ ही अभ्यर्थियों को संस्थान में योगदान देना होगा।

सूबे के चिकित्सा शिक्षा विभाग ने आज उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से चयनित 1238 नर्सिंग अधिकारियों नियुक्ति संस्थान आवंटित कर दिये हैं। जिसकी सूची विभाग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर जारी कर दी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. आशुतोष सयाना ने बताया कि नवनियुक्त नर्सिंग अधिकारियों को प्रदेश के पांच विभिन्न राजकीय मेडिकल कॉलेजों

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने वेबसाइट पर अपलोड कर जारी की तैनाती सूची, विभागीय मंत्री डॉ. रावत ने कहा मेडिकल कॉलेजों में मिलेगी बेहतर सुविधाएं

के साथ ही स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट हल्द्वानी में रिक्त पदों के सापेक्ष तैनाती दी गई है। जिसमें राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में 248, अल्मोडा 189, हल्द्वानी 221, देहरादून 271, रूद्रपुर 245 और स्टेट कैंसर संस्थान हल्द्वानी में 64 नर्सिंग अधिकारी शामिल है।

उन्होंने बताया कि नवनियुक्ति नर्सिंग अधिकारियों को संबंधित कॉलेजों के प्राचार्य नियुक्त पत्र वित. रित करेंगे, इसके लिये नियुक्ति संस्थान आंवटन सूची विभागीय स्तर से सभी प्राचार्यों को भेज दी गई है। डॉ. सयाना ने बताया कि सभी नर्सिंग अधिकारी को अपने समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों के साथ आंवटित संस्थान में जाना होगा। जहां पर कॉलेज प्रशासन के द्वारा उनके मूल प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया जायेगा। इसके उपरांत उन्हें प्राचार्य द्वारा नियुक्ति पत्र देकर तैनाती दी जायेगी। यदि किसी अभ्यर्थी के सत्यापन में गड़बड़ी पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लायी जायेगी।

प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेज तथा स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट हल्द्वानी में नर्सिंग अधिकारियों की तैनाती दे दी गई है। इन नर्सिंग अधिकारियों की तैनाती से मेडिकल कॉलेजों से सम्बद्ध चिकित्सालयों में स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा साथ ही यहां आने वाले मरीजों की बेहतर देखभाल हो सकेगी।
डॉ. धन सिंह रावत, चिकित्सा शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड

नव संवत्सर पर शोभायात्रा

अल्मोड़ा। नव संवत्सर के अवसर में गुरुवार को हिन्दू सेवा समिति की ओर से अल्मोड़ा नगर में भव्य सांस्कृतिक शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में महिलाएं, बच्चे, कलाकार और अन्य लोग माता के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। इस दौरान कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी शानदार प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक शोभा यात्रा पलटन बाजार स्थित सिद्ध नौला से शुरू हुई। शोभा यात्रा थाना बाजार, गंगोला मोहल्ला, जौहरी बाजार, हुक्का क्लब, रघुनाथ मंदिर, कहचरी बाजार, लोहाशेर बाजार, चौक बाजार, लाला बाजार होते हुए ऐतिहासिक नंदादेवी मंदिर परिसर तक पहुंची। जहां पारंपरिक कुमाऊनी परिधानों में सजी धजी महिलाओं ने मंदिर की परिक्रमा की और माता के जयकारे लगाए। शोभा यात्रा में समिति अध्यक्ष अजीत कार्की, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुशील साह, भैरव गोस्वामी, वैभव पांडे, कमल साह, प्रत्येश पांडे, अमन नज्जौन, गीता मेहरा, बीना नयाल, तारा चंद्र जोशी, पूरन रौतेला, परितोष आदि शामिल रहे।

विद्यालयों में नए विषय खोलने को प्रस्ताव भेजें अधिकारी: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय विद्यालयों में आवश्यकतानुसार नये विषय खोले जायेंगे। इसके लिये सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के प्रस्ताव महा. निदेशालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिये गये हैं। इसके साथ ही अधिकारियों को विद्यालयों के उच्चीकरण, कलस्टर विद्यालयों की स्थापना, डी व सी श्रेणी के स्कूलों से संबंधित प्रास्ताव भी इस माह तक शासन को भेजने को कहा गया है। इसके अलावा सरकारी विद्यालयों में छात्र संख्या में गिरावट को देखते हुये विभागीय स्तर पर जांच समिति गठित करने के निर्देश भी विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये है।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बुधवार को शिक्षा विभाग की बैठक ली। जिसमें उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेभर के विद्यालयों में नये विषयों की मांग को ध्यान में रखते हुये महानिदेशालय को शीघ्र प्रस्ताव भेजें।

कहा, इस वित्तीय वर्ष के सभी प्रस्ताव अप्रैल माह तक उपलब्ध कराएं सीईओ, घटती छात्रसंख्या को जांच समिति गठित, एक सप्ताह में देनी होगी रिपोर्ट

उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रति. निधियों व अभिभावक संघों द्वारा समय-समय पर नये विषय खोले जाने की मांग की जाती रही है। बैठक में उन्होंने सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में दो-दो विद्यालयों के उच्चीकरण एवं राजीव गांधी नवोदय विद्यालयों की स्थापना के प्रस्ताव भी भेजने को कहा है। इसके अलावा प्रत्येक विकासखण्ड में प्रस्तावित कलस्टर विद्यालय, जीर्ण-शीर्ण स्कूलों सहित डी व सी श्रेणी के विद्यालयों के निर्माण के प्रस्ताव भी इसी माह तक शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। विभागीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिये जिन जनपदों से प्रस्ताव समय पर प्राप्त नहीं होंगे ऐसे जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। इसके अलावा डॉ. रावत ने अधिकारियों को सभी विद्यालयों में पेयजल, विद्युत, फर्नीचर, कप्यूटर और शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने निजी विद्यालयों में आरटीई के तहत बच्चों के प्रवेश सुनिश्चित करने, किताबों, स्कूल ड्रेस और मनमानी फीस वृद्धि को लेकर विभाग द्वारा जारी टोल फ्री नम्बर पर दर्ज शिकायत का शीघ्र निस्तारण करने को भी अधिकारियों को कहा।

घटती छात्रसंख्या की जांच को गठित होगी समिति

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदेश के सरकारी विद्यालयें में घटती छात्र संख्या को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने गिरती छात्र संख्या की जांच के लिये विभागीय अधिकारियों को महानिदेशालय स्तर पर जांच समिति गठित करने के निर्देश दिये। जो विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर एक सप्ताह में अपनी विस्तृत रिपोर्ट विभाग को सौंपेगी। जिसके आधार पर विद्यालयों में छात्रवृद्धि को लेकर आवश्यक कदम उठाये जाएंगे।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने की केंद्रीय मंत्री मेघवाल से मुलाकात

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि संसद परिसर में हुई मुलाकात में समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। इस शिष्टाचार भेंट में उत्तराखंड में सरकार द्वारा चलाई जा रही कई जनहित की योजनाओं पर मंत्री रेखा आर्य ने केंद्रीय मंत्री को जानकारी दी।

इसके अलावा संसद परिसर में लोकसभा महासचिव और पूर्व में

संसद परिसर में हुई मुलाकात में समसामयिक विषयों पर हुई चर्चा, लोकसभा महासचिव और पूर्व में उत्तराखंड के मुख्य सचिव रहे उत्पल सिंह से भी की भेंट

उत्तराखंड के मुख्य सचिव रहे उत्पल कुमार सिंह से भेंट कर मंत्री रेखा आर्य ने उनका कुशल क्षेम जाना। इस दौरान उत्पल कुमार ने संविधान की मूल प्रति व उसका कैलेंडर मंत्री को भेंट किया।

डबल इंजन: एक साल में बनी 814 किमी लंबी ग्रामीण सड़कें

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत हाल में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान 814 किमी लंबी सड़कों का निर्माण किया गया। राज्य की प्रगति को देखते हुए भारत सरकार ने योजना के तीसरे चरण में स्वीकृत 09 पुलों के निर्माण के लिए भी बजट जारी कर दिया है।

उत्तराखण्ड राज्य में प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में रू0 900 करोड़ के वित्तीय लक्ष्यों के सापेक्ष लगभग रू0 933 करोड़ की धनराशि व्यय की गई है, जो विगत वर्ष 2023-24 में किये गये व्यय से रू0 133 करोड़ अधिक है। इसी प्रकार भौतिक उपलब्धि में भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में 814 किमी लम्बाई में मार्गो का निर्माण किया गया है, जो वर्ष 2023-24 की उपलब्धि 206 किमी अधिक है। इस बीत गत वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन पीएमजीएसवाई -3 के अन्तर्गत 09

उत्तराखंड में पीएमजीएसवाई योजना की प्रगति को केंद्र सरकार ने सराहा

सेतुओं के निर्माण के लिए 40.77 करोड़ की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हो गई है। इधर, विभाग ने पीएमजीएसवाई-4 के तहत 1490 सड़क विहीन बसावटों को चिन्हित कर प्रथम चरण में लगभग 8500 किमी सड़कों निर्माण का सर्वे पूरा करते हुए, डीपीआर पर काम शुरू कर दिया है। विभाग ने कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर जारी निर्देशों के अतिरिक्त एक विशेष निरीक्षण एप तैयार किया है। एप के माध्यम से फील्ड अधिकारियों द्वारा किये जाने वाले निरीक्षणों को नियमित रूप से अंकित किया जा रहा है, जिससे उच्चाधिकारियों द्वारा मार्गों की गुणवत्ता का अनुश्रवण करना सुलभ हो गया है। भारत सरकार स्तर पर भी इस पहल की सराहना करते हुए अन्य राज्यों को इसे अपनाने को कहा है। विदित है कि सड़क विहीन गांवों के लिए केंद्र सरकार की ओर से वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना शुरु की गई थी। योजना के प्रथम तीन चरणों में न्यूनतम 500 की आबादी वाले गांवों को सड़कों से जोड़ने का काम करीब-करीब पूरा हो चुका है।

डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के जरिए राज्य की छोटी - छोटी बसावटों को सड़क से जोड़ने का काम किया जा रहा है। हाल के सम्पन्न वित्तीय वर्ष में विभाग ने उल्लेखनीय कार्य किया है, अब हम चौथे चरण में शेष बसावटों को बराहमासी सड़क से जोड़ने का काम करेंगे।- **पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड**

मलिन बस्तियों के पुनर्वास के ठोस एवं प्रभावी वर्किंग प्लान बने: बर्द्धन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। शहरी विकास विभाग को राज्यभर में मलिन बस्तियों में निवासरत जरूरतमंदों के पुर्नवास हेतु चरणबद्ध कार्ययोजना पर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने प्रभावी पहल के निर्देश दिए हैं। सीएस ने पहले चरण में शहरी विकास विभाग एवं नगर निगम को देहरादून की मलिन बस्तियों के पुनर्वास के ठोस एवं प्रभावी वर्किंग प्लान पर तत्काल कार्य करने की हिदायत दी है। इसके साथ ही मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सिंचाई विभाग को रिस्पना एवं बिंदाल नदियों के पुनर्जीवीकरण की स्थिति पर अपडेट देने के साथ वर्किंग प्लान पर तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन आज सचिवालय में शहरी विकास एवं सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों के साथ मलिन बस्तियों की स्थिति एवं रिस्पना व बिन्दाल के

पुनर्जीवीकरण पर समीक्षा कर रहे थे।

मुख्य सचिव ने शहरी विकास विभाग को मलिन बस्तियों की सूचना, चिन्हीकरण की अद्यतन स्थिति, निवासरत लोगों की सूची पर अपडेट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने वांछित सूचना प्राप्ति के बाद मलिन बस्तियों के पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन की प्रभावी कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने अधिकारियों को

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने की विभिन्न शहरी विकास एवं सिंचाई विभाग के साथ बैठक

स्लम फ्री उत्तराखण्ड के विजन के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि मलिन बस्तियों में रहने वाले परिवारों के जीवन स्तर में सुधार, पुनर्वास एवं पुनरुद्धार पर शीर्ष प्राथमिकता पर कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मलिन बस्तियों के विषय को सामाजिक समस्या की तरह देखा जाना चाहिए तथा इस पर पूर्ण संवे. दनशीलता एवं मानवीयता से कार्य किया जाना चाहिए। बैठक में प्रमुख सचिव वन, सचिव शहरी विकास, सिंचाई, स्वास्थ्य, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने की रेल सुविधाओं के विकास के सम्बन्ध में समीक्षा

सभी रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन की स्थिति भी स्पष्ट करने को कहा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने परिवहन विभाग को राज्य में प्रस्तावित सभी रेल परियोजनाओं की स्थिति पर अपडेट देने एवं वर्तमान में संचालित रेल परियोजनाओं में आ रही बाधाओं व समस्याओं पर बिन्दुवार रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने देहरादून सहित सभी रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन की स्थिति भी स्पष्ट करने को कहा है। इसके साथ ही सीएस ने राज्य में प्रस्तावित एवं संचालित रेल प्रोजेक्ट्स से संबंधित मुद्दों पर रेल मंत्रालय, आरवीएनएल सहित संबंधित संस्थाओं से प्रभावी समन्वय के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों का रेल नेटवर्क से संयोजन, राज्य के औद्योगिक आर्थिक एवं सामाजिक विकास, विश्व प्रसिद्ध धामों, तीर्थ में वर्ष भर श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन तथा सामरिक महत्व के दृष्टिगत रेलवे का अवसं.

रचना का राज्य हेतु अत्यंत महत्व है।

परिवहन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि राज्य में कुल पांच रेल परियोजनाएं हैं जिनमें तीन प्रस्तावित एवं ऋषिकेश-कर्णप्रयाग सहित दो परियोजनाएं वर्तमान में संचालित की जा रही है। गंगोत्री यमुनोत्री रेल परियोजना जिसकी कुल दूरी 121.76 किमी है तथा 10 स्टेशन हैं। इसका सर्वेक्षण कार्य पूरा हो चुका है तथा डीपीआर रेलवे बोर्ड को उपलब्ध करा दी गई है। इस पर अनुमोदन प्रतीक्षित है। टनकपुर बागेश्वर रेल परियोजना जिसकी कुल दूरी 170.70 किमी है तथा 12 स्टेशन हैं। इसका सर्वेक्षण कार्य पूरा हो चुका है तथा डीपीआर रेलवे बोर्ड को उपलब्ध करा दी गई है। इस पर अनुमोदन प्रतीक्षित है। देहरादून -सहारनपुर रेल परियोजना जिसकी कुल दूरी 92.60 किमी है तथा इसमें 8 स्टेशन है। इसका सर्वेक्षण कार्य गतिमान है।

बैठक में सचिव परिवहन, अपर सचिव परिवहन, सचिव एमडीडीए सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व सैनिक कल्याण के लिए संकल्पबद्ध धामी सरकार: जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के न्यू कैंट रोड़ स्थित कैंप कार्यालय में सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने सैनिक कल्याण विभाग में कार्यरत सेविदा कर्मियों को उपनल कर्मियों की भांति अवकाश देने का प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट को भेजने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में सैनिक विश्राम गृहों का उच्चीकरण किया जाए तथा सैनिक कल्याण के भवन के जीर्णोद्धार सहित शहीद द्वारों के निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। सैनिक कल्याण मंत्री ने पूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं एवं उनके आश्रितों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु एक वर्षीय कंप्यूटर प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार सृजन की दिशा में काम करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सेवारत एवं भूतपूर्व सैनिकों को नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों द्वारा भवन कर में छूट देने की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए। सैनिक कल्याण गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

सैनिक कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक

के नेतृत्व में सरकार सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस दिशा में हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर सचिव सैनिक कल्याण दीपेंद्र चौधरी, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अमृत लाल, उपनल के प्रबंध निदेशक बिग्रेडियर जेएनएस बिष्ट सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मियांवाला का नाम बदलने पर सीएम का आभार

देहरादून। मियांवाला का नाम बदल जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया गया है । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को सचिवालय में विधायक उमेश शर्मा काऊ, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल और पार्षदगणों ने भेंट कर मियांवाला का नाम जनभावनाओं के अनुरूप रामजीवाला किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उत्तराखंड संस्कृति गीत की टीम को सीएम ने दी बधाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में यंग उत्तराखंड के सदस्यों ने भेंट की। मुख्यमंत्री ने गुलाबी शरारा गीत की सफलता पर पूरी टीम को बधाई दी और उन्हें प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कलाकारों ने प्रतिभा और कड़ी मेहनत से हमारी लोक संस्कृति को बढ़ाने का कार्य किया है। गुलाबी शरारा गीत के 300 मिलियन से अधिक व्यूज ने यह सिद्ध कर दिया है कि राज्य के युवा प्रतिभा सम्पन्न है। अपने गीत और संगीत के माध्यम से उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस अवसर पर यंग उत्तराखंड से जितेन्द्र सिंह रावत, गिरीश सिंह जीना, वरुण रावत, राकेश जोशी, नीरू बोरा, अंकित कुमार, अशीम मंगोली, रणजीत सिंह भंडारी और सौरभ सेमवाल मौजूद थे।

एक नजर

एक लाख के गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

काशीपुर। मुख्यमंत्री के देवभूमि उत्तराखण्ड को नशामुक्त बनाने के संकल्प को पूर्ण किये जाने हेतु उधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देश का पालन करते हुए काशीपुर पुलिस ने एक महिला को तीन किलो सात सौ दस ग्राम गांजे सहित गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की कीमत करीब एक लाख रूपये बतायी जा रही है। पुलिस द्वारा पकड़ी गयी गांजा तस्कर ने अपना नाम पूजा पत्नी राजू निवासी ग्राम रम्पुरा कोतवाली काशीपुर बताया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में सीओ दीपक सिंह, उपनिरीक्षक चंदन सिंह चौकी प्रभारी कुण्डेश्वरी, उपनिरीक्षक संतोष देवरानी, कां. मुकेश कुमार, कां. दर्शन सिंह, कां. वीरेन्द्र सिंह, महिला कां. नेहा मेहता हैं।

दो बाइक चोर गिरफ्तार, बाइक बरामद

काशीपुर। कोतवाली पुलिस ने एक चोरी की मोटरसाईकिल समेत दो चोरों को गिरफ्तार किया है। ग्राम बैंतवाला थाना कुण्डा निवासी जमील अहमद पुत्र अलताफ की मोटरसाईकिल कुछ समय पहले अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक अमर चंद्र शर्मा द्वारा अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिसपर कटोराताल पुलिस चौकी प्रभारी विपुल जोशी ने अपनी टीम के साथ बाइक चोर अजीम उर्फ पांडे उर्फ फांडा पुत्र मौहम्मद सद्दीक निवासी मछली बाजार ठाकुरद्वारा एवं वहीं का निवासी गौरव उर्फ लक्की पुत्र योगेश जोशी को गिरफ्तार कर लिया, जिनके कब्जे से चोरी गई मोटरसाईकिल बरामद की है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विपुल जोशी, उनि गिरीश चन्द, का. प्रेम कनवाल, कां. ईश्वर सिंह सिंह शामिल थे।

कंट्रीवाइड स्कूल का परीक्षाफल घोषित

बागेश्वर। कंट्रीवाइड पब्लिक स्कूल कठायतबाड़ा में वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया। विद्यार्थी तथा अभिभावकों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भागीदारी की। प्रधानाचार्य अपर्णा कांडपाल, संरक्षिका मोहिनी पांडे ने दीप प्रज्जवलित किया। उन्होंने ज्ञान और सफलता की प्रेरणा विद्यार्थियों को दी। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार दिए गए। पहले, दूसरे तथा तीसरे स्थान पर आने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। संचालन दीपा खाती तथा श्रुतिका साह ने किया। इस अवसर पर महेश पांडे, मोहन सिंह कुंवर, प्रकाश सिंह धपोला, हिमांशु चौबे, अंजलि साह, पूरन कनवाल, भुवन मलकानी आदि उपस्थित थे।

बीस सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद को सफलता

बागेश्वर। बीस सूत्रीय कार्यक्रम में बागेश्वर जनपद को फिर सफलता मिली है। प्रदेश में 11 जनपदों को पीछे छोड़ बागेश्वर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जिले को यह सफलता मिली है। अब जिले को पहले स्थान पाने के लिए अपनी रेंक में सुधार करना होगा। गत वर्ष भी जिले ने बेहतर प्रदर्शन किया था। बीस सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद स्तर पर गरीबी, रोजगार, शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य, कृषि, भूमि सुधार, सिंचाई, पेयजल, कमजोर वर्गों की सुरक्षा और सशक्तिकरण, उपभोक्ता संरक्षण, पर्यावरण, ई-गवर्नेंस आदि जैसे विभिन्न सामाजिक आर्थिक पहलुओं को शामिल किया गया। इन कार्यों के प्रभावी क्रियान्वय के बाद जिले को प्रदेश में दूसरा स्थान मिला है।

नियम उल्लंघन करने पर 75 वाहनों का चालान

बागेश्वर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। बुधवार की रात में पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 75 वाहनों का चालान किया। चार वाहनों को सीज कर दिया है। पुलिस उपाधीक्षक अजय लाल साह के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने ड्यूटी पर नियुक्त जवानों को भी दिशा-निर्देश दिए। कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। इसके लिए यातायात नियमों का पानी कराया जाए। रात में जरूरी काम के लिए ही लोग वाहन चलाएं। नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई होगी। कोतवाल केएस नेगी मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई जाएगी अम्बेडकर जयंती

बागेश्वर। जिले में आंबेडकर जयंती समारोह धूमधाम से मनाई जाएगी। समारोह में विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष समेत जिला स्तरीय अधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुवात तहसील रोड से शोभायात्रा निकाल कर होगी। गुरुवार को स्थानीय होटल में आंबेडकर जयंती समारोह समिति की बैठक आयोजित हुई। अध्यक्षता संजय कुमार टम्टा ने की। 14 अप्रैल को आंबेडर जयंती की तैयारियों पर मंथन हुआ। कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। वक्ताओं ने कहा कि जयंती को भव्य रूप दिया जाएगा। सुबह नौ बजे तहसील रोड स्थित निकट पेट्रोल पंप से शोभायात्रा निकाली जाएगी। तहसील रोड से आयोजिक स्थल जिला पंचायत जाएगी। वहां आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए जाएंगे। शोभायात्रा में आकर्षक झांकी, छलिया नृत्य आदि शामिल होंगे। सभी माध्यमिक विद्यालयों के पासवर्ड पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विजेताओं को आयोजन स्थल पर पुरस्कृत किया जाएगा। बाबा साहब से जुड़े सांस्कृतिक तथा वैचारिक कार्यक्रम भी होंगे। बैठक मे सुधीर कुमार, जेपी आगरी, रमेश पर्वतीय, हरीश आगरी, विवेकानंद टम्टा, नंदकिशोर टम्टा, किशन राम, भीम कुमार, मनीष कुमार, पुष्पा टम्टा, सुनीता टम्टा, सुनील धौनी, नवीन त्रिकोटी, गिरीश धौनी, आकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

शिक्षा के क्षेत्र में लगातार हो रहा सुधारः धन सिंह रावत

पीएमश्री अटल उत्कृष्ट इंटर कालेज में शिक्षा मंत्री ने किया निर्माण कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। समग्र शिक्षा परियोजना के अंतर्गत विद्यालयी शिक्षा विभाग के तहत जनपद नैनीताल में गुरुवार को विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास सूबे के शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत द्वारा पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज हल्दूचौड़ में किया गया। डा. रावत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था के क्षेत्र में लगातार सुधारात्मक कार्य कर रही है। इसी कड़ी में सरकार सूबे के पर्वतीय जिलों के साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के लिए कार्य करने के साथ ही बेसहारा निर्धन और असहाय स्कूली बच्चों को इंटर तक गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के विशेष मकसद से चुनिंदा स्कूलों में नेताजी सुभाष चंद्र

बोस आवासीय छात्रावास स्थापित करने का कार्य कर रही है ताकि इन छात्र-छात्राओं को शिक्षा के सर्वोत्तम अवसर हासिल हो सकें। इससे पूर्व विधायक डा.मोहन सिंह बिष्ट ने विस क्षेत्र की कई ज्वलंत समस्याएं प्रमुखता से शिक्षा मंत्री के समक्ष रखकर उनके समाधान की गुजारिश की। इससे पूर्व आर्थिक रूप से समाज के वंचित बच्चों हेतु संचालित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक आवासीय छात्रावास हल्दूचौड़ के भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत तथा लालकुआं क्षेत्र के विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट समेत पूर्व विधायक नवीन दुमका सहित मुख्य शिक्षा अधिकारी जीआर जायसवाल, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) पुष्कर लाल टम्टा, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) एच बी चंद, सहायक निदेशक संस्कृत सेमल्टी समेत खण्ड शिक्षा अधिकारियों में क्रमशः तारा सिंह, हवालदार प्रसाद, अंशुल बिष्ट, गीतिका जोशी, केना चौहान, सुलोहिता नेगी तथा संस्था के प्रधानाचार्य गणपत सिंह सेंगर तथा छात्रावास के वार्डन डा. हिमांशु पांडेय सहित विभिन्न गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज हल्दूचौड़ में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान जिले की सात परियोजनाओं का शिलान्यास मुख्य अतिथि डा. धन सिंह रावत एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। छात्रावास अधीक्षक डा. हिमांशु पांडे को प्रतिष्ठित प्राइड ऑफ इंडिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमर सिंह तथा मीनाक्षी कीर्ति द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला समन्वयक संतोष कुमार तथा रवीन्द्र तिवारी सहित शिक्षकों डा. दिनेश जोशी, हेम चंद्र जोशी, सीमा जोशी, सरस्वती ब्रजवाल, शांति, निर्मला सामंत, पुष्पा मेहरा, अनिल राणा, टी पी यादव, भूपेंद्र अन्ना, राजेश पांडे, शचीन्द्र पाठक, धीरज पाठक, कल्पना पांडे, गिरीश शर्मा, मोहित सिंह मेवाड़ी एवं स्काउट गाइड आदि द्वारा योगदान दिया गया।

8 करोड़ 46 लाख की योजनाओं की सौगात

नैनीताल। सूबे के शिक्षा मंत्री डा.धन सिंह रावत ने बीरवार को हल्दूचौड़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के 8 करोड़ 46 लाख 86 हजार की योजनाओं का शिलान्यास किया। इसके तहत 330 लाख लागत से नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक आवासीय छात्रावास हल्दूचौड़, 330 लाख से नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका आवासीय छात्रावास रामनगर, 80.31 लाख की लागत से पीएमश्री राबाई कोटाबाग में भौतिक, रसायन एवं जीव विज्ञान प्रयोगशाला तथा 22.44 लाख की लागत वाली राआईका कोटाबाग में कला एवं शिल्प कक्ष, 66.12 लाख की लागत वाली राबाउमावि जवाहर ज्योति हल्द्वानी में कक्षा कक्ष, कला एवं शिल्प कक्ष तथा 9 लाख से राजकीय प्राथमिक विद्यालय गिनतीगाँव कोटाबाग में कक्षा कक्ष तथा 9 लाख राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय पतलिया कोटाबाग में कक्षा कक्ष का शिलान्यास किया।

ठेकेदार पर मुकदमा

अल्मोड़ा। भतरौंजखान में महिला की मौत के मामले में अज्ञात ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है। मामले में मुकदमे के बाद पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार चंद्र प्रकाश, निवासी देवरापानी ने भतरौंजखान थाने में तहरीर सौंपी। तहरीर में कहा कि लौकोट रोड पर डिग्री कॉलेज के निर्माणाधीन भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। एक ठेकदार की ओर से जेसीबी और डंपर लगाकर समतलीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी दौरान उनकी पत्नी अनीता देवी बाइक से घर को लौट रही थीं। इस दौरान इसी निर्माण कार्य से पत्थर बाइक से जा रही अनीता देवी के ऊपर गिर गया। इससे वह गंभीर घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें ऋषिकेश एम्स ले जाया गया। जहां 31 मार्च को उनकी मौत हो गई। आरोप लगाया कि ठेकेदार की ओर से निर्माण कार्य में सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा गया। जिससे उनकी पत्नी की मौत हुई है। इधर, तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात ठेकेदार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आठ सूत्रीय मांगों पर सीएम को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिले से एक शिष्ट मंडल आठ सूत्रीय मांगों को लेकर सीएम पुष्कर धामी से मिला। जहां उन्होंने अपनी समस्याओं को सीएम के सम्मुख रखा। विकास खंड गरुड़ के सामाजिक सुरक्षा बोर्ड एक बार फिर मुखर हुआ है। अपनी मांगों को लेकर बोर्ड से जुड़े लोग देहरादून पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। उन्हें अपनी समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। सराकर ने जल्द इन समस्याओं को दूर करने की मांग की गई। सीएम से मिले लोगों ने गरुड़ में स्थापित पॉलीटेक्निक में स्वीकृत ट्रेड शुरू करवाने और नए भवन के निर्माण की मांग, श्रम विभाग में भवन निर्माण एवं स्व निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में नए श्रमिकों के पंजीकरण का पोर्टल खोलने, सीएचसी बैजनाथ में स्त्री रोग विशेषज्ञ और फिजीशियन की तैनाती, ग्रामीण क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का पंजीकरण करने, गरुड़ में श्रम सुविधा केंद्र खोलने, लौबांज में आयुर्वेदिक अस्पताल भवन का निर्माण करने, किसान पेंशन में वृद्धि करने तथा धार्मिक और पुरातात्विक के ऐतिहासिक शिव धाम एवं विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बैजनाथ में मूर्ति संग्रहालय बनाने की मांग प्रमुखता से रखी। इस मौके पर जनार्दन लोहुमी उत्तराखंड असंगित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के सदस्य के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

अपहरण के दो आरोपी धरे

12 घंटे के भीतर ही पुलिस ने किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। कोतवाली पुलिस ने युवती के अपहरण करने के प्रयास के दो आरोपियों को 12 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया। घटना का खुलासा करते हुए एसपी क्राइम निहारिया तोमर ने बताया कि उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर के ग्राम शादीनगर हजीरा मिलक थाना निवासी तेजपाल सिंह पुत्र रामस्वरूप सिंह ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी पुत्री पास की ही दुकान में राशन लेने गई थी तभी दो अज्ञात लड़के उनकी पुत्री को गाड़ी में डालकर अनजान जगह ले जा रहे थे। इस दौरान उनकी पुत्री ने चलती कार के स्टेयरिंग में लात मार दी, जिससे कार अनियंत्रित होकर खेत में चली

गयी तथा पुत्री के शोर मचाने पर आसपास के व्यक्ति एकत्र हो गये, जिस कारण अपहरणकर्ता उनकी पुत्री को छोड़कर फरार हो गये। पुलिस ने दोनों अपहरणकर्ताओं को 12 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये अपहर्ताओं ने अपनी पहचान जसविन्द सिंह पुत्र अंग्रेज सिंह व जसपाल सिंह उर्फ मोनू निवासीगण ग्राम अजीतपुर थाना आईटीआई के रूप में कराई। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में क्षेत्राधिकारी दीपक सिंह, कोतवाली प्रभारी अमर चंद्र शर्मा, उपनिरीक्षक मनोज धोनी, हेड कां. संजय सिंह, कां. दिनेश हैं।

रोडवेज बस में सवार युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रानीखेत। रानीखेत से देहरादून जा रही बस में सवार युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि रानीखेत डिपो की रोडवेज बस सवारी लेकर रानीखेत से देहरादून को निकली। इस दौरान रानीखेत केमू स्टेशन के पास से एक युवक बस की अंतिम सीट पर बैठा। बस जैसे ही पन्याली के पास पहुंची तो बस की अंतिम सीट में बैठे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इससे बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। मृतक युवक स्याल्दे निवासी बताया जा रहा है।

पेयजल संकट पर भड़का रोष

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। गर्मी का सीजन शुरू होते ही एक बार फिर जिला मुख्यालय में पेयजल संकट बढ़ने लगी है। नगर मुख्यालय के मंडलसेरा, पीपलचौक एवं जीतनगर में पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। परेशान लोग जल संस्थान कार्यालय में पहुंचे। यहां उन्होंने पेयजल की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया।

साथ ही जल संस्थान पर उपेक्षा का आरोप लगाया। जल्द आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। नगर के लोग गुरुवार को जल संस्थान कार्यालय पहुंचे। लोगों ने नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि पानी की आपूर्ति नहीं होने से सैकड़ों परिवार परेशान हैं। जल संस्थान को पूर्व में जो कनेक्शन दिए थे उनमें पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। अभी

से उन्हें पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। आगे दो महीने भीषण गर्मी पड़ेगी। बगैर पानी के जीवन यापन करना मुश्किल हो जाएगा। लोगों ने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद क्षेत्र में पंपिंग योजना बनाई गई है, लेकिन उसका लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है। उन्होंने जल्द योजना शुरू करने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस मौके पर लाल सिंह, चंचल सिंह, खीम सिंह, भारत सिंह, ईश्वर, राजेंद्र, देवेंद्र सिंह, चंद्र सिंह, त्रिलोक सिंह, भैरव दत्त पांडे, भूपेंद्र सिंह, सोनू मलड़ा, गणेश लाल, आदि मौजूद रहे।

100 प्रतिशत प्लेसमेंट का इतिहास रचा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

पंतनगर। विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय ने सत्र 2023-25 के लिए 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की। इस सफलता का जश्न ''ई चैट 2025'' के रूप में मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने दीप जलाकर किया। कुलपति ने छात्रों को बधाई दी और उन्हें नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. आरएस जादौन ने उद्योग सहभागिता और नियुक्ति समन्वयक डा. रीटिका भट्ट की मेहनत को इस सफलता का आधार बताया। डा. रीटिका भट्ट ने बताया कि 33 प्रतिशत छात्रों को 10 लाख प्रति वर्ष या उससे अधिक का पैकेज मिला, जिसमें सबसे उच्चतम पैकेज 13 लाख प्रति वर्ष था। कार्यक्रम में एक वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रों के नियुक्ति सफर को साझा किया गया। इस सफलता के साथ, कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय ने अपनी उत्कृष्टता की परंपरा को और मजबूत किया और भविष्य के लिए नए मानदंड स्थापित किए।

गुलदार ने बुजुर्ग पर हमला कर किया घायल

अल्मोड़ा। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गुलदार का आंतक बना है। ताजा मामला भंडरगांव का है जहां गुलदार ने 58 वर्षीय बुजुर्ग जमन सिंह पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग सुबह टहलने निकले थे। काफी समय तक घर वापस नहीं आने पर परिजनों व ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की। तो झाड़ियों के पास जमन सिंह घायल अवस्था में मिले जिन्हें राजकीय चिकित्सालय रानीखेत लाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। अस्पताल के सीएमएस डा. संदीप दीक्षित ने बताया कि गुलदार के हमले से गले में चोट आई है जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद ईएनटी सर्जन को दिखाया गया। उन्होंने बताया कि इसमें स्पेशल सर्जरी की आवश्यकता है। इसलिए इन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है।

भाजपाः स्थापना दिवस को लेकर बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी है। गुरुवार को कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा की गई। तय किया गया कि आगामी छह अप्रैल को भव्य रूप से भाजपा का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। पातालदेवी स्थित भाजपा जिला पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में मौजूद भाजपा जिला प्रभारी और एनआरएचएम के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने कहा कि स्थापना दिवस पर पार्टी बूथ से जिला स्तर तक कार्यक्रम आयोजित करेगी और घर-घर ध्वजारोहण किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं, पार्टी जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने भी स्थापना दिवस को लेकर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी

तय की। कहा कि सभी कार्यकर्ता अभी से स्थापना दिवस को लेकर तैयारियां में जुट जाएं। इस मौके पर यहां नगर निगम महापौर अजय वर्मा, पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि रौतेला, पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा, महिपाल बिष्ट, दुग्ध संघ अध्यक्ष गिरीश चंद्र खोलिया, कैलाश गुरुरानी, त्रिलोचन जोशी, अरविंद बिष्ट, रेखा आर्या, लीला बोरा, मीना भैसोड़ा, ललित लटवाल, बिशन सिंह कनवाल, मनोज तिवारी, अमित साह, अर्जुन बिष्ट, गोपाल जीना, नवीन बिष्ट, संजय बिष्ट, सुंदर मटियानी, आनंद डगवाल, मनोज सनवाल, सुनील कर्नाटक, सलमान अंसारी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बूथ से जिला स्तर तक होंगे कार्यक्रम

रानीखेत। स्थापना दिवस और डा. भीम राव अंबेडकर की जयंती कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी है। गुरुवार को कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा की गई। तय किया गया कि आगामी छह अप्रैल को भव्य रूप से भाजपा का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। ताड़ीखेत स्थित जिला कार्यालय में शाम करीब 05 बजे तक चली बैठक के दौरान भाजपा जिला प्रभारी और पूर्व दर्जा मंत्री गोविंद पिलख्वाल ने कहा कि स्थापना दिवस पर पार्टी बूथ से जिला स्तर तक कार्यक्रम आयोजित करेगी और घर-घर ध्वजारोहण किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम से पूर्व नव मनोनित जिलाध्यक्ष घनश्याम भट्ट का फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

आईजीएल ने पुलिस को दिए 51 यातायात बैरिकेड्स

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। भारत का अग्रणी 'हरित रसायन' उत्पादन करने वाला इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड काशीपुर हमेशा से अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए अग्रसर रहा है तथा आईजीएल के अधिशासी निदेशक आलोक सिंघल के नेतृत्व में काशीपुर की कई संस्थाओं को कई वर्षों से लाभान्वित कर रहा है। इसी क्रम को जारी रखते हुए आईजीएल प्रबंधन द्वारा अभय सिंह पुलिस अधीक्षक काशीपुर की उपस्थिति में उत्तराखंड पुलिस काशीपुर को 51 यातायात बैरिकेड्स प्रदान किये। इस अवसर पर उपस्थित आईजीएल हेड एचआर राजेश कुमार सिंह ने कहा, हम काशीपुर पुलिस के साथ मिलकर काम करने और हमारे समुदाय की सुरक्षा में योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा, हम आईजीएल के इस उपहार की सराहना करते हैं, यह सहयोग हमें कानून व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा प्रयासों को मजबूत करने में मदद करेगा। आईजीएल प्रबंधन सहित सभी विभागध्यक्षों ने कार्यक्रम संयोजक विक्रांत चौधरी (सहायक महाप्रबंधक प्रशासन) का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आरसी उपाध्याय प्रबन्धक लाइजिनिंग, प्रबंधक सिक्योरिटी चंदन सिंह, सचिन गुप्ता सहित कई पुलिस अधिकारी व कर्मी इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शाह टाइम्स की खबर का असर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

ओवररेटिंग पर शराब की दुकानों पर छापा

बागेश्वर। उपजिलाधिकारी मोनिका ने आबकारी अधिकारियों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड स्थित शराब के दुकान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में अधिकारियों को कई खामियां मिली। जिसकी रिपोर्ट बनाकर जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। बता दें कि विगत दिनों स्टेशन मदिरा की दुकान में शराब के अलग अलग बोतल में ओवररेटिंग का मामला प्रकाश में आया था। जिसकी खबर प्राथमिकता से शाह टाइम्स में प्रकाशित किया गया। समाचार का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को उपजिलाधिकारी व आबकारी के

कर्मचारियों के साथ निरीक्षण किया गया। उपजिलाधिकारी ने दुकान में रेट लिस्ट, ग्राहकों को दी जाने वाली पर्ची, दुकान का स्टोक, सीसी टीवी कैमरा आदि की जानकारी ली गई। अधिकांश चीजें मौके पर बंद या काम के हालत में नहीं मिली। जिसके पश्चात उपजिलाधिरी ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने व ओवररेटिंग न करने के कड़े निर्देश दिए गए। वही दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा दुकान के अंदर जांच की जा रही थी। लेकिन बाहर सेल्समैन ओवरेट में शराब बेचते हुए प्रशिक्षु तहसीलदार द्वारा पकड़े गए। जिसके बाद कड़ी फटकार लगाकर ग्राहकों के पैसे लौटाए। अधिकारियों ने बताया कि मामले में रिपोर्ट बनाकर जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। जिसके पश्चात आगे की कार्यवाही होगी।

नगर निगम में माता की चौकी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। हिंदू नव वर्ष चैत्र प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 एवं नवरात्रों के

पर यहां नगर निगम परिसर में श्री दुर्गा जागरण मंडली एवं हिंदू राष्ट्र शक्ति संगठन द्वारा मां की चौकी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के यजमान महापौर दीपक बाली एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती उर्वशी दत्त बाली रहे। कार्यक्रम देर रात तक चला जिसमें मां के भजनों पर भक्तजन झूम उठे और माता के जय कारो से पूरा नगर निगम क्षेत्र गूंज उठा। निशा अरोरा ने मां के सुंदर भजनों पर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में संजय भाटिया, मुकेश पाहवा, राजीव सेतिया, काका डाबर, मुद्रा बाली, अनिल चावला, चेतन अरोरा, पंकज टंडन, अशोक अरोरा, भारत बर्जा, गुरबख्श सिंह बग्गा, लवीश अरोरा, मुक्ता सिंह, सर्वेश बाली, प्रेम प्रकाश नेगी, वैशाली गुप्ता, मयंक मेहता, अनीता कांबोज, अंजना, सीमा सागर, प्रिंस बाली, सुरेश सैनी, गुरविंदर सिंह चंडोक, अनिल कुमार, संदीप मोनू, मनोज बाली, अमन बाली, अवध अग्रवाल, मुकेश चावला, नगर निगम कार्यालय अधीक्षक विकास शर्मा सहित सैंकड़ों लोग मौजूद रहे।

श्री मोटेश्वर महादेव का भव्य श्रृंगार 11 को

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। चैत्र मास के पावन अवसर पर, काशीपुर में इस वर्ष भी श्री मोटेश्वर महादेव का अलौकिक और भव्य श्रृंगार आयोजन 11 अप्रैल, शुक्रवार को सायं 6 बजे से किया जाएगा, जिसमें उज्जैन महाकाल मंदिर के प्रमुख पुजारियों द्वारा भव्य आरती का आयोजन होगा। श्रृंगार का मुख्य आकर्षण के रूप में देश के 12 ज्योतिर्लिंगों के प्रतीक के अद्भुत दर्शन करने का सुअवसर मिलेगा। इस भव्य श्रृंगार के आयोजन में महाकाल के सेवक के रूप में नितिन गुप्ता, शिवम शर्मा, सौरभ शर्मा, हिमांशु बंसल, मानस बंसल, प्रिंस अग्रवाल, प्रियांशु अग्रवाल, रजत शर्मा, अनुराग बत्रा, आदर्श मित्तल, हिमांशु अग्रवाल, पुलकित अग्रवाल तथा मानवेंद्र सिंह मानस आदि शामिल रहेंगे।

एसआरओ का रिजल्ट निरस्त होने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हाल ही में उत्तराखंड समीक्षा अधिकारी परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया गया था, लेकिन उसे बाद में निरस्त कर दिया गया। इस फैसले को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है।

कांग्रेस प्रवक्ता डा. उपाध्याय ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की नकल विरोधी नीति के बावजूद इस त्रुटि को कैसे होने दिया गया और किस अधिकारी की लापरवाही के कारण रिजल्ट निरस्त किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की त्रुटियों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कानून बनना चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। डा. उपाध्याय ने कहा उत्तराखंड सरकार की छवि दिन-ब-दिन खराब हो रही है। जब रिजल्ट घोषित होने के बाद उसे निरस्त कर दिया गया, तो चयनित नौजवानों के दिलों में जो चोट लगी है, वह और उनके परिवार ही जान सकते हैं। यह कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि उत्तराखंड के नौजवान कई वर्षों से मेहनत कर रहे हैं, लेकिन सरकार की नाकामी की वजह से उन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा। उन्होंने राज्य में पब्लिक सर्विस कमिशन की परीक्षा की लंबी देरी पर भी सवाल उठाए और कहा कि 2016 से 2021 तक के पीसीएस (पब्लिक सर्विस कमिशन) परीक्षा के परिणाम का इंतजार किया जा रहा है, जो अब तक घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में कई महत्वपूर्ण पद रिक्त हैं, और अगर इस प्रक्रिया में और देरी होती है, तो ये नौजवानों के लिए एक बड़ा अन्याय होगा।

चौंसला में फैक्ट्री की सील

ज़मीनों की खरीद-फरोख्त पर भी तत्काल रोक के आदेश जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चौसला में अवैध रूप से संचालित फैक्ट्री के खिलाफ आखिरकार प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही की है। प्रशासन ने चौसला क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित एक फोम फैक्ट्री को सील कर दिया है। साथ ही चौसला में जमीनों की खरीद-फरोख्त पर भी तत्काल रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

हल्द्वानी से सटे ग्रामीण क्षेत्र चौसला में अवैध प्लॉटिंग कर विशेष समुदाय को बेचने और सरकारी भूमि पर फैक्ट्री चलाने को लेकर विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने बीतें दिवस तहसील में जोरदार प्रदर्शन किया था और प्रशासन को कार्रवाई के लिए दो दिन का समय दिया था। साथ ही चेतावनी दी थी कि कार्रवाई नहीं होने पर पूरे साक्ष्यों को सार्वजनिक करते हुए मामले का पर्दाफाश किया जायेगा। गुरुवार को एसडीएम परितोष वर्मा, तहसीलदार और मुखानी थाना प्रभारी विजय मेहता के नेतृत्व टीम चौसला पहुंची और फैक्ट्री को सील कर दिया। एसडीएम परितोष वर्मा ने बताया कि फैक्ट्री संचालकों ने आवश्यक अनुमति नहीं ली थी और जांच में कई अनियमितताएं भी मिली है। इसके अलावा फैक्ट्री का कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर स्थित था जिसे 15 दिनों के भीतर खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। वही चौसला क्षेत्र में रियल एस्टेट (रेरा) नियमों के खिलाफ कई प्लॉटिंग भी की गई हैं। इसको लेकर डीएम नैनीताल ने सचिव रेरा को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जमीनों की खरीद-फरोख्त पर भी तत्काल रोक लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण और बिना अनुमति संचालित किए जा रहे व्यवसायों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम जनता से भी अपील की है कि वे किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी प्रशासन को दें ताकि समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें।

आंधे घंटे में चोर खंगाल गए दुकान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। दमुवाढूंगा क्षेत्र में एक दुकान से शातिर चोरों ने महज आधे घंटे में नगदी और इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी करके फरार हो गए। महज आंधे घंटे में हुई इस चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित दुकानदार की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार काठगोदाम दमुवाढूंगा सरदार की कोठी निवासी चंदन गिरी गोस्वामी पुत्र हरीश गिरी गोस्वामी ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि लालडांठ रोड के पास चंदू फोटो स्टूडियो के नाम से दुकान है। तहरीर में बताया कि बीते बुधवार की सुबह साढ़े दस बजे वह दुकान का शटर गिराकर कुछ काम के लिए बाजार को चले गए थे, और आधे घंटे बाद जब वह वापस दुकान लौटे तो दुकान के शटर टूटा देख उनके होश उड़ गए। इधर मुखानी थानाध्यक्ष विजय मेहता ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों से उनकी पहचान की जा रही है जल्द ही शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

दो लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाना सरकार का लक्ष्य: धन सिंह रावत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर गुरूवार को नगर निगम परिसर में सहकारिता के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण पर केंद्रित था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के सहकारिता, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को पहली बार सहकारिता मंत्रालय प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 को सहकारिता का वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है और इसके तहत पूरे प्रदेश में 1,100 कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

जिनमें 10 सहकारी मेले और विशेष कार्यक्रम भी होंगे। डा. रावत ने कहा उत्तराखंड सरकार का लक्ष्य 2 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का है। जिनमें से 50,000 महिलाएं केवल नैनीताल जिले से होंगी। इसके अलावा सरकार हर ग्राम सभा में सहकारी समितियों का विस्तार कर रही है, जिसमें 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण दिया गया है। डा. रावत ने सहकारिता के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस पहल को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने राज्य सरकार द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में किए गए कार्यों और योजनाओं के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में जिले में सहकारिता एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला समूहों, फेडरेशनों सहित विभिन्न विभागों की महिला अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में जिला महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र पल्लवी गुप्ता, मुख्य कृषि अधिकारी रितु कुकरेती, जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत, सूचना अधिकारी प्रियंका जोशी आदि प्रमुख थीं। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक बंशीधर भगत, दर्जा राज्य मंत्री डा. अनिल कपूर डब्बू, दिनेश आर्या, सीडीओ अशोक कुमार पांडे, जिला सहकारी बैंक के निवर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी, बीजेपी युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शशांक रावत सहित बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, सहकारी बैंक के कर्मचारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मुवक्किल पर वकील को धमकाने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी के एक वकील ने अपने ही मुवक्किल पर गाली गलौच व धमकी देने के आरोप लगाए हैं। वकील की ओर से कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। हल्द्वानी निवासी महेश चंद्र ने शिकायत देकर कहा है कि बुधवार को जब वह नैनीताल कोर्ट में था तो उसे हल्द्वानी निवासी व्यक्ति ने फोन कर गाली गलौच की। विरोध करने पर उक्त व्यक्ति जान से मारने की धमकी देने लगा। कहा है कि उक्त व्यक्ति का हल्द्वानी की कोर्ट में मुकदमा चल रहा है जोकि कोर्ट की तारीख में उपस्थित नहीं होता। मगर बाद में फोन कर कोर्ट केस को लेकर अभद्रता करता है जिससे उसे जान माल का भय बना हुआ है। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि मामले में प्राथमिकता से जांच की जा रही है।

वर्षों से रह रहे हैं हम लोग, हमें न लपेटा जाए विधायक भगत से मिले चौंसला के ग्रामीण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चौसला गांव में लगभग 60 वर्षों से रहने वाले लोगों को तहसीलदार कार्यालय से नोटिस मिलने पर चौसला गांववासी भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप सनवाल एवं भाजपा नेता प्रताप सिंह बोरा के नेतृत्व में गुरुवार को विधायक बंशीधर भगत के आवास पर पहुंचे और डेमोग्राफी चेंज की कार्यवाही की जद में उनको नहीं लपेटने का आग्रह किया। जिस पर विधायक भगत ने शनिवार को चौसला के ग्रामीणों एवं एसडीएम हल्द्वानी को दस्तावेजों के साथ अपने आवास पर बैठक के लिए बुलाया है ताकि ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया जा सके। बता दे कि समुदाय विशेष के लोगों को चौसला गांव में प्लॉटिंग कर बसाने के विरोध की आग की लपटें अब चौसला गांव में अपने पूर्वजों के समय से लगभग 60-70 वर्षों से रह रहे निवासियों के घरों तक भी पहुंच गई है। तहसीलदार हल्द्वानी ने नोटिस जारी कर कई ग्रामीणों को अतिक्रमण हटाने को कहा है। आज चौसला निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता प्रताप सिंह बोरा एवं लामाचौड़ मंडल के अध्यक्ष संदीप सनवाल के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण विधायक बंशीधर भगत के आवास पर पहुंचे और अवैध प्लाटिंग, अवैध फैक्ट्री और डेमोग्राफी चेंज के खतरे पर प्रहार करने के बजाय दशकों से चौसला में निवास कर रहे ग्रामीणों पर कार्यवाही का भय बनाये जाने का प्रशासन पर आरोप लगाया। सदियों से चौसला में निवास कर रहे गुर्जर परिवारों ने सरकार से पट्टा आवंटन के लिए वर्षों से आवेदन भी किया हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि चौसला में दशकों से हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों के लोग निवास करते आ रहे हैं। विगत महीनों से जिन लोगों ने छोटे-छोटे प्लॉट खरीद कर वहां बसाने की योजना बनाई है अथवा जो फैक्ट्री नियम विरुद्ध बनी है, सिर्फ उन पर कार्यवाही की जाये। इस दौरान प्रताप बोरा, लामाचौड़ मंडल अध्यक्ष संदीप सनवाल, प्रधान भोपाल सिंह बिष्ट, पूर्व प्रधान मो. यासीन, स्वामी नयन दास, रमेश नेगी, प्रकाश पटवाल, अनिल त्रिपाठी, जगत सिंह बिष्ट, पंकज मलडा, ज्ञान सिंह, इरशाद अली, मुकेश कुमार, मो. अली, जीवन लाल, अजीज आलम, लछम सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नवाबी रोड अब अटल मार्ग

मेयर गजराज ने साइन बोर्ड लगाकर किया नामकरण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर में अब नवाबी रोड का इतिहास बन जाएगा, क्योंकि हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की कई सड़कों और स्थानों के नाम बदलने की घोषणा की थी। इसके तहत हल्द्वानी की दो प्रमुख सड़कों के नाम बदल दिए गए हैं। आज गुरुवार को हल्द्वानी के मेयर गजराज बिष्ट ने इन सड़कों पर नए नामों के साइन बोर्ड लगाए। अब नवाबी रोड का नाम बदलकर अटल मार्ग और पंचक्की रोड का नाम बदलकर गोलवलकर मार्ग किया गया है। इस अवसर पर मेयर गजराज बिष्ट ने कहा कि यह बदलाव शहर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि शहर की अन्य सड़कों के नाम भी जल्द बदले जाएंगे और नगर निगम ने इसके लिए रूपरेखा तैयार कर ली है। नए नामों के साइन बोर्ड लगाने के साथ, शहरवासियों को नए नामों के बारे में जानकारी दी गई। अब नवाबी रोड को अटल मार्ग और पंचक्की रोड को गुरु गोलवलकर मार्ग के रूप में जाना जाएगा। इस दौरान नगर आयुक्त ऋचा सिंह, सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट सहित कई लोग मौजूद रहे।

श्रीदेवी भागवत महापुराण कथा महोत्सव जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। परमहंस परिव्राजकाचार्य और कृष्णगिरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु

वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज के पावन सानिध्य में एमबी पीजी कॉलेज ग्राउंड में पहली बार श्रीदेवी भागवत महापुराण कथा यज्ञ पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन जारी है। इस कार्यक्रम में भक्तों को जीवन के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण शिक्षाएं दी जा रही हैं। इस अवसर पर जगद्गुरु वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज ने कहा कि साधक शुद्ध और निःस्वार्थ है, तो संसार का कोई देवता उनसे ऊपर नहीं है। उन्होंने आत्मा को सर्वशक्तिमान बताते हुए मनुष्य को प्राणी मात्र के कल्याण के लिए कार्य करने और सदैव प्रसन्न रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने नवरात्रि के महत्व और शक्ति की पूजा पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, संगीतमय भजनों ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिनमें कृष्णगिरी वाली कैसा जादू किया, ए मैया आ तुझे दिल ने पुकारा, नाम अंबेरानी का दुखड़े मिटाने वाला है, और म्हारी पद्मावती मैया थाने घणी रे घणी खम्मा जैसे भजनों ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर किया। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व विधायक रणजीत रावत, और लाल. कुआं विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट ने बतौर अतिथि के रूप में भाग लिया और जगद्गुरु वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

राम ने तोड़ा धनुष, सीता ने राम के गले डाली वरमाला

परशुराम-लक्ष्मण सवांद ने मन मोहा, विधायक ने किया महिला रामलीला मंचन का शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अरे राजन ये तेरे दरवार में भीड़ कैसे है, बालक छोटा, बड़ा है खोटा, खोटा है नादान.. जैसी चौपाइयों के साथ धनुष यज्ञ और परशुराम-लक्ष्मण संवाद की लीला का भावपूर्ण मंचन महिला कलाकारों द्वारा किया गया।

हीरानगर स्थित पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच में पुनर्नवा महिला समिति की ओर से तीसरे दिन गुरूवार को महिला रामलीला का शुभारंभ शहर विधायक सुमित हृदयेश व हेमंत बगड़वाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। महिला कलाकारों की ओर से धनुष यज्ञ के बाद परशुराम-लक्ष्मण संवाद का मंचन किया गया। शिव धनुष टूटते ही खुशियां मनाई गईं। जनकपुर के राज दरबार में सीता स्वयंवर का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। स्वयंवर में देश देशांतर के राजाओं को आमंत्रित किया गया। राजा जनक का संदेश राजाओं को सुनाया कि जो भी शिव धनुष भंग करेगा, उसी के साथ सीता का विवाह होगा। सभी राजाओं ने अपने दमखम का प्रदर्शन किया, लेकिन वे धनुष को हिला तक नहीं सके। यह देख जनक को चिंता हुई और उन्होंने कहा कि यदि मैं जानता कि पृथ्वी वीरों से खाली है तो यह स्वयंवर आयोजित नहीं करता। यह सुन लक्ष्मण को आक्रोश आ जाता है और राजा जनक से कहते है कि जिस दिन वीर नहीं होंगे, उस दिन पृथ्वी का अस्तित्व भी नहीं रहेगा। अंत: मुनि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर राम ने धनुष की प्रत्यंचा चढ़ा कर भंग कर दी। धनुष भंग होते ही जनकपुर में खुशी का माहौल व्याप्त हो गया। सीता ने राम के गले में वर माला डाल दी। देवताओं ने पुष्प वर्षा कर मंगल कामना की। कुछ क्षण के बाद फरसा लहराते भगवान परशुराम स्वयंवर हाल पहुंचे तथा धनुष तोडने वाले के बारे में पूछताछ शुरू कर दी। जिसके बाद परशुराम और लक्ष्मण में तीखीं नोकझांक होती है। जब परशुराम को पता चला कि शिव धनुष तोड़ने वाला कोई और नहीं बल्कि स्वयं विष्णु के अवतार श्रीराम हैं तो उनका क्रोध शांत हुआ और परशुराम ने श्रीराम की आरती उतारते हुए उन्हें प्रणाम करते हुए अपने धाम को निकल गए। मंचन में लक्ष्मण और परशुराम के संवाद की लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिसके बाद पूरे पंडाल में श्रीराम के जयकारों से क्षेत्र राममय हो गया। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष लता बोरा, उपाध्यक्ष यशोदा रावत, सचिव शांति जीना, प्रचार सचिव कल्पना रावत, प्रेमा बृजवासी, जानकी पोखरिया, मंजू बनकोटी, अंजना बोरा, कुसुम बोरा, शैलेन्द्र दानू, सुशील शर्मा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लोनिवि के खिलाफ अनूठा प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मंडी से तीनपानी तक सड़क पर लोनिवि द्वारा पेड़ काटने के बाद पेड़ों की जड़ों को हटाने में नाकामी को लेकर गुरूवार को स्थानीय पार्षद मनोज जोशी ने क्षेत्रीय लोगों के साथ लोनिवि के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया। पार्षद ने आरोप लगाया कि लगभग एक साल पहले पेड़ काटे गए थे, लेकिन उनकी जड़ों को नहीं हटाया गया, जिसके कारण आए दिन वाहन चालक और पैदल यात्री इन जड़ों से टकरा रहे हैं। पार्षद मनोज जोशी ने बताया कि जड़ें सड़क के किनारे छोड़ी गई हैं, और इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को लेकर वन विभाग के डीएफओ से बात की, लेकिन वन विभाग ने कहा कि यह कार्य उन लोगों का है जिनकी यह जगह है। इसके बाद पीडब्लूडी के सहायक अभियंता से भी बात की गई, जिन्होंने भी अपने विभाग की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। पार्षद जोशी ने कहा कि लो. निवि ने ही इन पेड़ों को कटवाया था, इसलिए अब इन जड़ों को तत्काल हटाया जाए। अगर जल्द ही पेड़ों की जड़ों को हटाने का कार्य शुरू नहीं होता, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन करने वालो में संजय कुमार, रोहित कश्यप, आमिर, अशोक, राज जायसवाल, हरि शंकर, प्रकाश दुबे, जीवन, अनूप, धर्मेंद्र सेनी और आमिर सहित कई लोग मौजूद थे।

एसटीएच में मरीज को नया जीवन

राजकीय अस्पताल आयुष्मान कार्ड से भी दे रहा सेवाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्राचार्य डा. अरुण जोशी के मार्गदर्शन में डा. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय के चिकित्सकों ने 32 वर्षीय बची सिंह को नया जीवनदान दिया। गुजरात के अहमदाबाद से आए मरीज को गंभीर अवस्था में 11 मार्च को चिकित्सालय लाया गया था।

मरीज के शुगर लेवल 1000 से अधिक होने के कारण वह बेहोशी की हालत में था और उसके दिमाग में खून का थक्का जमा था। चिकित्सकों ने मरीज की स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे वेंटीलेटर पर रखा और गले में पड़ी ट्यूब को हटाकर उपचार शुरू किया। आयुष्मान योजना के तहत मरीज का उपचार निःशुल्क किया गया। चिकित्सकों की मेहनत से मरीज का स्वास्थ्य धीरे-धीरे सुधरा और आज 3 अप्रैल को उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। मरीज और उसके परिजनों ने चिकित्सकों और अस्पताल प्रशासन का आभार व्यक्त किया। मरीज के भाई ने बताया कि 1300 किमी का सफर तय करके वे चिकित्सालय पहुंचे और यहां बेहतर उपचार मिला। प्राचार्य डा. अरूण जोशी ने कहा कि चिकित्सालय में कुमाऊं क्षेत्र और अन्य राज्यों के गरीब मरीजों को भी निःशुल्क उपचार मिल रहा है। आयुष्मान योजना के तहत इलाज और ऑपरेशन मुफ्त किए जा रहे हैं, जिससे गरीब मरीजों को लाभ मिल रहा है।

एक नजर

घर से चोरी करता एक धरा

हल्द्वानी। बनभूलपुरा क्षेत्र में एक शातिर चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जो घर में घुसकर चोरी करने की कोशिश कर रहा था। पीड़ित मो. कामिल ने पुलिस को बताया कि 2 अप्रैल की रात वह अपने घर में सो रहे थे, तभी उनकी आंख खुली और उन्होंने देखा कि एक युवक उनका मोबाइल चोरी कर रहा है। उन्होंने तत्परता से आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ के दौरान पकड़े गए आरोपी चोर ने अपना नाम अरमान पुत्र दानिश निवासी उत्तर उजाला बनभूलपुरा बताया। इधर बनभूलपुरा थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

ई-रिक्शा ने चिकित्सक को मारी टक्कर, घायल

हल्द्वानी। बीते बुधवार की शाम अपने क्लीनिक जा रहे एक चिकित्सक को ई-रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी। जिससे चिकित्सक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल चिकित्सक के छोटे भाई की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गंगा इंक्लेव नवाबी रोड निवासी जीवन चन्द्र पाठक ने कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि बीते बुधवार की शाम 5 बजे उनके बड़े भाई 74 वर्षी डा. दिनेश चंद्र पाठक रोजना की तरह पैदल ही अपने क्लीनिक आनंदा अकादमी डहरिया को जा रहे थे। तभी ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके भाई डा. दिनेश को गंभीर चोटें आईं, और उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने टुकटुक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सीपीयू ने यातायात उल्लंघन पर कसा शिकंजा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सीपीयू ने कड़ा अभियान चलाया। बुधवार को तिकोनिया से लेकर रोमपुर रोड सुशीला तिवारी अस्पताल तक सीपीयू ने नो पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ 73 चालान किए। एसएसपी पीएन मीणा के निर्देश पर सीपीयू प्रभारी एसआई जगदीश कोहली ने टीम के साथ तिकोनिया से अभियान की शुरुआत की। यहां सड़क किनारे खड़ी एक कार का चालान किया गया। इसके बाद टीम ने नैनीताल रोड, कालू सिद्ध तिराहा, सिंधी चौक, और सुशीला तिवारी अस्पताल तक चेकिंग की। इस दौरान सीपीयू ने काठगोदाम में भी चैकिंग अभियान चलाया। चैकिंग अभियान के दौरान सीपीयू ने कुल 22 चार पहिया वाहनों के चालान किए, जो नो पार्किंग में खड़े थे। इसके अलावा, नो एंट्री में घुसने पर एक चालान किया गया और 50 अन्य वाहनों के चालान किए गए, जिनमें रैश ड्राइविंग, बिना हेलमेट, बिना नम्बर प्लेट, दोषपूर्ण नम्बर प्लेट और ओवरस्पीडिंग जैसे उल्लंघन शामिल थे।

मुस्लिमों के विकास और पारदर्शिता में ऐतिहासिक कदम

वक्फ संशोधन अधिनियम पर वरिष्ठ भाजपा नेता मज़हर नईम नवाब का बयान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मज़हर नईम नवाब ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम 2024 को ऐतिहासिक करार दिया।

उन्होंने कहा कि यह अधिनियम न केवल गरीब मुस्लिम समाज के हितों की रक्षा करेगा, बल्कि वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जों को हटाने और उनके सही उपयोग को सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इस अधिनियम के माध्यम से पारदर्शिता, जवाबदेही और न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने का कार्य किया है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि वक्फ संपत्तियां उन्हीं उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाई जाएं, जिनके लिए वे मूल रूप से बनाई गई थीं, यानी गरीब, जरूरतमंद और समाज के पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए। मज़हर नईम नवाब ने बताया कि पिछले 70 वर्षों में वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे और दुरुपयोग को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। कांग्रेस शासन में वक्फ संपत्तियों को संरक्षित करने की बजाय लाभार्थियों को उनके अधिकारों से वंचित किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से सामने आया था कि कांग्रेस सरकारों के दौरान वक्फ संपत्तियों की आमदनी में लगातार गिरावट आई और मुस्लिम समाज को कमजोर किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति के तहत अब यह अधिनियम वक्फ संपत्तियों को गरीब बच्चों की शिक्षा, रोजगार और मुस्लिम समाज के समग्र उत्थान में मददगार बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी इस महत्वपूर्ण अधिनियम का विरोध कर रही है, क्योंकि उसने दशकों तक मुस्लिम समाज को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया और कभी भी उनके वास्तविक विकास के लिए कार्य नहीं किया।

वक्फ संशोधन अधिनियम ऐतिहासिकः ज़हीर अंसारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भाजपा उत्तराखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा, ज़हीर अंसारी ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2024 को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह गरीब मुस्लिमों के हित में है और अवैध कब्जाधारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। उन्होंने इस अधिनियम को वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और समाज के जरूरतमंदों को लाभ देने वाला बताया। ज़हीर अंसारी ने प्रेस को जारी नोट में कहा यह संशोधित अधिनियम वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। अब उन लोगों को, जिन्होंने वर्षों से वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर कब्जा किया है, कानूनी प्रक्रिया के तहत दंडित किया जाएगा और उन्हें मुक्त कराया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस संशोधन से वक्फ संपत्तियों के संरक्षण और उनके उचित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा, जिससे समाज के जरूरतमंद वर्गों को लाभ होगा, जैसा कि वक्फ डीड में उल्लेखित है। अंसारी ने बताया कि वक्फ अधिनियम 1995 को पहले 2013 में भी संशोधित किया गया था और अब 2024 का संशोधन इसे और प्रभावी बनाएगा। ज़हीर अंसारी ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2024 के लोकसभा में पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

कुमाऊंनी उद्यमियों के लिए कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर में मार्गशाला संस्था ने कुमाऊंनी उद्यमियों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें स्वरोजगार कर रहे युवाओं को मार्केटिंग, कोलेब्रेशन और प्रोडक्ट सेलिंग की जानकारी दी गई। यह कार्यशाला बुधवार को मल्लीताल स्थित फ्रीमेंसन हॉल में आयोजित की गई, जिसमें स्वरोजगार कर रहे युवाओं ने अपने स्टाल लगाए। मार्गशाला की संचालक अरुणिमा ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना और उन्हें मार्केटिंग एवं कोलेब्रेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण देना था। कहा कि कार्यशाला का मुख्य लक्ष्य युवाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करना, व्यावसायिक कौशल प्रदान करना था।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

महिला और उसकी पुत्री को जलाने का प्रयास

विश्व हिंदू परिषद ने की नशेड़ी युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। मोहल्ला इंदिरा कॉलोनी में कुछ नशेड़ी युवकों ने महिला और उसके बच्चे पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मोहल्ला इंदिरा कॉलोनी निवासी विश्व हिंदू परिषद की प्रखंड उपाध्यक्ष कल्पना वर्मा के घर के समीप पेट्रोल डालकर नशेड़ियों ने उन्हें धमकी देते हुए उनके घर के पास पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया। इलाके में रहने वाली सुधा नाम की महिला ने बताया कि वह अपनी नाबालिक पुत्री के साथ घर से बाहर पड़ोस में जा रही थी तभी नशेड़ियों ने उन पर व उनकी पुत्री पर भी पेट्रोल डालकर आग लगाने का प्रयास किया, लेकिन महिला अपनी पुत्री को लेकर तुरंत घर के अंदर घुस गई। इसके बाद इस मोहल्ले में नशेड़ियों की हरकत को देखकर जहां एक और हड़कंप मच गया तो वहीं इलाके के लोग अब दहशत में हैं। उन्होंने मामले में पुलिस से कार्रवाई करने की मांग करते हुए इलाके में रहने वाले लोगों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

घटना के बाद इलाके में रहने वाले लोगों के साथ ही विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कई कार्यकर्ता भी घटना के विरोध में कोतवाली पहुंच गए और उन्होंने नाराजगी जताई। विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री सूरज चौधरी ने घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आज इस प्रकार के आसामाजिक तत्व शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिषद के कार्यकर्ता इस प्रकार की गतिविधियों को किसी कीमत पर सहन नहीं करेंगे। वहीं मामले में पीड़ित महिला सुधा ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। घटना के संबंध में कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि मामले में महिला की तहरीर पर दानिश और उसके दो अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी आरा. `पी हैं उन्हें शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा और इस प्रकार की गतिविधि करने वाले आरोपियों के साथ पुलिस सख्ती से निपटेगी।

राज्यपाल आज पंतनगर में

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। राज्यपाल उत्तराखण्ड ले. ज. (सेनि.) गुरमीत सिंह आज चार अप्रैल 2025 शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यक्रम में गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में पधार रहे हैं।

प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल चार अप्रैल 2025 को 11. 15 बजे जौलीग्रड से हवाई जहाज द्वारा प्रस्थान कर 11.55 बजे पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से कार द्वारा प्रस्थान कर 12.05 बजे तराई भवन पहुंचेंगे। उसके उपरांत विश्व. विद्यालय में मधु वाटिका, गौरा देवी प्रशिक्षण केन्द्र, देवकी नंदन अग्रवाल स्टूडेंट रीक्रिएशन सेंटर का उद्घाटन करेंगे। महामहिम 3.15 बजे पंतनगर विश्वविद्यालय से प्रस्थान कर पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से 3. 25 बजे हवाई मार्ग से देहरादून के लिए प्रस्थान करेंगे।

भौना बिरहा सड़क निर्माण में हो रहा घटिया सामग्री का प्रयोग: महेश राठौर

पीडब्ल्यूडी विभाग और ठेकेदार पर लगाया मिली भगत का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। भौना इस्लामनगर बिरहा से पॉलिप्लेक्स को जाने वाली लिंक मार्ग सड़क का निर्माण ठेकेदार द्वारा पीडब्ल्यूडी विभाग की मिली भगत से घटिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसको लेकर सड़क का काम रुकवा दिया गया।

ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष महेश राठौर ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अरुण कुमार को शिकायती पत्र देकर घटिया निर्माण कार्यों की जांच कराने की मांग की। जिसको नैनीताल उधम सिंह नगर के

लोकसभा सांसद अजय भट्ट ने भी पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिशासी अभियंता अरुण कुमार को फोन करके एस्टीमेट मानकों के आधार पर सड़क का निर्माण कराने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष महेश राठौर ने बताया भौना इस्लामनगर से बिरहा से होते हुए पॉलीफ्लेक्स बन्नाखेड़ा को लिंक मार्ग सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। लगभग 30 वर्षों बाद इस सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिस पर पीडब्ल्यूडी विभाग के एई अधिशासी अभियंता को भी घटिया निर्माण से अवगत कराया गया। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क के निर्माण कार्यों की जांच करने के लिए कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। घटिया सड़क का निर्माण कार्य रुकवा दिया गया है। सड़क पर पीसी डुमरीकरण का माल 1 इंच डाला जा रहा है, जो चंद दिनों में ही सड़क क्षतिग्रस्त हो जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क की निष्पक्ष जांच कर और सही तरीके इस्टीमेट के मानकों द्वारा सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो मजबूर होकर आंदोलन करना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

नीरज बने खटीमा अभिभावक संघ के अध्यक्ष

बच्चों, शिक्षकों, स्कूल मैनेजमेंट एवं अभिभावकों के बीच आपसी संवाद होगा मजबूत

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। एक निजी होटल में विभिन्न स्कूलों के अभिभावकों की एक बैठक संपन्न हुई। जिसमें आपसी विचार विमर्श के बाद एडवोकेट नीरज रस्तोगी को सर्वसम्मति से खटीमा अभिभावक संघ का अध्यक्ष चुना गया।

बैठक में सभी अभिभावकों ने एक मत होकर विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों, स्कूल के शिक्षकों, स्कूल मैनेजमेंट एवं अभिभावकों के बीच आपसी संवाद को मजबूत करने एवं स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को होने वाली समस्याओं के निराकरण

के लिए अभिभावक संघ के गठन को जरूरी बताया। विभिन्न सामा. जिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों ने एक मंच पर आकर अभिभावक संघ के अध्यक्ष का चुनाव किया।

वहीं नवनियुक्त अध्यक्ष नीरज रस्तोगी ने सभी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही अभिभावक संघ की कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

इस अवसर पर पंजाबी महासभा के प्रदेश सचिव मनोज बाधवा, कायस्थ महासभा के नगर अध्यक्ष रवीश भटनागर, भाजपा जिला महामंत्री सतीश गोयल, प्रशासक कामिल खान, युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुमित कुमार गुंबर, रामल. ीला कमेटी के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, नगर युवा समिति के अध्यक्ष राजेश राणा, विजय गुप्ता, अधिवक्ता इकबाल अहमद, अमरजीत सिंह, विक्की अंसारी तथा विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षुओं ने आंचल दुग्ध डेयरी खटीमा का भ्रमण कर ली महत्वपूर्ण जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। एचएनबी पीजी कॉलेज में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत चल रहे 12 दिवसीय ईडीपी कार्यशाला के आठवे दिन प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने औद्योगिक संस्थान के शैक्षणिक भ्रमण एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के दृष्टिगत नोडल अधिकारी डॉ.हरेन्द्र मोहन सिंह के नेतृत्व में खटीमा स्थित आंचल राजकीय दुग्ध डेयरी संस्थान का भ्रमण कर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

इसके पूर्व प्रभारी प्राचार्या डॉ.रीना सिंह ने प्रशिक्षुओं के दल को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए रवाना किया। इस दौरान संस्थान के जीएम राजेश मेहता ने प्रशिक्षुओं को डेयरी उद्योग के क्षेत्र में रोजगार एवं

स्वरोजगार के अवसरों, संबंधित क्षेत्र की सरकारी योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान किया। वहीं संस्थान के मदन एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षुओं को डेयरी उत्पादों के निर्माण, प्रोसेसिंग पैकेजिंग एवं वितरण की विस्तृत जानकारियां प्रदान की गई। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षुओं में भी काफी उत्साह एवं जिज्ञासा देखी गई तथा उन्होंने अपनी समस्त जिज्ञासाओं को शांत भी किया।

इस अवसर पर खटीमा महाविद्यालय से अंचल वर्मा भी प्रशिक्षु दल के साथ मौजूद रहे। ध्यातव्य है कि सरकार की इस योजना में अहमदाबाद का प्रतिष्ठित ईडीआईआई संस्थान भी सहयोग कर रहा है। 12 दिवसीय इस ईडीपी कार्यशाला का समापन पांच अप्रैल को होगा।

एक नजर

बीस सूत्रीय कार्यक्रम में उधमसिंह नगर फिर रहा अव्वल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बीस सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद उधमसिंह नगर गवर्तर्ष से प्रदेश में लगातार प्रथम पायदान पर बना हुआ है। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के जनवरी माह में बीस सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद उधमसिंह नगर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में बीस सूत्रीय कार्यक्रम में प्रथम आने पर सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए इस वित्तीय वर्ष में भी बीस सूत्रीय कार्यक्रम में प्रथम श्रेणी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि बीस सूत्रीय कार्यक्रम के 42 मदों में जनपद 34 कार्यक्रमों में ए श्रेणी, छह कार्यक्रमों में बी श्रेणी, एक कार्यक्रम में सी श्रेणी व एक कार्यक्रमों में डी श्रेणी प्राप्त की है। उन्होंने सभी अधिकारियों को सभी कार्यक्रमों में ए श्रेणी में लाने के निर्देश दिए हैं। बीस सूत्रीय कार्यक्रम में प्रदेश के 13 जनपदो में उधमसिंह नगर प्रथम, बागेश्वर द्वितीय व चम्पावत जनपद तृतीय स्थान पर रहा।

एडीएम ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार जोशी ने गुरुवार को ईवीएम वेयर हाउस का बाहरी निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अपर जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षात्मक दृष्टि से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों व अग्निशमन यंत्रों को भी देखा। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश सहायक निर्वाचन अधिकारी को दिए। निरीक्षण के दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र अधिकारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी हंसा दत्त पाण्डे आदि उपस्थित थे।

सैकड़ों लोगों ने कराई आंखों की नि:शुल्क जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। श्री रामभवन धर्मशाला में महाराजा अग्रसेन ट्रस्ट द्वारा सरदार विशन सिंह और मुरादाबाद आई इंस्टीट्यूट सीएल गुप्ता के सहयोग से आयोजित 7 वें नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में सैंकड़ों मरीजों के आंखों की जांच की गई।

मुरादाबाद आई इंस्टीट्यूट सीएल गुप्ता की चेयरपर्सन शिखा गुप्ता द्वारा नेत्र चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ किया गया। नेत्र चिकित्सा शिविर में राघव गुप्ता, आशी खुराना, सत्य प्रकाश और उनकी मेडिकल टीम द्वारा मरीजों के आंखों की जांच की गई। चयनित आपरेशन वाले मरीजों को मुरादाबाद ले जाना और आना, चश्मा, दवाईयां, भोजन व रहना नि:शुल्क है। शिविर में पहुंचे आगंतुकों का महाराजा अग्रसेन ट्रस्ट के नरेन्द्र गोयल, राजेश कुमार गर्ग, तरसेम गर्ग, सचिन सिंघल, अजय बंसल, नारायन गर्ग, समीर गर्ग इत्यादि ने आभार व्यक्त किया। नेत्र चिकित्सा शिविर में एनसीसी कैडेट द्वारा भी अपना विशेष सहयोग प्रदान किया गया। इस मौके पर व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सत्यवान गर्ग, भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, स. गुरूप्रीत सिंह बिट्टू, मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बंद घर से चोरों ने लाखों के जेवर उड़ाए

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। विगत दिवस अज्ञात चोरों ने इन्द्रा कालोनी में परिजनों की गैर मौजूदगी में घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये कीमत के जेवर चोरी कर लिए। पीड़ित ने घटना की रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है।

दर्ज कराई रिपोर्ट में अभिषेक पुत्र विनोद कुमार मूल निवासी ग्राम गदियाना, जिला शाहजहांपुर हाल निवासी इन्द्रा कॉलोनी, गली नंबर 4 ने कहा है कि वह विगत 10 वर्षों से इन्द्रा कॉलोनी, गली नम्बर 4 में अपने माता-पिता के साथ किराये पर निवास करता आ रहा है। पिता विनोद कुमार ने 31 मार्च को निजी हॉस्पिटल में अपना अल्ट्रांउण्ड कराया था, जिसकी रिपोर्ट लेने के लिए वह एवं माता शान्ति देवी एक अप्रैल की दोपहर हॉस्पिटल गए थे। जब घर वापस लौटे तो देखा कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके कमरे का ताला तोड़कर कमरे में रखे बक्से से सोने की नथुनी, झुमके, टीका, दो मंगलशुत्र व अंगूठी तथा चांदी के दो पायल चोरी कर लिया है। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शॉर्ट सर्किट से जिप्सी में लगी आग

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर के लखनपुर क्षेत्र में गुरुवार सुबह राजीव यादव की जिप्सी संख्या यूके 04टीए-8685 में आग लग गई। सूचना पर फायर स्टेशन अधिकारी उमेश चंद्र परगाई के नेतृत्व में फायर यूनिट घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचकर फायर यूनिट द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूर्ण रूप से बुझाया गया। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट था। बताया कि पीड़ित व्यक्ति को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। इस दौरान फायर टीम में लीडिंग फायरमैन सुशील कुमार, पुष्कर सिंह, शंभू गिरी, हरकेश सिंह, प्रकाश चंद्र, सुखदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

शराब की दुकान के खिलाफ महिलाओं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ग्राम भूरारानी की डिवाईन पार्क कालोनी में शराब की दुकान खोलने की तैयारी के खिलाफ महिलाओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में महिलाओं ने कहा है कि यहां पिछले छह माह से शराब की दुकान बंद है। उन्हें सन्देह है कि इस वर्ष पुन: शराब की दुकान खोली जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में पूर्व में भी ज्ञापन दिया जा चुका है। शराब की दुकान का पूर्व में विरोध करने पर उन्हें अभी भी कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। महिलाओं ने बताया कि उक्त शराब की दुकान का सही स्थान बंगाली कालोनी है। उन्होंने ज्ञापन में जिलाधिकारी से कालोनीवासियों के हित में इस सन्दर्भ में अपने स्तर से आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

वेडिंग जोन में समोसा मार्केट के व्यापारियों को भी मिलेंगी दुकानें

नवनिर्मित वेंडिंग जोन का और होगा विस्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। समोसा मार्केट से उजाड़े गए दुकानदारों के पुनर्वास का इंतजार जल्द ही खत्म होने जा रहा है। नवनिर्मित वेंडिंग जोन का विस्तार कर उजाड़े गए 38 व्यापारियों को भी यहीं पर बसाया जाएगा। इसके लिए नक्शा तैयार हो चुका है, वेंडिंग जोन के बगल में नई दुकानों के साथ ही सुंदर पार्क भी बनाया जाएगा।

गत दिवस महापौर विकास शर्मा और नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल ने समोसा मार्केट के व्यापारियों के साथ बैठक की और उनके लिए चिन्हित स्थान का निरीक्षण भी किया। बता दें जी-20 सम्मेलन के दौरान सड़क चौड़ीकरण के लिए नैनीताल हाईवे पर

स्थित राम मनोहर लोहिया मार्केट और समोसा मार्केट की दुकानों को खाली कराया गया था। तभी से ये व्यापारी पुनर्वास की मांग कर रहे थे। नगर निगम द्वारा बनाए ग वेंडिंग जोन में राम मनोहर लोहिया मार्केट के दुकानदारों और ठेली व्यापारियों को दुकानें आवंटित कर दी गई है, लेकिन समोसा मार्केट के 38 व्यापारियों का पुनर्वास नहीं हो पाया था। महापौर विकास शर्मा और नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल ने बुधवार शाम समोसा मार्केट के दुक. नदारों की बैठक ली और उन्हें वेंडिंग जोन के बगल में 8 गुणा 11 की दुकानें देने का प्रस्ताव रखा। जिस पर सभी व्यापारियों ने सहमति जताई और महापौर का आभार व्यक्त किया। महापौर ने बताया कि वेंडिंग जोन का विस्तार करके समोसा मार्केट के 38 व्यापारियों के साथ ही कुछ छूटे हुए व्यापारियों के लिए भी दुकानें बनाई जाएंगी। जो भी पात्र दुकानदार होंगे उन्हें 8गुणा 11 की दुकानें आवंटित की जाएंगी। महापौर ने बताया कि वेंडिंग जोन के विस्तार के लिए नगर निगम ने बगल में स्थित विद्युत विभाग की करीब एक एकड़ जमीन ले ली है। इसमें दुकानें बनाने के साथ ही सुंदर पार्क भी बनाया जाएगा। व्यापारियों को दुकानें 4.37 लाख रुपये में दी जाएंगी। भुगतान किस्तों में करने की सुविधा भी मिलेगी।

इस दौरान भाजपा मण्डल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, गुलशन नारंग, पारस चुघ, मनोज मदान, अब्दुल रहमान, परवेज आलम, सरला गुप्ता, मोहन लाल, जावेद, दीपिका, इंदर जैन,देवेन्द्र सिंह, राजीव कुमार, बाबू मल्होत्रा,रमेश चन्द्र, कृष्णवीर, राम किशोर गुप्ता, अजय गुप्ता आदि समेत तमाम लोग मौजूद थे।

जिले में होने वाले कार्यक्रम को लेकर भाजपा जिला प्रभारी ने ली बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। भाजपा जिला कार्यालय पर प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार आगामी छह अप्रैल पार्टी स्थापना दिवस व 14 अप्रैल डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के निमित्त आयोजित होने वाले कार्यक्रम की योजना रचना को लेकर जिला उधम सिंह नगर बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक का शुभारम्भ दीप प्रजलन व वन्देमातरम गीत के साथ हुआ। बैठक की शुरुआत भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल द्वारा स्वागत भाषण के रूप में हुई, उन्होंने कहा जिला बनने बाद संगठन कार्य हेतु पहली बैठक है। निश्चित रूप से पहले कार्यकाल में भी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार हर कार्य को बूथ स्तर तक ले जाने का प्रयास किया है। वहीं छह अप्रैल से 14 अप्रैल अम्बेडकर जयंती तक होने वाले कार्यक्रमों को भी व्यवस्थित ढंग से करने का प्रयास किया जाएगा। विधायक शिव अरोरा ने भी अपने विचार रखते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम किया। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पूर्ण निष्ठा के साथ अपने जिम्मेदारी का निर्माण करता आया है और निश्चित रूप से पार्टी स्थापना दिवस और अम्बेडकर जयंती को भी हम बूथ स्तर तक मनाने का कार्य करेंगे। मुख्य वक्ता के रूप मे आए प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी राकेश नैनवाल ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी जिसका गठन दो सांसदों से हुआ था, आज वह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में दुनियां में जानी जाती है। पार्टी का स्थापना दिवस आगामी छह अप्रैल को हम पूरे देश में मनाने वाले

हैं, उस दिन प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी का झंडा अपने घरों पर लगाकर उसके साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया में प्रसारित करने का कार्य करेगा, तो वहीं उसके अगले दिन सात अप्रैल को हर मंडल में बूथों पर गोष्ठी का आयोजन होगा, जिसमे भाजपा के इतिहास व संघर्ष पर वक्ता अपना विचार रखेंगे। नैनवाल ने कहा आगामी 10 से 12 अप्रैल तक गांव व बस्ती चलो अभियान के निमित्त सभी बूथों पर पार्टी के वरिष्ठ लोग प्रवास करेंगे।

प्रभारी राकेश नैनवाल ने कहा 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डा. अम्बेडकर की जयंती पर हम अपने क्षेत्रों मे उनकी प्रतिमा पर सफाई अभियान कर मूर्ति पर माल्यार्पण और उसके साथ अपने-अपने बूथों पर विचार गोष्ठी के माध्यम से संविधान की प्रस्तावना को लोगों के बीच रख डा. अम्बेडकर की जयंती को मनाने का कार्य करेंगे। नैनवाल ने कहा यह सभी कार्यक्रम सभी मंडलों में व्यवस्थित ढंग से हो साथ ही आगामी चार व पांच अप्रैल को इन सभी कार्यक्रम की रूपरेखा सम्बंधित योजना बैठक पूरे जिले के सभी मंडलों में भी आयोजित होंगी। कार्यक्रम की रिपोर्टिंग प्रदेश नेतृत्व द्वारा घोषित प्रदेश उपा ध्यक्ष कुदीप कुमार के नेतृत्व वाली टोली करेगी। वहीं जिले से इस टोली के संयोजक अमित नारंग रहेंगे। उन्होंने कहा सभी कार्यक्रम सफल हो भव्य होगे ऐसा विश्वास व्यक्त करते है।

इस दौरान विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष विवेक सक्सेना, अम्बेडकर जयंती के जिला संयोजक सुरेश कोली, इंदरपाल मान, राजेश तिवारी, शालनी बोरा, रश्मि रस्तोगी, अंजू देवी, धीरेन्द्र मिश्रा, श्रीकांत राठौर, जुल्फिकार अली, विमल मंडोला, शशांक बिष्ट, धीरेश गुप्ता, सुनील ठुकराल, संचालककर्ता गजेंद्र प्रजापति, जगदीश विश्वास, मुकेश पाल, गोल्डी गोराया, पिंकी डिमरी, हरीश खनवानी, जीवन धामी, विक्रम भाट, ओम नारयण, मयंक कक्कड़, विकास गूगलनी, बिट्टू चौहान, फरजाना बेगम, ममता त्रिपाठी, राजेश जग्गा, मोहन तिवारी, तरुण दत्ता, संदीप बाजवा, मयंक अग्रवाल, हरीश भट्ट, आयुष चिलाना, राधेश शर्मा, राजीव शुक्ला, कुदीप गंगवार, मुकेश सनवाल, रमेश जोशी,सुनील यादव, सूरज खान, परवेज खान, आदेश भरद्वाज व अन्य लोग मौजूद रहे।

सम्मन

न्यायालय- सीनियर सिविल जज, रुद्रपुर, जिला उधमसिंह नगर

सक्सेशन वाद सं.-05 सन् 2025

प्रार्थीनी/सायला- प्रेमा देवी

बनाम

विपक्षीगण- रिश्तेदारान।

अंतर्गत धारा-372 Indian Succession Act

सम्मन बनाम व आम-

हरगाह कि प्रार्थीनी प्रेमा देवी ने इस न्यायालय में एक सक्सेशन वाद अंतर्गत धारा-372 Indian Succession Act विपक्षीगण- रिश्तेदारान (सुदामा पुत्र मनोहर, नीतू वर्मा पत्नी स्व. संजीव कुमार चौधरी, माधव चौधरी (नाबा. लिग) पुत्र स्व. संजीव कुमार चौधरी द्वारा नीतू चौधरी, नेहा चौधरी पत्नी श्री धर्मेन्द्र सिंह तथा अनामिका चौधरी पत्नी श्री संजय सिंह) के विरूद्ध प्रस्तुत किया है, जिसमें आपत्ति हेतु दिनांक- 09.04.2025 नियत की गयी है।

एतद्द्वारा हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीनी प्रेमा देवी के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाणपत्र जारी किए जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह उक्त तिथि को ठीक 10 बजे स्वयं अथवा जरिए अधिवक्ता इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा प्रार्थीनी प्रेमा देवी के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाणपत्र जारी करने बाबत कार्यवाही एकतरफा रूप से अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक-02.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर अदालत से जारी।

मुसरिम/रीडर

सिविल जज (सीनियर डिविजन)

रुद्रपुर (उधमसिंह नगर)

पुलिस ने जलौनी लकड़ी तस्कर दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व पुलिस अधीक्षक काशीपुर के निर्देशन मे पुलिस उपाधीक्षक काशीपुर व प्रभारी निरीक्षक जसपुर के कुशल नेतृत्व में गत रात्रि चेकिंग में जसपुर पुलिस टीम द्वारा पतरामपुर फ्लाई ओवर अन्डर पास के पास छह ट्रैक्टर की ट्रालियों सहित कुल आठ लोगों अशोक सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी हरिपुरा हरसान बरहैनी बाजपुर उधम सिह नगर, असगर अलि पुत्र शाकिर अली निवासी अली नगर उत्तरी स्वार जिला रामपुर, साहिल पुत्र शकील निवासी हाजी नगला टिगरी थाना दिलारी जिला मुरादाबाद, मोहित कुमार पुत्र पप्पू सिंह निवासी रूस्तम नगर सराय की मण्डी थाना स्वार जिला रामपुर, रिजवान पुत्र अकबर अली निवासी अली नगर तहसील स्वार जिला रामपुर, अकबर अली पुत्र शाकिर अली निवासी अली नगर उत्तरी थाना स्वार जिला रामपुर, रहीश पुत्र कल्लन निवासी केशोवाला थाना बाजपुर जिला उधम सिंह नगर (ठेकेदार), बूटा सिंह पुत्र मोहन सिंह निवासी पिस्तौरा थाना कुण्डा जिला उधम सिह नगर(ठेकेदार) को मौके से गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों के द्वारा अवैध कच्ची-पक्की लकडी के छोटे बड़े गिल्टों को फाटो रेंज पतरामपुर के जंगलों से जलौनी लकड़ी के नाम पर बडे पेड़ व छोटे पेड़ जो कच्चे थे, उनको काटकर चोरी कर बेचने के लिए स्वार रामपुर ले जा रहे थे, जिनको पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया व उक्त प्रकरण मे थाना जसपुर में अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तगणों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक जगदीश ढकरियाल, उ.नि. केसी आर्या, उ.नि. धीरज टम्टा, उ.नि. गो. विंद, का. सुधाष डूंगरियाल , पूरन सिंह, हेम फुलारा आदि मौजूद रहे।

देश की जनता से माफी मांगे राज्यसभा सांसद: उदयराज सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा महाराणा सांगा के प्रति अभद्र टिप्पणी करने के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम डा. अमृता शर्मा को सौंपकर कार्रवाई करने की मांग की।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर उदयराज सिंह ने बताया कि राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा देश के महान वीर योद्धा महाराणा सांगा के प्रति अभद्र टिप्पणी करने के विरोध उन्होंने कहा है राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन जब तक माफी नहीं मांगे इसका विरोध जारी रहेगा। देश के महान वीर योद्धा के प्रति उनकी मानसिकता की किस हद तक गिर चुकी है, इस अंदाजा खुद लगाया जा सकता है। उत्तराखंड क्षत्रिय महासभा और करनी सेना इसका पुरजोर विरोध करेगी।

दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन व समाचार के लिए संपर्क करें।

9759273715

rudrapurst2020@gmail.com

गलत तरीके से वक्फ बोर्ड के नाम की गई जमीन को मुक्त कराए सरकार

रामनगर के समाजसेवी नरेंद्र शर्मा ने ग्राम गौजानी में वार्ता कर उठाई मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। नगर के समाजसेवी नरेंद्र शर्मा ने गुरुवार को कोसी बैराज स्थित एक रेस्टोरेंट में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने संसद में वक्फ बोर्ड को लेकर की गई कार्रवाई स्वागत किया है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में कई इलाकों में वक्फ बोर्ड के नाम पर अवैध रूप से संपत्तियों का कब्जा किया गया है जो की पूरी तरह गैरकानूनी है।

उन्होंने कहा कि ऐसा ही मामला रामनगर विकासखंड के ग्राम गौजानी क्षेत्र का है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में जय वल्लभ नाम से एक परिवार रहता था और उनके द्वारा कई वर्षों पहले रमेश पाठक नाम के व्यक्ति को कुछ जमीन दान

स्वरूप दी गई थी, लेकिन कुछ समय बाद रमेश पाठक की झोपड़ी में आग लगने के चलते दान नामे को लेकर तैयार किए गए दस्तावेज भी जल गए थे। उन्होंने बताया कि रमेश पाठक को झोपड़ी जलने के बाद सरकार से मिलने वाला मुआवजा भी प्रदान किया गया था। उन्होंने बताया कि इसी बीच कुछ लोगों द्वारा गलत तरीके से कुछ भूमि कब्रिस्तान को दी गई।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जिसके बाद कब्रिस्तान की कमेटी द्वारा अब जमीन को गलत तरीके से कब्रिस्तान की दिखा दिया गया और यह जमीन वक्फ बोर्ड में भी दर्ज हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जो की पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि गलत तरीके से तथ्यों को पेश कर विभाग को गुम. राह किया गया है। उन्होंने इस मामले में प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री से इस प्रकरण की जांच करने के साथ ही कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए इस जमीन को वक्फ बोर्ड से मुक्त करने की मांग की है।

वहीं मामले में एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि यह मामला कई वर्षों पुराना है और इस मामले में पुराने अभिलेख निकालकर जांच की जाएगी। जांच में यदि कुछ गलत पाया गया तो अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कबाड़ के गोदाम में आग लगी, दमकल ने पाया काबू

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। रेलवे स्टेशन के सामने कबाड़ के गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद दुकानदारों ने राहत की सांस ली। बुधवार रात लगभग 11 बजे रेलवे स्टेशन के सामने अखलाक के कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। लोगों ने गोदाम से धुआं निकालता देखा तो हड़कंप मच गया। इसके बाद आसपास के दुकान वाले भी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस कर्मी और फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर यूनिट में मदन सिंह, दीपक बसेरा, भवान सिंह, संजय सिंह, धीरज राणा आदि रहे।

ग्रीष्मकालीन धान की बुआई पर सख्ती से लगाई जाए रोक: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ग्रीष्मकालीन धान की बुआई प्रतिबन्धित होने के बाद भी बुआई को गम्भीरता से लेते हुए जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने सभी उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में निरीक्षण/जांच कर धान की नर्सरिया नष्ट करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रीष्मकालीन धान की बुआई 31 मार्च तक सशर्त अनुमति के दी गई थी। उसके बावजूद भी जनपद में ग्रीष्मकालीन धान की नर्सरी व बुआई की शिकायतें मिल रही है जो गम्भीर विषय है। उन्होंने तत्काल सभी उप जिलाधिकारियों, कृषि अधिकारियों, भूमि संरक्षण अधिकारियों को निर्देश दिए कि व अपने-अपने क्षेत्र में निरीक्षण जांच कर धान बुआई पर प्रतिबन्ध लगाएं। उन्होंने कहा कि दलदलीय व पानी वाली भूमि में भी सशर्त धान बुआई की स्वीकृति दी गई थी उसकी भी जांच की जाए। उन्होंने कहा कि अब ग्रीष्मकालीन धान की बुआई किसी भी दशा में नही की जाएगी। उन्होंने कहा कि आगामी माह मई तक धान की नर्सरी लगाने पर भी पूर्ण प्रतिबन्ध रहेगा। मई के बाद धान की नर्सरियां लगाई जाएंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि गेंहू की फसल में आग

लगने की भी सूचना मिल रही है, इसे रोकथाम एवं तत्काल कार्यवाही हेतु सभी राजस्व, कृषि, भूमि संरक्षण अधिकारी/ कर्मचारी व अग्निशमन विभाग तत्काल कार्यवाही हेतु तैयार रहे।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, कौस्तुभ मिश्र, अभय प्रताप सिंह, डा. अमृता शर्मा, ओसी गौरव पाण्डेय, मुख्य कृषि अधिकारी डा. अभय सक्सेना, एआर कोऑपरेटिव सुमन कुमार आदि मौजूद थे व अन्य सभी उप जिलाधिकारी व तहसीलदार वर्चुअल के माध्यम से जुड़े थे।

तंबाकू मुक्त घोषित हुआ विकास भवन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जनपद तंबाकू नियंत्रण टीम के सदस्य माया खकरियाल एवं दशमेश कौर के प्रयासों से गुरुवार को विकास भवन को तंबाकू मुक्त कार्यालय घोषित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार की उपस्थिति में कार्यालय परिसर के प्रवेश द्वार पर आवश्यक चेतावनी बोर्ड लगाया गया। तंबाकू नियंत्रण अभियान के तहत विकास भवन के समस्त कार्मिकों को तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यालय के सभी कर्मचारियों को तंबाकू निषेध नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत भी मौजूद रहे।

एनएसएस का विशेष शिविर संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

देवीधुरा। रा.इ.का. देवीधुरा का सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश चन्द्र जोशी की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी नरेन्द्र नाथ गोस्वामी के संचालन में स्वयंसेवकों ने कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

बौद्धिक एवं समापन सत्र के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश बिष्ट तथा विशिष्ट अतिथि हयात सिंह बिष्ट अध्यक्ष शिक्षक अभिभावक संघ रहे। समापन सत्र में स्वयंसेवियों ने कुमाऊंनी गीत, कविता पाठ, गायन, नृत्य, शिक्षा प्रद नाटक की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बीते एक सप्ताह से स्वयंसेवियों द्वारा गांव में स्वच्छता अभियान, साक्षरता अभियान, बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ, नशामुक्ति, पलायन सहित कई प्रकार के कार्यक्रम संचालित किए गए। कार्यक्रमों में सबसे पहले कैंप कमांडर हिमानी द्वारा शिविर की आख्या प्रस्तुत की। स्वयंसेवी मीनाक्षी बिष्ट, संजना, हिमानी, काजल, राखी, जिया, विजय, दीपा मेहरा, सलोनी, पूजा, खिला चम्याल, ललित, सूरज, करन रावत, तनुज राणा, गौरव नाथ आदि मनमोहक प्रस्तुतियां दी। हिमानी बिष्ट को सर्वश्रेष्ठ शिविरार्थी चुना गया। साथ ही बालकों में सुनील चम्याल एवं बालिकाओं में काजल राणा को श्रेष्ठ शिविरार्थी चुना गया। सभी स्वयंसेवियों को अलग-अलग कार्यों में प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक शकुंतला बोहरा, हिमांशु जोशी, पंकज मोहन भट्ट उपस्थित रहे।

एक नजर

न्याय पंचायत भुमलाई में संकुल स्तरीय खिलाड़ियों का हुआ चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। न्याय पंचायत भुमलाई में संकुल स्तरीय मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के लिए चयन प्रक्रिया के द्वितीय दिवस में प्रतियोगिताओं का समापन प्रधानाचार्य हरीश चंद्र कलौनी की अध्यक्षता तथा शैलेश मटियानी पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक प्रकाश चन्द्र उपाध्याय के संचालन में हुआ।

बालिकाओं ने किया बेहद शानदार प्रदर्शन

चयन प्रक्रिया में द्वितीय दिवस बालिकाओं ने बेहद शानदार प्रदर्शन कर उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया। छात्राओं द्वारा शटल रन, मेडिसन बॉल थ्रो,300 मीटर रेस,ब्रॉड जंप, बैंड रिच आदि के बैटरी टेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 13-14 आयु वर्ग में गंगा मंगोला, राखी मनराल, 10-11 में प्रिया,भूमि, 9,10 में शालिनी,राशि,11,12 में अनुमेहा,संध्या तथा 12,13 आयुवर्ग में आराध्या,कोमल ने प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपना दमखम दिखाया। निर्णायक के रूप में प्रदीप बोहरा,प्रकाश चन्द्र उपाध्याय,मीरा पंत,नवीन जोशी,सरस्वती अधिकारी,शोभा बिष्ट,रेखा टम्टा,राजेश जोशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मारपीट के आरोप में तीन पर केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। पुलिस ने पड़ोसियों के साथ मारपीट करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कुसुम देवी पत्नी नरेश कुमार निवासी विकास कॉलोनी वार्ड 16 ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 14 मार्च की शाम कॉलोनी निवासी चित्रांशु पुत्र छेदा लाल का किसी अन्य से विवाद हो गया था। इसके बाद चित्रांशु उसके घर आ गया।

आरोप है कि तभी अमन, विशाल, अनिकेत पुत्रगण नत्थूलाल राठौर निवासी विकास कॉलोनी उनके घर में घुस आए और चित्रांशु को पीटने लगे। पति नरेश कुमार ने बीचबचाव करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उन्हें लोहे के कड़े से पीटा। इस कारण वह घायल हो गए।

घायल पति को सीएचसी ले जाया गया। आरोपी अपने साथियों के साथ सीएचसी पहुंच गए और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरो. पियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

वेतन कहीं से और काम कहीं पर

- **अधिकारी की तानाशाही का बोलबाला**
- **सीडीओ के आदेश को ठेंगा दिखाने का काम कर रहे बीडीओ**
- **अपनी कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं बीडीओ**
- **23 दिन बीत जाने के बाद भी बाजपुर में बीडीओ अपनी कुर्सी पर डटे**

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बीडीओ की तानाशाही लगातार बढ़ती जा रही है। जिन्हें अपने उच्चाधिकारियों के आदेश की जरा भी परवाह नहीं है। यही कारण है कि सीडीओ द्वारा ट्रांसफर आर्डर जारी किए जाने के कई दिन बाद भी खंड विकास अधिकारी अपनी कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं है और तानाशाही दिखाते हुए अधिकारियों के आदेशों को ठेंगा दिखाने का काम कर रहे हैं। इतना सब होने के बाद भी विभागीय उच्चाधिकारी कोई कार्यवाही नहीं करते हुए बेबस नजर आ रहे हैं।

बता दें कि बाजपुर के ब्लॉक कार्यालय में खंड विकास अधिकारी के पद पर कुंदन सिंह बिष्ट करीब एक वर्ष से कार्यरत हैं। ऐसे में उधम सिंह नगर के सीडीओ मनीष कुमार द्वारा बीती 11 मार्च को बीडीओ कुंदन सिंह बिष्ट का गदरपुर और गदरपुर के सहायक खंड विकास अधिकारी शेखर जोशी का बाजपुर में स्थानांतरण किया गया था।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जारी किए गए आदेश में दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से पदभार ग्रहण करने के लिए आदेश जारी किए गए थे, लेकिन बाजपुर के बीडीओ कुंदन सिंह बिष्ट अपनी कुर्सी छोड़ने के लिए तैयार ही नहीं हैं। यही कारण है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने के 23 दिन बीत जाने के बाद भी बाजपुर विकास खण्ड के बीडीओ अपनी कुर्सी पर डटे हैं और अपने उच्च अधिकारियों के आदेशों को ठेंगा दिखा रहे हैं। सीडीओ मनीष कुमार द्वारा जारी किए गए ट्रांसफर आदेश का उल्लंघन करने की जानकारी उधम सिंह नगर के डीडीओ सुशील मोहन डोभाल को भी है, लेकिन उच्चाधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिससे साफ पता चलता है कि उच्चाधिकारियों की शह पर ही बाजपुर विकास खण्ड के बीडीओ सीडीओ के आदेश का उल्लंघन कर मजाक बना रहे हैं और अपनी तानाशाही दिखा रहे हैं।

वहीं स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद भी आदेश का बीडीओ द्वारा पालन नहीं करना अब बाजपुर विकास खण्ड कार्यालय में तैनात कर्मचारियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

बीडीओ की तानाशाही से ग्राम प्रधानों में भी बना आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बीडीओ की तानाशाही से ग्राम प्रधानों में भी खासा आक्रोश बना हुआ है। इसी के चलते ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष महेश राठौर ने कहा कि जब से बाजपुर खंड विकास अधिकारी के पद पर वर्तमान में तैनात बीडीओ की तैनाती हुई है तब से अभी तक बाजपुर के ग्रामीण क्षेत्र विकास में काफी पीछे हो चुका है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तैनात बीडीओ द्वारा ग्राम प्रधानों की बात को अनसुना किया जाता था और अपनी तानाशाही से क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों पर रोक लगा दी गई थी। गदरपुर के सहायक खंड विकास अधिकारी शेखर जोशी ने बताया कि उन्हें स्थानांतरण आदेश प्राप्त हुआ था, लेकिन बाजपुर विकास खण्ड बीडीओ द्वारा खुद को विकास खण्ड कार्यालय से कार्य मुक्त नहीं किया गया है। जिस कारण वह पदभार ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब बाजपुर विकास खण्ड बीडीओ पदभार छोड़ेंगे, उसके बाद ही वह पदभार ग्रहण करेंगे। वहीं बाजपुर खंड विकास अधिकारी कुंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि जैसा उच्चाधिकारियों का आदेश होगा उसके अनुसार कार्य किया जाएगा। सीडीओ मनीष कुमार द्वारा स्थानांतरण आद. `श जारी किए जाने के बाद भी आदेश का कई दिनों तक पालन नहीं किए जाने को लेकर जब उधम सिंह नगर के डीडीओ सुशील मोहन डोभाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि दोनों अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जारी किए गए हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा अभी तक नवीन पदभार ग्रहण नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों अधिकारियों को नवीन पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन बाजपुर विकास खण्ड बीडीओ द्वारा पदभार नहीं छोड़ा जाना सामने आया है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी सीडीओ को दी जाएगी और जल्द कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

पार्टी के स्थापना दिवस को लेकर दिए दिशा-निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। भाजपा कार्यालय में जिला उपाध्यक्ष इन्द्र लुठी की अध्यक्षता छह अप्रैल पार्टी स्थापना दिवस एवं 14 अप्रैल भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर जयंती की तैयारी बैठक में नवनियुक्त जिला प्रभारी कुंदन परिहार का प्रथम बार आगमन पर भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने स्वागत अभिनन्दन किया

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने आगामी कार्यक्रम पांच अप्रैल जिला मुख्यालय कार्यालय में सफाई व्यवस्था साज-सज्जा, छह अप्रैल को कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों में भाजपा का झंडा लगा कर सेल्फी खिंचना, छह से सात अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक सदस्यों के साथ बैठक, आठ व नौ अप्रैल को विधानसभा स्तर पर सक्रिय सदस्यों के साथ बैठक, 10 से 12 अप्रैल तक गांव बस्ती अभियान 14 अप्रैल को डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर स्वच्छता कार्यक्रम व मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम आयोजित करना आदि के बारे में जानकारी दी। बैठक में पूर्व कुलपति प्रो. नरेंद्र सिंह भंडारी, जिला पंचायत प्रशासक दिपीका बोरा, पूर्व विधायक मीना गंगोला जी, धन सिंह धामी,मनोज सामंत, विरेन्द्र शाह, लोकेश भड, कमला चुफाल, विनीता बाफीला, दीपक कार्की, रघुवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

स्मैक के साथ एक तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। कोतवाली क्षेत्र की थाना झनकईया पुलिस ने 5.91 ग्राम अवैध हेरोइन/स्मैक के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक रुद्रपुर एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी खटीमा के निर्देशन में थाना झनकईया की पुलिस टीम द्वारा बुधवार को सायंकालीन चेकिंग के दौरान सुरई गेट के पास जंगल से पकड़िया थाना झनकईया निवासी एक अभियुक्त इकरार खान पुत्र सुल्तान खान को 5.91 ग्राम अवैध हेरोइन/स्मैक व रुपये 3051 नगदी के साथ गिरफ्तार कर अभियुक्त के खिलाफ धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया है।

पुलिस टीम में झनकईया थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र गौरव, उ.नि. मनोज सिंह देव, उ.नि. लक्ष्मण दत्त जोशी, अ.नि. प्रमोद जोशी तथा का. चन्दन सिंह शामिल रहे।

मंगेतर को युवती के आपत्तिजनक फोटो भेजकर तुड़वाई सगाई

आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। शक्तिफार्म क्षेत्र की एक युवती की आपत्तिजनक फोटो उसके मंगेतर को भेजकर उसकी सगाई तुड़वाने का आरोप है। फोटो युवती के किशोरावस्था के दौरान खींची गई थी। आरोप है कि अब आरोपी युवक और उसका साथी युवती और उसके मंगेतर को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक और उसके साथी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

युवती के पिता ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि डेढ़ वर्ष पूर्व बबलू पुत्र स्वर्ण सिंह निवासी ग्राम बिन्दुखेड़ा, रुद्रपुर ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर छेड़खानी कर आपत्तिजनक फोटो खींच ली थी। वर्तमान में उसकी पुत्री के बालिग होने पर सगाई हुई और शादी तय हो गई। आरोप लगाया कि बबलू ने आपत्तिजनक फोटो का गलत इस्तेमाल कर उसकी पुत्री के मंगे. तर को भेज दीं, जिससे उसकी सगाई टूट गई। आरोप है कि बबलू और उसका साथी राजू निवासी ग्राम बिन्दुखेड़ा उसकी पुत्री और मंगेतर को गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। कोतवाली के एसएसआई विक्रम सिंह धामी ने बताया कि बुधवार को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमेजन पे के एक्सक्लूसिव डील्स और रिवॉर्ड्स के साथ प्लान करें अपनी परफेक्ट समर वेकेशन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। गर्मियां आ गई हैं, यह आपके सपनों की छुट्टियों को प्लान करने का सही समय है! चाहे आपको समुद्र किनारे बीच पर जाना हो, पहाड़ों में सुकून चाहिए या किसी शहर में रोमांचक सफर करना हो, अमेजन पे आपकी यात्रा को आसान, किफायती और फायदेमंद बनाता है। सात अप्रैल से, आप अमेजन पे के जरिये फ्लाइट्स, होटलों और मूवी टिकट्स की बुकिंग पर बड़ी बचत कर सकते हैं। इतना ही कई खास ऑफर्स के साथ अमेजन पे आपके समर प्लानिंग को और भी आसान बनाएगा। आप यात्रा कर रहे हों या बेहतर जगह ठहरने की योजना बना रहे हो, या समर सीजन की खरीदारी कर रहे हों, अमेजन पे आपको कम खर्च में ज्यादा आनंद लेने में मदद करेगा। तो, अपना सामान पैक करें, सनस्क्रीन लें, और अमेजन पे के साथ अपनी पसंदीदा समर डेस्टिनेशन को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हो जाएं। अमेजन पे के साथ अपनी समर ट्रिप की शुरुआत करें और सभी एयरलाइंस की टिकट बुकिंग पर 25 फीसदी तक की छूट पाएं, जिनमें इंडिगो, एयर इंडिया,एयर इंडिया एक्सप्रेस,स्पाइसजेट, अकासा और अलायंस एयर शामिल हैं।

ई रिक्शा के खिलाफ चला अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। यातायात पुलिस द्वारा गत दिवस नगर में नियमों के विरूद्ध संचालित किया जा रहे कई टुकटुक चालकों के खिलाफ अभियान चलाकर अनेक टुकटुकों को सीज कर दिया गया। जिससे टुकटुक चालकों में हड़कम्प मचा रहा।

बिना इंश्योरेंस और ड्राइविंग लाइसेंस के चल रहे एक दर्जन से अधिक टुकटुक किए सीज

अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने बिना इंश्योरेंस और ड्राइविंग लाईसेंस के चल रहे टुकटुक चालकों केखिलाफ कार्रवाई की। अभियान में एक दर्जन से अधिक टुकटुक सीज किए गए। अभियान के चलते पुलिस टीम को देख अधिकांश टुकटुक चालक अपना टुकटुक लेकर इधर-उधर भागते नजर आए। यातायात उपनिरीक्षक धनपाल तनवार ने बताया कि जिन टुकटुक वाहन का इंश्योरेंस समाप्त हो गया और बिना फिटनेस के दौड़ रहें हैं ऐसे टुकटुक सीज किए जा रहे हैं। साथ ही बिना ड्राइविंग लाइसेंस के टुकटुक चलाने वाले चालकों पर भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

राणा सांगा के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी पर भड़के लोग

सपा सांसद पर कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। क्षत्रिय महासभा जसपुर के पदाधिकारियों ने महासभा के अध्यक्ष राजकुमार चौहान के नेतृत्व में देश के वीर सपूत महापुरुष राणा सांगा के विरुद्ध सपा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी करने के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम चतर सिंह चौहान को सौंपा।

ज्ञापन देने के पश्चात क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष राजकुमार चौहान ने कहा कि भारत के महान सपूत वीर योद्धा महाराणा संग्राम सिंह जिन्हें राणा सांगा के नाम से भी जाना जाता है के विरुद्ध सपा सांसद रामलाल सुमन द्वारा अशोभनीय

/अमर्यादित टिप्पणी से समस्त जनमानस आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि राणा सांगा ने केवल क्षत्रिय समाज अपितु संपूर्ण भारत के गौरव के लिए मुगलों के विरुद्ध अपनी लड़ाई जारी रखी। उनके विरुद्ध की गई टिप्पणी देश के गौरव का अपमान है। ऐसे में देश की सबसे बड़ी संवैधानिक संस्था के सदस्य द्वारा की गई टिप्पणी से पूरा देश शर्मसार है। खासकर क्षत्रिय महासभा के व्यक्ति में इसे लेकर बहुत रोष है। देश में अलग-अलग प्रकार से भारतीय नागरिकों द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से रामलाल सुमन के विरुद्ध देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की, ताकि कोई भी व्यक्ति भविष्य में ऐसी पुर्नावृत्ति करने की कोशिश ना कर सके। ज्ञापन देने वालों में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुंदर पाल सिंह चौहान, विकास गहलोत, ललित कुमार, हरपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, कमल चौहान, राजकुमार सिंह, शिवपाल सिंह, संजय कुमार, बृजेश चौहान आदि मौजूद रहे।

मेडिकलों पर कार्रवाई पर मेडिकल एसोसिएशन ने जताया रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। उत्तरांचल केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संगठन के जिला अध्यक्ष मनीष कुमार अग्रवाल ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा मेडिकल स्टोर और लैबो के विरुद्ध चलाए गए अभियान को लेकर अपना रोष प्रकट किया।

अध्यक्ष ने बताया कि नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अमरजीत साहनी ने अस्पताल मार्ग स्थित अरुण मेडिकल स्टोर के अभिलेख चेक किए बिना ही उसमें ताला लगवा दिया और चाबी लेकर चले गए, जबकि उन्हें मेडिकल स्टोर चेक करने का अधिकार ही नहीं है। इस संबंध में उनकी सीएमओ से फोन पर वार्ता भी हुई। उन्होंने भी इस कार्रवाई को गलत बताया है। मेडिकल जांचने के लिए सरकार ने ड्रग्स- इंस्पेक्टर को तैनात किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य अधिकारी ने मेडिकल स्वामी को किच्छा के किसी अभिषेक नामक व्यक्ति का नंबर देकर बात करने को कहा जो संगठन एवं मेडिकल स्वामी को उचित नहीं लग रहा रहा है, जिससे संगठन में रोष है और संगठन इस कार्रवाई का विरोध करती है।

> मानकों के अभाव में सरकारी अस्पताल के पास और अफजलगढ़ रोड स्थित दो अस्पताल और लैब बंद कराए गए हैं। तीनों के दस्तावेज मांगे गए हैं, जांच के बाद उचित अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।
> **अमरजीत साहनी जांच अधिकारी**

नवीन सत्र का शिक्षण कार्य शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। पीएम श्री राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज खताड़ी रामनगर की प्रधानाचार्य केडी माथुर ने बताया कि की सभी छात्राओं और अभिभावकों को सूचित किया गया है कि नवीन सत्र 2025-26 का शिक्षण कार्य शुरू हो चुका हैं। इसलिए सभी अभिभावक अपनी-अपनी बालिकाओं को शिक्षण के लिए संस्था में भेजें। उन्होंने बताया कि लगातार अनुपस्थित रहने से शिक्षण कार्य बाँधित होने के साथ ही शिक्षण सहगामी किया-कलाप भी बाँधित हो रहे हैं।

योगेश जोशी मेमोरियल के दो बच्चों का जवाहर नवोदय में चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

देवीधुरा। मां वाराही धाम स्थित योगेश जोशी मेमोरियल शिव शक्ति पब्लिक स्कूल देवीधुरा के दो छात्रों का कक्षा 6 के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित हुए हैं। ध्यातव्य है कि इस विद्यालय से प्रतिवर्ष कई छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में के लिए चयनित होते आ रहे हैं। जिनमें मुख्य रूप से सैनिक स्कूल, राजीव नवोदय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए चयनित होते आ रहे हैं। विद्यालय में आयोजित समारोह में चयनित छात्र मयंक सिंह एवं हर्षिता के मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इससे पूर्व में भी मयंक की बड़ी बहन तथा हर्षिता की तीन बहनें इसी विद्यालय से जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए चयनित हो चुकी हैं। प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के चयनित होने पर सुमन लता ब्लॉक प्रमुख पाटी एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश बिष्ट ने विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए अपार हर्ष जताया है। चयनित छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमोहन जोशी को दिया। जिन्होंने शीतावकाश में नि:शुल्क अतिरिक्त कक्षाओं का संचालित कर परीक्षा की तैयारी कराई।

प्रतिवर्ष दर्जन भर बच्चे चयनित होते हैं इस विद्यालय से हर वर्ष सर्वाधिक छात्र चयनित होते आए हैं

लेकब्रिज चुंगी, पार्किंग का नहीं होगा ठेका

हाईकोर्ट में नगर पालिका ने कहा-वो समूह की सहायता से खुद करेगी इन्हें संचालित

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को नैनीताल नगर पालिका परिषद के लेक ब्रिज चुंगी व कार पार्किंग के टेंडर प्रक्रिया के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई हुई। हाईकोर्ट द्वारा 1 अप्रैल मंगलवार को जारी निर्देशों के क्रम में बीरवार को नगर पालिका की ओर से कोर्ट को बताया गया कि नैनीताल में लेक ब्रिज चुंगी व कार पार्किंग के ठेके अब नहीं होंगे, इनका संचालन नगर पालिका परिषद स्वयं सहायता समूहों की मदद से स्वयं करेगी। नगर पालिका ने लेक ब्रिज चुंगी व डीएसए कार पार्किंग व मेट्रोपोल कार पार्किंग के टेंडर पहले ही निरस्त कर दिए हैं। नगर पालिका अब नैनीताल में आने वाले वाहनों से नैनीताल इंट्री टेक्स नाम से बढ़ा हुआ शुल्क लेगी और शहर में प्रवेश करने वाले तीनों मार्गों

में टैक्स वसूली बूथ भी बनाये जाएंगे। इस सम्बंध में नगर पालिका द्वारा पालिका के बायलॉज में संशोधन भी किया जाएगा। बता दें कि लेक ब्रिज चुंगी व कार पार्किंग के टेंडर प्रक्रिया के खिलाफ दीवान सिंह फर्त्याल तथा सुमित जेट्टी व ठाकुर इंटरप्राइजेज की ओर से दायर याचिकाओं की बीरवार को मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका दीपक गोस्वामी भी कोर्ट में मौजूद थे। बीरवार को नगर पालिका की ओर से लेकब्रिज चुंगी व कार पार्किंग के संचालन के सम्बंध में नगर पालिका की ओर से विस्तृत जबाव दिया गया। हाईकोर्ट ने नगर पालिका के जबाव के बाद निर्देश दिया कि नगर पालिका नैनीताल इंट्री टेक्स केवल यूपीआई स्कैनर कोड के माध्यम से वसूल करेगी ताकि चुंगी वसूली बूथों में पैसे के लेनदेन के कारण अनावश्यक जाम से बचा जा सके। इस मामले में नगर पालिका की ओर से नेटवर्क में कमी के कारण ऑनलाइन चुंगी वसूली प्रक्रिया में दिक्कत होने का हवाला दिया लेकिन कोर्ट ने इस दलील को नहीं माना। सुनवाई के दौरान नगर पालिका की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पालिका में कर अधीक्षक तथा सफाई अधीक्षक तथा कर निरीक्षक तथा सफाई निरीक्षक, लेखाकार तथा सहायक लेखाकार सहित 8 महत्वपूर्ण पद रिक्त होने से कामकाज प्रभावित हो रहा है जिस पर हाईकोर्ट ने सचिव शहरी विकास से इन पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने नगर पालिका को बीरवार को जारी दिशा निर्देशों पर 17 अप्रैल वीरवार से पूर्व प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इन सभी मामलों की अगली सुनवाई अब 17 अप्रैल बीरवार को होगी। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था व बिड़ला रोड में वाहनों के बेतरतीब खड़े रहने के खिलाफ अधिवक्ता श्रुति जोशी की जनहित याचिका की भी हाईकोर्ट ने इसी मामले के साथ सुनवाई की। नैनीताल में वाहनों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के सम्बंध में खण्डपीठ ने पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं को ट्रैफिक प्लान के ब्यौरे के साथ 17 अप्रैल बीरवार को कोर्ट में बुलाया है। कोर्ट ने हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं व नैनीताल की प्रबुद्ध जनता से भी शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सामान्य बनाने को लेकर सुझाव देने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि ट्रैफिक समस्या के कारण व उसके समाधान के उपाय शपथ पत्र के साथ हाईकोर्ट में देने होंगे।

डोईवाला नदियों में खनन पर सुनवाई

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने देहरादून के डोईवाला क्षेत्र में सुसुवा और अन्य नदियों में भारी मशीनों से खनन की अनुमति दिए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मुख्य न्यायधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खण्डपीठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अगली सुनवाई के लिए 15 अप्रैल मंगलवार की तिथि तय की। कोर्ट ने सम्बंधित अधिकारियों से खनन कार्य के लिए सरकारी मशीनरी से कार्य योजना प्रस्तुत करने को कहा, न कि प्राइवेट एजेंसियों के माध्यम से। सचिव खनन बृजेश संत ने कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि वर्षात से पहले नदियों से खनन की अनुमति दी जाए ताकि मानसून में नुकसान को रोका जा सके। जनहित याचिका में देहरादून निवासी वीरेंद्र कुमार ने आरोप लगाया कि भारी मशीनों से खनन के कारण नदी का जल स्तर घट गया है, उनकी कृषि भूमि प्रभावित हुई है और स्थानीय लोग बेरोजगार हो गए हैं। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से मशीनों से खनन पर रोक लगाने और स्थानीय लोगों को रोजगार देने की अपील की।

कूड़ा बीनने वालों के लिए योजना बनाने के निर्देश दिए

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कूड़ा बीनने वालों (रैगपिकर्स) के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम देहरादून को समुचित योजना बनाने और उन्हें प्रोत्साहन राशि देने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान नगर निगम देहरादून, शिक्षा विभाग, शहरी विकास विभाग और पंचायती राज विभाग को कई दिशा-निर्देश दिए। नगर निगम के उपायुक्त ने कोर्ट को बताया कि रैगपिकर्स के लिए एक योजना प्रस्तावित की जा रही है, जिसमें 463 रैगपिकर्स को न्यूनतम वेतन, सुरक्षा उपकरण (जूते, दस्ताने, फेस मास्क) दिए जाएंगे। कोर्ट ने सुझाव दिया कि इन रैगपिकर्स को प्रोत्साहन राशि भी दी जाए, जो कचरे के प्रकार (गीला, सूखा, प्लास्टिक, ई-वेस्ट) और उनके संग्रहण के वजन के आधार पर तय की जा सकती है। इसके अलावा, नगर निगम को चार दिन के भीतर नीति लागू करने का निर्देश दिया गया, जिसमें प्रत्येक घर में चार प्रकार के कूड़ेदान (गीला, सूखा, प्लास्टिक, ई-वेस्ट) होंगे और कचरा अलग करने की प्रक्रिया को सख्ती से लागू किया जाएगा। कोर्ट ने शिक्षा विभाग को स्कूलों में स्वच्छता और कूड़ा प्रबंधन पर विशेष कार्यक्रम शुरू करने, और शहरी विकास व पंचायती राज विभाग को जागरूकता फैलाने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग को भी सभी पर्यटकों और यात्रा वाहनों में डस्टबिन या पेपर बैग अनिवार्य करने को कहा गया। नगर निगम, शिक्षा विभाग, शहरी विकास और पंचायती राज विभाग को 13 मई 2025 तक कार्रवाई की रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

कूड़े के ढेर में लगी आग

नैनीताल। नैनीताल में अराजक तत्वों की ओर से जगह-जगह जंगलों व शहर में कूड़े में आग लगाने का सिलसिला जारी हो चुका है जिससे वन विभाग की चिंताए तेजी से बढ़ने लगी हैं। बता दें कि ईद के बाद नैनीताल शहर में पर्यटकों की आवा. जाही तेजी से बढ़ गई है। भीड़ का फायदा उठाकर इन दिनों अराजक तत्व भी सक्रिय हो चुके हैं, जिसके चलते अब जंगलों व शहर में जमा कूड़े में आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे बड़े हादसे होने से टले हैं। दूसरी ओर बुधवार की रात को अराजक तत्वों ने नारायण नगर तथा मंगावली के जंगलों समेत बीडी पांडे जिला अस्पताल के समीप कूड़े के ढेर में आग लगा दी आग फैली तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद वन विभाग व दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। नैनीताल वन प्रभाग के नगर पालिका वन रेंज के वन क्षेत्राधिकारी त्रिलोक सिंह बोरा ने बताया कि क्षेत्र में लगी आग पर काबू पा लिया गया था। बताया कि गश्त कर अराजक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने लोगों से 1926 टोल फ्री नम्बर पर जंगलों में आग लगने की सूचना देने की अपील की है।

महिलाओं को मिले 33 प्रतिशत आरक्षण, ज्ञापन भेजा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देश और प्रदेश

अध्यक्ष ज्योती रौतेला के आह्वान पर गुरूवार को कांग्रेस मुख्यालय स्वराज आश्रम में महिला आरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया गया। इस सभा का नेतृत्व महानगर अध्यक्ष मधु सांगुडी द्वारा किया गया। इस दौरान आयोजित सभा में महिलाओं ने एकजुट होकर उत्तराखंड राज्य में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की पुरजोर मांग की। महिलाओं का कहना था कि उत्तराखंड राज्य उनके संघर्ष से अस्तित्व में आया है, और ऐसे में महिलाओं को नेतृत्व करने का अवसर मिलना चाहिए। महिलाओं ने एक स्वर में यह भी चेतावनी दी कि यदि राज्य में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू नहीं किया गया, तो वे सड़क से सदन तक अपने अधिक. ारों के लिए आंदोलन करने को मजबूर होंगी। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष हेमंत बगड़वाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भागीरथी बिष्ट, शोभा बिष्ट, रत्ना श्रीवास्तव, कल्पना भंडारी, सविता गुरुरानी, मुन्नी पंत, लता पांडे, रेनू तोमर, रजनी देवी, शाइस्ता बेगम, नरेश अग्रवाल, शबनम, गंगा बिष्ट, ममता बिष्ट, ललिता, भवानी देवी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

काठगोदाम से वापस लौटाए 500 से ज्यादा टू-व्हीलर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पर्यटन सीजन के दौरान काठगोदाम से पहाड़ों की ओर जाने वाले बाहरी टू-व्हीलर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। खासतौर पर उन वाहनों पर नजर रखी जा रही है जो अन्य राज्यों से आए हैं। गुरुवार को काठगोदाम पुलिस ने 500 से ज्यादा बाहरी टू-व्हीलर चालकों को मल्ला काठगोदाम चौकी से वापस भेज दिया। पुलिस ने 31 मार्च से 2 अप्रैल तक दोपहिया वाहनों के पहाड़ की ओर जाने पर पाबंदी लगाई थी। इसका उद्देश्य ईद की छुट्टियों और पर्यटन सीजन के दौरान यातायात की स्थिति को नियंत्रित करना था। इस प्रयास के सफल होने के बाद पुलिस ने 3 अप्रैल को भी काठगोदाम में चेकिंग अभियान जारी रखा। दिनभर यातायात विभाग, सीपीयू के साथ पूरे दिन काठगोदाम पुलिस की संयुक्त टीम ने चेकिंग की, जिसके दौरान किसी भी बाहरी टू-व्हीलर को नैनीताल और भीमताल की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई। चेकिंग के दौरान पुलिस ने 500 से ज्यादा बाहरी वाहन चालकों को मल्ला काठगोदाम चौकी से वापस किया और 150 चाल. कों के खिलाफ यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर चालान भी काटे। सीओ नितिन लोहनी ने भी इस अभियान की निगरानी की और पुलिस अधिकारियों के साथ पूरे दिन चेकिंग की। इधर काठगोदाम थानाध्यक्ष दीपक बिष्ट ने बताया कि बाहरी टू-व्हीलर वाहनों की नो एंट्री के निर्णय को लागू करने का मुख्य कारण नैनीताल और भीमताल की सड़कों पर बढ़ते यातायात दबाव और जाम की स्थिति को नियंत्रित करना है।

150 लोगों को बांटे चश्मे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राउंड टेबल 348 द्वारा आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम में 150 से अधिक लोगों को नज़र का चश्मा वितरित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के बुजुर्गों को दृष्टिहीनता से राहत प्रदान करना था, और चश्मा प्राप्त करने के बाद बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी की लहर देखी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हल्द्वानी राउंड टेबल के वाइस चेयरमैन निखिल अग्रवाल मौजूद थे। इस अवसर पर युवा नेता हेमन्त साहू और पार्षद प्रीति आर्या ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान राउंड टेबल 348 के चेयरमैन कृष्ण गोयल, कार्यक्रम संयोजक सन्नी आंदद, अर्पित अग्रवाल, उत्सव साहनी, यस जैन, रोहित अग्रवाल, वत्सल गर्ग, चिराग गर्ग, समाजसेवी विपिन गुप्ता, राजपुरा इंटर कॉलेज के प्राचार्य नवीन पुजारी, कमल राजपाल, राकेश टम्टा, लाल सिंह वाणी आदि मौजूद रहे।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सभागार में बीरवार को रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष डीएस मेहता की उपस्थिति में प्रभारी चिकित्साधिकारी ब्लड बैंक राजकीय बीडी पांडे जिला चिकित्सालय नैनीताल के सहयोग से आयोजित हुए रक्तदान शिविर भीम सिंह बिष्ट समेत गंगा सिंह नेगी, विश्व प्रकाश बहुगुणा व हर्ष सिंह, हिमांशु असवाल तथा पारितोष डालाकोटी, विकास बहुगुणा तथा अमित राठौर एवं साहिल अंसारी द्वारा रक्तदान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष बार कौंसिल ऑफ उत्तराखण्ड डा. महेंद्र पाल सिंह एवं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव वीरेन्द्र सिंह रावत द्वारा रक्तदान करने वाले अधिवक्ताओं को प्रशस्ति पत्र दिया गया। शिविर के दौरान भुवनेश जोशी, राजीव बिष्ट, अक्षय लटवाल, सुशील वशिष्ठ तथा भूपेन्द्र सिंह कोरंगा आदि अधिवक्ता थे।

पटरी पर नहीं लेकसिटी का ट्रैफिक

व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए बैठकें तो होती हैं, लेकिन नतीजा सिफर

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में प्रशासन की ओर से ग्रीष्मकालीन

पर्यटन सीजन के दौरान नगर तथा आस पास के क्षेत्रों की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के विशेष मकसद से अभी तक दो अहम बैठकें कर ली गयी हैं ताज्जुब की बात तो यह है कि इन बैठकों के बाद भी यातायात व्यवस्था में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा है। देश के विभिन्न शहरों से नैनीताल भ्रमण को आ रहे पर्यटक चरमराती यातायात व्यवस्था से खासे परेशान नजर आ रहे हैं। यह तब है जबकि अभी पर्यटक सीजन की शुरुआत है विचारणीय प्रश्न यह है कि जब ठीक पीक सीजन यानी मई तथा जून में भी यही हालत रही तो फिर तो यातायात व्यवस्था का बेडा गर्क होना बिल्कुल तय है। बता दें कि नैनीताल में पर्यटन सीजन की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां हवा हवाई नजर आ रही हैं। दो बैठकों के बाद भी पर्यटकों को अस्थाई पार्किंग स्थलों पर खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिससे पर्यटन कारोबारियों के रोजगार पर भी सीधा असर पड़ रहा है। ईद से नैनीताल आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है। रोजाना दोपहियां व चौपहियां वाहनों से पर्यटक नैनीताल पहुंच रहे हैं। इसको कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने अस्थायी पार्किंग स्थल रूसी बाइपास व नारायण नगर पर ही बाहरी दो पहिया वाहनों को रोक दिया साथ ही बिना होटल बुकिंग वाले वाहनों को भी अस्थायी पार्किंग स्थलों पर पार्क कराया गया। जहां से पर्यटकों को शटल से नैनीताल भेजा जा रहा है। खास बात यह है कि अस्थायी पार्किंग स्थलों पर जिला प्रशासन पर्यटकों के लिए मूलभूत व्यवस्थाएं नहीं जुटा पाया।

अस्थाई पार्किंग में भीड़ लगी रही

नैनीताल। बीरवार को रूसी अस्थायी पार्किंग स्थल पर पर्यटकों की भीड़ लगी रही लेकिन यहां शौचालयों पर ताला लगा रहा। प्रशासन ने पर्यटकों के लिए पानी की कोई व्यवस्था तक नहीं की। सड़क पर बनी पार्किंग में पूरे दिन लोग धूल से परेशान रहे। अव्यवस्थाओं को देख पर्यटकों समेत लोग पूरे दिन परेशान रहे। लोगों व पर्यटकों का कहना है कि प्रशासन की ओर से अस्थायी पार्किंग स्थलों पर कोई व्यवस्था सही नहीं की गई है।

व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं: वरुणा अग्रवाल

नैनीताल। संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुणा अग्रवाल ने बताया कि दो दिन पूर्व जब वह निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंची थीं तो व्यवस्थाएं सही थीं। बताया कि उन्होंने संबंधित विभाग को शौचालयों के ताले खोलने तथा उड़ती धूल पर पानी का छिड़काव करने के साथ पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दे दिए हैं। बताया कि जल्द ही सड़क का काम भी पूरा करा दिया जाएगा।

आखिर मीडिया को दूर क्यों रखा जाता है

नैनीताल। पर्यटन सीजन में प्रचार प्रसार में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले मीडिया को जिला प्रशासन की ओर से आयोजित की गयी दोनों बैठकों से दूर रखा गया। बीते वर्षो में जब भी पर्यटन सीजन की व्यवस्थाओं को लेकर बैठकें हुआ करती थी तो मीडिया से जुड़े प्रतिनिधियों को उनके सुझावों के लिए बैठक में आमंत्रित किया जाता था लेकिन अबकी बार दोनों बैठकों में मीडिया को दूर रखा गया। सवाल यह उठता है कि क्या आखिर मीडिया के सुझावों के बिना प्रशासन पर्यटन सीजन को दुरुस्त करा लेगा?

आज से नहीं चलेंगी प्रतिबंधित टैक्सी बाइकें

नैनीताल। नैनीताल शहर के अंदर शुक्रवार (आज) से प्रतिबंधित टैक्सी बाइकें नहीं चल पाएंगी, वहीं शहर से बाहर संचालन के लिए टैक्सी बाइक चालकों को तल्लीताल धर्मशाला व मेट्रोपोल सडक् के नीचे की पार्किंग में वाहन पार्क करने होंगे। शहर के अंदर वाहन संचालित करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन और पर्यटन कारोबारियों के बीच दूसरी बैठक

नैनीताल। पर्यटन सीजन को लेकर बीरवार को प्रशासन की ओर से पर्यटन कारोबारियों के साथ दूसरी बैठक की। संयुक्त मजिस्ट्रेट वरूणा अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पर्यटन कारोबारियों ने अपने विचार रखे। पर्यटन कारोबारियों ने कहा कि शहर में व्यवस्थाएं एसी हों कि न तो स्थानीय लोगों को दिक्कतें हों। ना पर्यटकों को व्यवस्था से कोई परेशानी हो। कारोबारियों ने कहा कि वहीं शहर से बाहर अस्थाई पार्किंग स्थलों पर पर्यटकों के वाहनों को रो. कने व छोडने् के लिए पार्किंग संचालकों और पर्यटन कारोबारियों को भी मिले। वहीं बैठक में प्रतिबंधित टैक्सी बाइकों के दौडने् से यातायात प्रभावित होने का मुद्दा छाया रहा, जिस पर प्रशासन की ओर से प्रतिबंधित टैक्सी बाइकों को शहर से हटाने की बात की गई। वरूणा अग्रवाल ने बताया कि नैनीताल में 2017 से पूर्व की 82 टैक्सी बाइकें ही शहर के अंदर चलेंगी। इसके बाद की पंजीकृत बाइकें शहर में प्रतिबंधित हैं। जिनको शुक्रवार से शहर में बैन कर दिया जाएगा। सभी प्रतिबंधित टैक्सी बाइकों को शहर के बाहर ही चलाया जाएगा। जिसके लिए तल्लीताल धर्मशाला के समीप व मल्लीताल में मेट्रोपोल के समीप पार्किंग स्थलों पर टैक्सी बाइकों को पार्क किया जाएगा। बताया कि शहर के अंदर प्रतिबंधित बाइक चलने पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान बैठक में एसडीएम प्रमोद कुमार, तहसीलदार मनीषा मकराना, होटल एसोशिएशन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट, सचिव वेद साह तथा व्यापार मंडल तल्लीताल के अध्यक्ष मारूति नंदन साह साह तथा मल्लीताल के किशन सिंह नेगी तथा महासचिव त्रिभुवन सिंह फर्त्याल व अन्य मौजूद रहे

महिला कांगेस ने महिला आरक्षण को लेकर भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। केंद्र सरकार से महिला आरक्षण अधिनियम को अबिलंब लागू किए जाने की मांग को लेकर नैनीताल में सूबे की पूर्व दर्जा राज्य मंत्री एवं वर्तमान में महिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष खष्टी बिष्ट के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकत्रियों ने संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुणा अग्रवाल के माध्यम से उत्तराखंड के राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। बता दें कांग्रेस महिला नेत्रियों ने यह ज्ञापन महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देश पर भेजा। इस मौके पर जिला महिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष खष्टी बिष्ट ने कहा कि महिला आरक्षण कानून 2023 के माध्यम से महिलाओं को लोक सभा समेत राज्य विधान सभाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने का विशेष प्रावधान किया गया है किंतु दुखद पहलू यह है कि आज तक केंद्र सरकार व राज्य सरकारों ने इसे लागू करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है, जो उत्तराखंड की ही नहीं अपितु देश भर की मातृ शक्ति के साथ घोर अन्याय है। उन्होंने कहा कि हम सूबे के राज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार से गुजारिश करते हैं कि महिला अधिनियम अबिलंब लागू किया जाए। इस मौके पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री मुन्नी तिवारी समेत डा. भावना भट्ट, सपना बिष्ट, कमला फर्त्याल, देवकी, लता, सुनीता आर्या, शीला मेहरा, शायरा खान, गंगा, गीता, आशा भट्ट, शांति, सुमन साह, दया, भगवती समेत कई महिला कांग्रेस कार्यकत्रियां मौजूद रही।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान लोधिया बैरियर के पास एक युवक को स्मैक के साथ दबोच लिया। युवक के कब्जे से 13.10 ग्राम स्मैक बरामद की। इसके बाद पुलिस ने युवक पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार अल्मोड़ा कोतवाली पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने लोधिया बैरियर के पास चे. कंग अभियान चलाया। इस दौरान एक युवक के संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे रोका गया। तलाशी लेने पर आरा. ेपी रेहान वर्ष पुत्र नूर इस्लाम, निवासी वार्ड नंबर 30, बनभूलपूरा जनपद नैनीताल के कब्जे से 13.10 ग्राम स्मैक बरामद की गई। बरामद स्मैक की कीमत करीब 3 लाख 93 हजार रुपये आंकी गई। पुलिस ने मौके पर स्मैक को सील कर एनडीपीएस एक्ट में मुक. दमा दर्ज कर युवक को गिरफ्तार किया। कोतवाल योगेश चन्द्र उपाध्याय ने बताया कि आरोपी का अपराधिक इतिहास को खगाला जा रहा हैं। एसओजी प्रभारी भुवन जोशी, चौकी प्रभारी बेस एसआई सुनील बिष्ट, कांस्टेबल सुंदर लाल, राजेश भट्ट, राकेश भट्ट, इरशाद उल्ला शामिल रहे।

अल्मोड़ा। नवसंवत्सर पर निकाली गई शोभायात्रा में शामिल होते शहर के प्रबुद्ध जन।

निशुल्क नेत्र शिविर में जांची आंखें

शाह टाइम्स संवाददाता

कालाढूंगी। शुभानु हॉस्पिटल हल्द्वानी द्वारा कालाढूंगी में आयोजित निशुल्क नेत्र शिविर में दर्जनों मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। यह शिविर कालाढूंगी नगर पालि. का के वार्ड नंबर चार के सभासद नसीम जहां के सहयोग से हाजी शाकिर हुसैन के

निवास पर आयोजित हुआ। शिविर में क्षेत्रभर से लगभग 92 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। डा. हिमांशु पांगती की उपस्थिति में नेत्र परीक्षक आनंद सिंह और दिनेश सक्सेना ने मरीजों का परीक्षण किया, उन्हें निशुल्क दवाई प्रदान की और उचित परामर्श दिया। इस शिविर में कई लोगों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई, जिनको ऑपरेशन की सलाह दी गई। साथ ही, बताया गया कि यदि उनके पास आयुष्मान या गोल्डन कार्ड है, तो ऑपरेशन हॉस्पिटल में निशुल्क किया जाएगा और मरीजों को घर से लाने और छोड़ने की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इस दौरान सभासद नसीम जहां, हाजी शाकिर हुसैन, मेहमूद हसन बंजारा और अन्य स्थानीय व्यक्तियों ने शि. विर आयोजित करने के लिए हॉस्पिटल प्रबंधन का आभार जताया।

अखंड रामायण पाठ

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। जिला मुख्यालय नैनीताल से 40 किलोमीटर दूर बागनी गांव में बीरवार को एक दिवसीय अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया किया गया। इससे पूर्व सुबह गोलू देव मंदिर में पूजा अर्चना की गई। इस दौरान हवन यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें जजमान भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता व वरिष्ठ समा. जसेवी हेम चंद्र आर्य रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने भाजपा के वरिष्ठ नेता हेमचंद्र आर्य का फूल माला पहनकर स्वागत किया। इसके बाद मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया वहीं ग्रामीणों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद ने श्रद्धालुओं प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान दिनेश बधानी, हीरा बल्लभ बधानी, नवीन बधानी, गणेश बधानी, त्रिलोचन तथा तारादत्त, दिनेश बधानी, प्रकाश चंद्र तथा अंबादत आदि भक्तजन मौजूद रहे।

एक नजर

अनूठा पौधारोपण आंदोलन जारी

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आह्वान पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2024 को जारी करने को लेकर किया जा रहा राज्य में अनूठा पौधारोपण आंदोलन बीरवार को 272वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में निगम कर्मचारियों ने पौधारोपण किया वहीं साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में कार्य करने वाले मनोहर सिंह ऐरी ने अपनी पुत्री पावनी के एशियन एकेडमी विद्यालय में प्रवेश के अवसर पर परिसर में अपनी पुत्री पावनी ऐरी तथा पत्नी रेखा देवी ऐरी के साथ पौधारोपण किया। इस अवसर पर एशियन एकेडमी के प्रधानाचार्य आनंद सिंह नेगी, हर्षित ऐरी व विद्यालय परिवार शामिल रहा। सभी लोगों ने पौधारोपण की विद्यालय में नेक पहल का स्वागत करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे के अभिभावक भी अपने बच्चों के प्रवेश पर पौधारोपण करें तो बच्चों में प्रकृति प्रेम की भावना पैदा होगी। इस विशेष मौके पर मनोहर ऐरी ने कहा कि अब वह हर वर्ष इस तिथि को एक पौधा लगाएंगे।

शैल-पांडेखोला हाइवे के चौड़ीकरण का विरोध

अल्मोड़ा। शैल से पांडेखोला तक राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण को लेकर लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को अल्मोड़ा पहुंचे भाजपा जिला संगठन मंत्री के सुरेश भट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण के लिए स्थानीय लोगों के घरों को चिह्वित किया जा रहा है। इससे लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बन हुआ है। उनके घरों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। कहा कि मामले को लेकर केंद्रीय राज्य परिवहन मंत्री अजय टम्टा ने पहाड़ों में सड़क चौड़ीकरण को लेकर नियमों में संशोधन करने की बात कही थी। जिससे स्थानीय लोगों को दिक्कत न हो। आश्वासन के बावजूद के बाद भी स्थानीय लोगों की मांग को अनदेखा किया जा रहा है। जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी रोष व्याप्त है। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में कपिल मल्होत्रा, हरेंद्र शैली, पार्षद अमित साह, ज्योति साह, अर्जुन बिष्ट, मुन्नी तिवारी, कमल तिवारी, विनोद जोशी, अनिल शैली, देवेंद्र नेगी, नंदन सिंह मेहता आदि मौजूद रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्ती

कालाढूंगी। उच्च न्यायालय नैनीताल के आदेश और उपजिलाधिकारी कालाढूंगी रेखा कोहली के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद कालाढूंगी ने पॉलीथीन और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ एक प्रभावी अभियान चलाया। तहसीलदार मनीषा बिष्ट, अधिशासी अधिकारी अभिनव कुमार और उपनिरीक्षक निधि शर्मा के नेतृत्व में यह अभियान संचालित किया गया। इस दौरान 22 किलोग्राम पॉलीथीन, प्लास्टिक के ग्लास, चम्मच, कटोरी और प्लेट सहित अन्य प्लास्टिक उत्पाद जब्त किए गए। 5 दुकानदारों के खिलाफ कुल तीन हजार रुपये का चालान भी किया गया। अभियान के अंतर्गत अन्य दुकानदारों को पॉलीथीन और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान और इसके खिलाफ कानून की जानकारी दी गई। उन्हें चेतावनी दी गई कि भविष्य में इस तरह के उत्पादों का प्रयोग करने पर सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके।

घूमने आए दो दोस्तों में मारपीट

नैनीताल। मुरादाबाद शहर से नैनीताल घूमने आए पर्यटकों में आपसी विवाद हो गया। दो दोस्तों के बीच मारपीट के बाद मामला कोतवाली पहुंच गया। जानकारी के अनुसार मुरादाबाद से नैनीताल घूमने आए पर्यटकों का मल्लीताल में चश्मा लगाकर फोटो खिंचवाने को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो बीच सड़क दो लोगों में मारपीट हो गई। इस दौरान एक युवक ने दूसरे के कपड़े तक फाड़ दिए। लोगों की ओर से सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों को पकड़ लिया और बीच बचाव कर कोतवाली ले आई। एसएसआई दीपक बिष्ट ने बताया कि बीच सड़क मारपीट करने पर मुरादाबाद निवासी फहीम व सलीम के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

रामनवमी पर होगा विशाल भंडारा

नैनीताल। जिला मुख्यालय नैनीताल के सूखाताल में स्थित माँ शाकम्भरी माँ पूर्णागिरी मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के विशेष मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बता दें कि भंडारा प्रतिवर्ष रामनवमी को आदर्श रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित किया जाता है। आयोजन को सफल बनाने हेतु आदर्श रामलीला कमेटी के अध्यक्ष व युवा समाजसेवी गोपाल सिंह रावत के आवास पर बीरवार को तैयारी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भंडारे को सफल करने हेतु अलग अलग दायित्व सौंपे गए। कमेटी के अध्यक्ष व समाजसेवी गोपाल सिंह रावत के अनुसार रामनवमी को प्रात: काल गणेश पूजा के बाद कन्या पूजन, सुंदर कांड तथा भजन कीर्तन के बाद विशाल भंडारा किया जाएगा। बैठक में हरीश तिवारी, रमेश पांडे, दीप भट्ट, ललित साह, अमिताभ साह, सिद्धू मजूमदार, प्रकाश शास्त्री, विक्रम सिंह रावत, हेमलता पांडे, गीता रावत तथा लता मेहरा आदि कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खेल समाचार

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी संभालेंगे क्रिकेट परिषद की कमान

कराची, वार्ता। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह गुरुवार से यह जिम्मेदारी संभालेंगे। इसकी जानकारी देते हुए एसीसी ने कहा- उनका नेतृत्व ऐसे समय में आया है जब एशियाई क्रिकेट निरंतर विकसित हो रहा है और पूरे क्षेत्र में अधिक अवसर, नवाचार और सहयोग ला रहा है। नकवी ने यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- मैं एशियाई क्रिकेट परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करके बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। एशिया विश्व क्रिकेट की धड़कन बना हुआ है और मैं खेल के विकास और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने के लिए सभी सदस्य बोर्डों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। साथ मिलकर हम नए अवसरों को खोलेंगे, अधिक सहयोग को बढ़ावा देंगे और एशियाई क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

रमन सुब्रमण्यन फिर कोच के रूप में यूटीटी में करेंगे पदार्पण

अहमदाबाद, वार्ता। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता रमन सुब्रमण्यन, जर्मन विशेषज्ञ क्रिस फिर, अनुभवी प्रशिक्षक पावेल रेहोरेक, जूलियन गिरार्ड और भारत के पूर्व नंबर 1 जुबिन कुमार अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) लीग के सीज़न 6 में कोच के रूप में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। यह संस्करण ऐतिहासिक रूप से पहला है, क्योंकि फ्रैंचाइज़ी को अपने कोचिंग स्टाफ़ को स्वतंत्र रूप से चुनने की स्वतंत्रता दी गई है। इनके साथ वापसी करने वाले कोच एलेना टिमिना, पराग अग्रवाल, सुभाजीत साहा, सौम्यदीप रॉय और सचिन शेट्टी भी शामिल हैं, जिनका लक्ष्य अपना दूसरा यूटीटी खिताब हासिल करना है।

लाहौर में पाक महिला क्रिकेट टीम का प्रशिक्षण शिविर फिर से शुरू

लाहौर, वार्ता। ईद-उल-फितर के लिए चार दिवसीय अवकाश के बाद गुरुवार को एलसीसीए मैदान पर पाकिस्तानी महिला टीम का प्रशिक्षण शिविर फिर से शुरू हो गया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, यह शिविर आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफाइंग दौर के लिए राष्ट्रीय टीम की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान लाहौर के दो स्थानों गद्दाफी स्टेडियम और एलसीसीए मैदान पर कर रहा है। पाकिस्तान की टीम शुक्रवार को एलसीसीए मैदान पर थाईलैंड के साथ अभ्यास मैच खेलेगी। पाकिस्तान और थाईलैंड के अलावा, क्वालीफायर में भाग लेने वाले अन्य देशों में वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, आयरलैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। फाइनल 19 अप्रैल को गद्दाफी स्टेडियम में होगा।

नए आत्मविश्वास के साथ लखनऊ से भिड़ेगी मुंबई

मुंबई इंडियंस एलएसजी को चुनौती देने के लिए अच्छी स्थिति में है

कप्तान पंत की खराब फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय

लखनऊ, वार्ता। कोलकाता नाइट राइडर्स पर शानदार जीत के बाद मुंबई इंडियंस शुक्रवार को आत्मविश्वास और जोश के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ आईपीएल 2025 के 16वें मैच में उतरेंगी।

मुंबई के गेंदबाजों ने केकेआर को सिर्फ 116 रनों पर ढेर कर दिया था जिसके बाद रेयान रिकेल्टन के नाबाद 62 रनों के साथ-साथ सूर्यकुमार यादव के नौ गेंदों पर 27 रनों की धमाकेदार पारी से आसान लक्ष्य हासिल कर लिया था। उस मैच में नए खिलाड़ी अश्विनी कुमार ने चार विकेट लेकर प्रभावित किया जबकि दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट पावरप्ले में प्रभावी रहे। इसके अलावा पिछले आमने-सामने के रिकॉर्ड के बावजूद, मुंबई इंडियंस एलएसजी को चुनौती देने के लिए अच्छी स्थिति में है। लखनऊ ने आईपीएल में मुंबई के खिलाफ अपने छह मुकाबलों में से पांच में जीत हासिल करते हुए बढ़त हासिल की है। हालांकि, कोलकाता पर मुंबई इंडियंस की हालिया जीत से एलएसजी को संभल कर रहना होगा। निकोलस पूरन ने अब तक एलएसजी की ओर से बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

उन्होंने पिछले तीन मैचों में 220 के स्ट्राइक रेट से 189 रन बनाए हैं। इस मैच में भी हर एक की निगाहें उनके प्रदर्शन पर होंगी। एलएसजी अपने पिछले घरेलू मैच में पंजाब किंग्स से आठ विकेट से मिली करारी हार से उबरना चाहेगी। मिचेल मार्श और पूरन ने बल्लेबाजी का बहुत भार उठाया है, और उनकी विफलता अक्सर टीम की कमज़ोरी को उजागर करती है। कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, जबकि आयुष बदोनी और अब्दुल समद ने निचले क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी विभाग में शार्दुल ठाकुर ने तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, लेकिन वे महंगे साबित हुए हैं और 10-22 की इकॉनमी रेट से रन दिए हैं। आकाश दीप की वापसी से आक्रमण को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जबकि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई अपने अब तक के निराशाजनक प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगे। चहर और बोल्ट की अगुआई में मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण पावरप्ले में प्रभावी रहा है। डेब्यूटेंट अश्विनी ने पिछले गेम में चार विकेट लेकर प्रभावित किया और वे फिर से अहम भूमिका निभा सकते हैं। बीच के ओवरों में मिशेल सेंटनर का अनुभव महत्वपूर्ण होगा, जबकि युवा तेज गेंदबाज विग्नेश पुथुर को सफलता के लिए बुलाया जा सकता है। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना स्टेडियम की पिच संतुलित होने की उम्मीद है, जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद करेगी। दूसरी पारी में ओस के कारण लक्ष्य का पीछा करना बेहतर विकल्प हो सकता है। आईपीएल के इतिहास में इस स्थान पर जीत के लिए सबसे बड़ा सफल लक्ष्य का तीन विकेट पर 199 रन है।

खराब बैटिंग के कारण हारी आरसीबी

● गुजरात आठ विकेट से जीता, सिराज बोले कि बेंगलुरु आकर थोड़ा इमोशनल हो गया

बेंगलुरु, वार्ता। 18वें सीजन में घरेलू मैदान पर पहली बार खेलने उतरी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी। चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी ने पहले बैटिंग की। टीम ने 40 गेंद के अंदर 4 विकेट गंवा दिए, यहां से स्कोर 200 के करीब नहीं जा सका। बेंगलुरु ने 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। गुजरात ने 17.5 ओवर में 2 विकेट खोकर आसानी से टारगेट हासिल कर लिया। साई सुदर्शन ने 49 और जोस बटलर ने 73 रन बनाए। मोहम्मद सिराज को 3 विकेट मिले। आरसीबी से लियम लिविंगस्टन ने 54 रन बनाए। टॉस जीतकर पहले बालिंग करने उतरी गुजरात से मोहम्मद सिराज ने बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने अपने दूसरे ही ओवर में देवदत्त पडिक्कल को बोल्ड कर दिया। उन्होंने फिर पांचवें ओवर में फिल साल्ट को भी बोल्ड किया। सिराज ने अपना स्पेल 19 रन पर 3 विकेट लेकर खत्म किया। मैं थोड़ा इमोशनल हो गया, मैंने यहां 7 साल तक आईपीएल खेला है। जर्सी का कलर लाल से नीला होना मेरे लिए इमोशनल रहा। मुझे रोनाल्डो बहुत पसंद हैं, इसलिए विकेट लेने के बाद उनकी तरह सेलिब्रेट करता हूं। टीम इंडिया से ब्रेक मिला तो मैंने अपनी फिटनेस और गलतियों पर काम किया। गुजरात में शामिल होने के बाद मैंने आशीष नेहरा से बात की। उन्होंने मुझे एंजाय करने के लिए कहा। ईशांत भाई ने मुझे बताया कि किस लाइन पर बालिंग करनी है। मेरा माइंडसेट यही है कि बस खुद पर भरोसा करना है। मिडिल ओवर्स में बालिंग करने आए साई ने आरसीबी बैटर्स को बैकफुट पर धकेल दिया। उन्होंने 4 ओवर में महज 22 रन दिए, उन्होंने जितेश शर्मा और क्रुणाल पांड्या को पवेलियन भी भेजा। 5वें ओवर में गुजरात ने पहला विकेट गंवा दिया। यहां से बटलर ने सुदर्शन के साथ 75 रन की पार्टनरशिप की। उन्होंने 73 रन बनाए और टीम को जीत दिला दी। 170 के टारगेट के सामने गुजरात को ओपनर सुदर्शन ने मजबूत शुरुआत दिलाई। उन्होंने 36 गेंद पर 49 रन बनाए।

सूर्या ने किए रामलला के दर्शन

सूर्यकुमार यादव के अलावा दीपक चाहर और कर्ण शर्मा समेत अन्य खिलाड़ी भी पहुंचे

अयोध्या, वार्ता। टीम इंडिया में टी-20 टीम के कप्तान और मुंबई इंडियंस के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को यहां श्रीरामजन्मभूमि में भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन किए। सूर्य कुमार यादव आईपीएल में लखनऊ के खिलाफ मुंबई इंडियंस टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

लखनऊ और मुंबई के बीच मैच शुक्रवार को इकाना स्टेडियम पर खेला जायेगा। मैच की पूर्व संध्या पर उन्होने आज अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फिर दिव्य और भव्य मंदिर में विरा. जमान रामलला का आशीर्वाद लिया। उनके साथ दीपक चाहर और करण शर्मा समेत मुंबई इंडियंस के अन्य खिलाड़ियों के अलावा प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी हेमंत दास थे।

इस अवसर पर उन्होने अनौपचारिक बात. चीत में कहा कि अयोध्या का विकास बहुत तेजी से हो रहा है और राम मंदिर के बनने से आसपास के जो भी जिले थे उनका भी विकास हो रहा है। मंदिर बहुत भव्य बना हुआ है। आईबी के निद. शक तपन डेका ने भी प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर और श्रीरामजन्मभूमि परिसर में विराजमान रामलला का दर्शन-पूजन किया। उनके साथ में अयोध्या रेंज के आई-जी- प्रवीण कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नैय्यर भी मौजूद थे।

हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप झांसी में

झांसी, वार्ता। चार से 15 अप्रैल तक खेली जाने वाली 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में 30 टीमें हिस्सा लेंगी। झांसी के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में टूर्नामेंट में खेला जाएगा।

आईसीसी के टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंचे जैकब डफी

2018 के बाद टॉप पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले गेंदबाज

दुबई, वार्ता। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी आईसीसी के टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। डफी ने पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी-20 में शानदार प्रदर्शन किया। डफी ने नंबर-1 का ताज वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर अकील होसेन को हटा कर हासिल किया है।

उन्होंने पाक के खिलाफ 2 टी-20आई मैचों में 5 विकेट झटके थे और अपनी टीम को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। डफी को चार स्थान का फायदा डफी ने चार पायदान का छलांग लगाया है। उनके 723 अंक हो गए हैं। वहीं अकील दूसरे स्थान पर हैं। उनके 714 अंक हैं। भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती (706 रेटिंग) को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। इंग्लैंड के आदिल रशीद, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और आस्ट्रेलिया के एडम जम्पा भी एक-एक पायदान नीचे लुढ़क गए हैं। रशीद चौथे पर जबकि हसरंगा पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं। जम्पा छठे नंबर चले गए हैं। इसके बाद नंबर-7 से लेकर नंबर-10 के गेंदबाजों की पाजिशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज में लिए 13 विकेट डफी ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए पांच टी-20 मैचों की सीरीज में 13 विकेट लिए। जिसमें एक मैच में उन्होंने 14 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं न्यूजीलैंड ने सीरीज को 4-1 से जीता। 2018 के बाद किसी न्यूजीलैंड गेंदबाज ने टी-20 में टाप पर पहुंचा डफी 2018 के बाद टी-20 में टाप रैंकिंग पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड गेंदबाज बन गए हैं। 2018 में ईश सोढ़ी ने टी-20 में टाप पर पहुंचे हैं। 2020 में डफी ने टी-20आई में किया डेब्यू डफी 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना टी-20आई डेब्यू किया। उन्होंने अब तक खेले 23 मैचों में 32 विकेट लिए हैं।

गुवाहाटी को पहली बार टेस्ट क्रिकेट की मेजबानी

दिसम्बर में साउथ अफ्रीका और भारत का मुकाबला, वेस्टइंडीज से भी भिड़ेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, वार्ता। टीम इंडिया की मेंस टीम अक्टूबर से दिसम्बर के बीच वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से सीरीज खेलेगी। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम को पहली बार टेस्ट की मेजबानी मिली। यहां साउथ अफ्रीका से भारत का मुकाबला होगा। इस दौरान मोहाली के मुल्लांपुर में बने स्टेडियम में पहली बार कोई मेंस इंटरनेशनल मैच भी खेला जाएगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट की सीरीज अक्टूबर में होगी। जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज नवम्बर-दिसम्बर में खेलेगी। इस बीच टीम इंडिया आस्ट्रेलिया जाकर 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज भी खेलेगी। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में पहली बार टेस्ट मैच होगा। टीम इंडिया का होम सीजन वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज से शुरू होगा। 2 अक्टूबर से दोनों टीमों के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला जाएगा। 10 अक्टूबर से फिर कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में दूसरा टेस्ट शुरू होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हैं।

महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए अंपायर, मैच अधिकारी घोषित

● छह टीमों का यह टूर्नामेंट 9 से 19 अप्रैल तक पाक में होगा

दुबई, वार्ता। इस महीने होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए अंपायर और मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी गई है। छह टीमों का यह टूर्नामेंट नौ से 19 अप्रैल के बीच पाकिस्तान में होगा, जिसमें दो शीर्ष टीमें इस साल के आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में अपनी जगह पक्की करेंगी। पैनल में 10 अंपायर और तीन मैच रेफरी शामिल होंगे, जबकि मेजबान देश पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व फैजल खान अफरीदी और सलीमा इम्तियाज अंपायरिंग पैनल में करेंगे। पिछले साल सलीमा आईसीसी अंपायरों के पैनल में शामिल होने वाली पाकिस्तान की पहली महिला बनीं थीं। उन्होंने उस समय कहा था कि वह एशियाई देश के अंपायरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेंगी। सलीमा ने कहा कि यह सिर्फ मेरी जीत नहीं है, यह पाकिस्तान की हर महत्वाकांक्षी महिला क्रिकेटर और अंपायर की जीत है। मुझे उम्मीद है कि मेरी सफलता अनगिनत महिलाओं को प्रेरित करेंगी, जो खेल में अपनी पहचान बनाने का सपना देखती हैं। आईसीसी मीडिया स्टेटमेंट के अनुसार, बांग्लादेश के पैनल में मसुदुर रहमान मुकुल और शतीरा जाकिर जेसी के रूप में दो अंपायर भी हैं, जबकि जिम्बाब्वे की सारा दंबनेवाना के साथ डोनोवन बोर्डे, डेडुनु डी सिल्वा और शॉन हैग भी शामिल हैं। अली नकवी, शैंड्रे फ्रिट्ज़ और टुडी एंडरसन मैच रेफरी के रूप में मौजूद रहेंगे और आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक अंपायर और रेफरी, सीन ईज़ी का मानना है कि यह टूर्नामेंट पूरे पैनल को अपनी साख दिखाने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। ईज़ी ने कहा कि यह हमारे नियुक्त मैच अधिकारियों के लिए एक रोमांचक अवसर है, जो इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट की देखरेख कर रहे हैं, जो विश्व कप की राह पर टीमों के लिए अंतिम कदम है। हमारे अधिकारी अनुभवी और अच्छी तरह से तैयार हैं, और हम उन्हें इस आयोजन में भाग लेते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

रेफरी: अली नकवी (पाकिस्तान), शैंड्रे फ्रिट्ज़ (दक्षिण अफ्रीका), टुडी एंडरसन (न्यूजीलैंड)।

अंपायर: बैब्स गकुमा (द. अफ्रीका), कैंडेस बोर्डे आदि।

इंग्लैंड का लक्ष्य विश्व कप : कोच एडवर्ड्स

लंदन, वार्ता। इंग्लैंड की नवनियुक्त कोच चार्लोट एडवर्ड्स का मानना है कि उनकी टीम जल्द ही अपना सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करने में सक्षम है और आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खिताब के लिए चुनौती पेश कर सकती है।

इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में निराशा. जनक प्रदर्शन और उसके बाद जॉन लुईस और लंबे समय स

हीथर नाइट के जाने के बाद एडवर्ड्स को इंग्लैंड की महिला कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। एडवर्ड्स के लिए सबसे पहला काम इस साल के आखिर में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिए अपनी टीम को तैयार करना होगा।

नई कोच ने कहा है कि वह विश्व कप से पहले वेस्टइंडीज और भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को भरपूर मौके देंगी। एडवर्ड्स ने बुधवार को लॉर्ड्स में कहा कि हमारे पास बहुत से युवा खिलाड़ी हैं, जिन्होंने मेरे हिसाब से पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेला है, इसलिए मैं चाहती हूं कि वे अधिक क्रिकेट खेलने का अनुभव लें।

कप्तान

कोलकाता ने हैदराबाद को 201 रन का टारगेट दिया

● हैदराबाद के ट्रैविस हेड पहले ओवर में आउट, वैभव अरोड़ा ने कैच कराया

कोलकाता, वार्ता। डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के 15वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 201 रन का टारगेट दिया है। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में हैदराबाद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। कोलकाता ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 200 रन बनाए।

आईपीएल के 18वें सीजन में 7वीं बार स्कोर 200 तक पहुंचा। एसआरएच ने 1 ओवर के बाद 1 विकेट के नुकसान पर 6 रन बना लिए हैं। टीम से अभिषेक शर्मा और ईशान किशन पिच पर हैं। ट्रैविस हेड 4 रन बनाकर पहले ओवर में आउट हो गए, उन्हें वैभव अरोड़ा ने कैच कराया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले ही ओवर में विकेट गंवा दिया। अभिषेक शर्मा के साथ ओप. निंग उतरे ट्रैविस हेड 4 रन बनाकर कैच आउट हुए। उन्हें वैभव अरोड़ा ने ओवर की दूसरी ही गेंद पर पवेलियन भेज दिया। पारी का आखिरी ओवर डाल रहे हर्षल पटेल ने 13 रन खर्च किए। इस ओवर में दो विकेट गिरे। आंद्रे रसेल (1 रन) रनआउट हुए, जबकि वेंकटेश अय्यर को हर्षल ने अनिक. `त वर्मा के हाथों कैच कराया। वे 60 रन बनाकर आउट हुए। 19वें ओवर में वेंकटेश अय्यर ने फिफ्टी पूरी कर ली है। उन्होंने पैट कमिंस के ओवर में लगातार चार बाउंड्री लगाई। इसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल रहा। 18वें ओवर में कोलकाता ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। इस ओवर में वेंकटेश अ"यर ने लगातार दो चौके लगाए। जबकि रिंकू सिंह ने एक छक्का जड़ा। 13वें ओवर में कोल. काता ने चौथा विकेट गंवाया। यहां अंगकृष रघुवंशी 50 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कमिंडु मेंडिस ने हर्षल पटेल के हाथों कैच कराया। इस ओवर की पहली बाल पर अंगकृष ने फिफ्टी पूरी की थी। 12वें ओवर की पहली बाल पर अंगकृष रघुवंशी को जीवनदान मिला। नीतीश रेड्डी से मिडविकेट पर उनका कैच ड्राप हो गया। यहां रघुवंशी 43 रन पर खेल रहे थे। इसी ओवर में टीम का स्कोर 100 रन का आंकड़ा पार कर गया। 11वें ओवर में कोलकाता ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां कप्तान अजिंक्य रहाणे 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जीशान अंसारी ने विकेटकीपर हेनरिक क्लासन के हाथों कैच कराया। जीशान ने 81 रनों की साझेदारी तोड़ी। 8वें ओवर में अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंश ने तीसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। टीम ने 16 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट गंवाया था।

बिल के समर्थन में बयान देने वाले वक्फ बोर्ड व मदरसा बोर्ड अध्यक्ष

शादाब शम्स व मुफ्ती शमून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। वक्फ बिल के समर्थन में बयान देने वाले उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स व मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी का मंगलौर में विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन करने पहुंचे लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में लेकर सभी लोगों को कोतवाली पहुंची। पुतला दहन करने वाले लोगों द्वारा जमकर नारेबाजी की गई।

जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को मंगलौर विधानसभा से आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी रहे मोनिस काजमी के नेतृत्व में दर्जनभर लोग पुलिस चौकी के पास वक्फ बोर्ड बिल को लेकर प्रदर्शन कर पुतला दहन करने पहुंचे। विरोध करने पहुंचे लोग नारेबाजी करने लगे। भारी संख्या में पहले ही पुलिस बल तैनात किया गया था। नारेबाजी कर रहे लोगों को पुतला फूंकने से पहले ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी रहे मोनिस काजमी समेत तीन लोगों को विरासत में लेकर कोतवाली पहुंची। पुलिस हिरासत में भी उनके द्वारा जमकर नारेबाजी की गई। इस अवसर पर आजाद समाज पार्टी के पूर्व प्रत्याशी मोनिस ने कहा कि उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स व मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने मुस्लिम समाज के खिलाफ अपना बयान दिया है। उनके द्वारा बोर्ड बिल का समर्थन कर उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, जिसको लेकर उनके द्वारा बृहस्पतिवार को दोनों भाजपा नेताओं का पुतला दहन करने का निर्णय लिया गया था। लेकिन पुलिस द्वारा उन्हें पुतला दहन करने से रोककर हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लगातार मुसलमानो के खिलाफ कानून बना रही है, जिससे मुस्लिम समाज के लोगों में आक्रोश है। सरकार द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन भी नहीं करने दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है, जिसको छीनने का काम किया जा रहा है। मुस्लिम समाज दोनों भाजपा नेताओं को किसी भी कीमत पर माफ नहीं करेगा और आगे भी उनका विरोध जारी रहेगा। विरोध प्रदर्शन करने वालों में मोनिस काजमी, उमेर समर, मुस्तकीम जुनैद समेत अन्य उपस्थित रहे।

फर्जी तरीके से जमीन की खरीद फरोख्त करने का आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा फर्जी तरीके से जमीन के खरीद फरोख्त करने वाले को को गिरफ्तार किया गया है। लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया 1 अप्रैल 2025 को सुमित कुमार पुत्र राजपाल निवासी ग्राम महाराजपुर कला थाना कोतवाली लक्सर जिला हरिद्वार द्वारा अभियुक्तगण पंकज कुमार मनोज कुमार प्रमोद कुमार प्रदीप कुमार द्वारा षड्यंत्र कर धोखाधड़ी से फर्जी फोटो व हस्ताक्षर कर वादी की जमीन का बनामा पंकज कुमार के नाम करने के संबंध में तहरीर दी गई थी जिसके संबंध में कोतवाली लक्सर पर धोखाधड़ी संबंधित अभियोग पंजीकृत किया गया था एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में वांछित अभियुक्त की धर पकड़ के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए उसको गिरफ्तार किया गया पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम प्रमोद कुमार पुत्र कुंवर सैन निवासी ग्राम महाराजपुर कला कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में रायसी पुलिस चौकी प्रभारी कमलकांत रतूड़ी हेड कांस्टेबल पर प्रदीप कनौजिया कांस्टेबल अनिल वर्मा शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित मुकदमे में दाखिल कर संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

तस्लीम सदर व मौ. मुजम्मिल चुने गए शेख बिरादरी के महासचिव

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। शेख बिरादरी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में तस्लीम अहमद को बिरादरी का सदर (अध्यक्ष) चुना गया और पगड़ी व फूलमालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान समाज में फैली बुराइयों, कुरीतियों और नशाखोरी को दूर करने के साथ ही अपने बच्चो को शिक्षित करने की अपील की गई।

कस्बे के मौहल्ला किला में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए शेखउ मसूदी महासभा के युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी सोनू साबरी ने कहा कि जब तक हमारा समाज संगठित नहीं होगा तब तक हम अपनी खोई हुई पहचान को वापस नहीं ला सकते। उन्होंने समाज के लोगों से आपसी मतभेद भुलाकर एक प्लेटफार्म पर आने की अपील की। यूपी के जनपद सहारनपुर के कस्बा बेहट से आए शेखउ समाज सेवा समिति के अध्यक्ष शेखउ शमीम अहमद ने समाज से नशाखोरी को दूर करने की अपील की। समिति के महासचिव शेख गुलफाम अहमद ने कहा कि हमे अपने बच्चो को हायर व मॉडर्न एजुकेशन दिलाने का काम करना चाहिए, ताकि हमारे बच्चे भी मुल्क व समाज की सेवा कर सके। इस दौरान कस्बे के मौहल्ला किला निवासी शेखउ मौहम्मद तस्लीम उर्फ भोला को शेखउ बिरादरी का सदर (अध्यक्ष) और शेखउ मुजम्मिल को महासचिव तथा मौहम्मद जावेद को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों के गले में फूलमालाएं डाल जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन शेख परवेज आलम पत्रकार तथा अध्यक्षता शेखउ गुलफाम अहमद ने की। कार्यक्रम में शेखउ लाली, शेखउ जावेद, मेहरबान, मास्टर अलीशेर, सलीम, मंगता, शकील, रहमान, आजाद, अशरफ, बिलाल, असलम, सलीम, शहजाद, इनाम, सगीर, शाहनवाज, समीर साबरी, नईम, शादाब, शेखउ अजीम उर्फ गुड्डू, तंजीम, शोएब, सुहेल, नवाब, शेर अली, शेख इस्लाम, शमशाद, राजा, शेख नदीम, तौफीक शेखउ, गुल्लू, शाहरुख, पोली, तहसीन, कलीम, साजिद अहमद, अनीस, साजिद, तनवीर, निजाम, सोनू, सैफ शेखउ, समद, शादान, रिहान, अरमान, अल्तमश, अशरफ, लियाकत, अब्दुल्ला शेखउ, आयान, निजामुद्दीन आदि काफी संख्या में शेख बिरादरी के लोग मौजूद रहे।

ग्रामोत्थान परियोजना से रीना का आत्मनिर्भरता की ओर सफल कदम

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। विकासखंड के अकौढ़ा कलां गांव की रहने वाली रीना अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने की इच्छा रखती थीं। उनके पति सुभाष की सीमित आय से घर चलाना मुश्किल था, जिससे परिवार की जरूरतें पूरी करना चुनौती बन गया था। इसी बीच, उन्हें रूरल एंटरप्राइज एक्सेलेरेशन प्रोजेक्ट (रीप)/ ग्रामोत्थान परियोजना के बारे में जानकारी मिली, जिसने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई।

रीना एनआरएलएम के तहत गठित हरियाली स्वयं सहायता समूह, जो आदर्श सीएलएफ के अंतर्गत आता है, की सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने रीप परियोजना के सहयोग से ब्यूटी पार्लर व्यवसाय को बढ़ाने का निर्णय लिया।

योजना से मिली सहायता और बदलाव:-इस योजना के तहत, रीना को 1,00,000 की सहायता प्राप्त हुई, जिसमें 20,000 का स्वयं का निवेश 50,000 बैंक लोन 30,000 ग्रामोत्थान/ रीप परियोजना से अनुदान शामिल था। इस राशि से उन्होंने अपने पार्लर का विस्तार किया, जरूरी उपकरण और सौंदर्य उत्पाद खरीदे। पहले उनका व्यवसाय छोटे स्तर पर था, लेकिन अब वे इसे व्यवस्थित रूप से चला रही हैं, जिससे ग्राहक संख्या में वृद्धि हुई और मासिक आय 5,000-10,000 तक पहुंच गई।

एक प्रेरणा बनीं रीना:- ग्रामोत्थान/ रीप परियोजना ने उन्हें व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय नियोजन और ग्राहक सेवा की जानकारी दी, जिससे वे अपने कार्य को सफलतापूर्वक चला रही हैं। अब रीना अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उनकी यह सफलता साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और आत्मविश्वास मिलने पर कोई भी महिला आत्मनिर्भर बन सकती है। ग्रामोत्थान/ रीप परियोजना ने उनके सपनों को साकार किया, और यह पहल भविष्य में कई अन्य महिलाओं को भी सशक्त बनाने का माध्यम बनेगी।

10 बच्चों के बाप ने पत्नी को दिया तीन तलाक, बीवी ने लगाई गंगनहर में छलांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की में एक 10 बच्चों के बाप ने अपनी बीवी को तीन तलाक दिया तो गुस्से में आई पत्नी ने गंग नहर में चलांग लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस व गोताखोर महिला की तलाश कर रहे हैं। वहीं पुलिस ने परिजनों की तारीफ पर पति सहित 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

❖गोताखोरों का नहर में सर्च अभियान जारी, परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने पति सहित 6 के खिलाफ किया मुकदमा

जानकारी के अनुसार गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के सफरपुर गांव निवासी खुशनूद नामक व्यक्ति ने सहारनपुर निवासी साजिया नाम की एक युवती को धोखा देकर 9 वर्ष पूर्व निकाह किया था। आरोप है कि युवती का शौहर खुशनूद पहले से ही निकाहशुदा था। इस बात की जानकारी खुशनूद ने साजिया से छिपाई थी। जब साजिया को इस बात की जानकारी लगी, तो उसने इसका विरोध किया। इस पर खुशनूद ने साजिया के साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। विरोध करने पर दूसरी बीवी को दिया तीन तलाक: इसके बाद साजिया खुशनूद के घर पहुंची तो शौहर ने उसको तीन तलाक दे दिया। साथ ही अपने परिजनों के साथ मिलकर साजिया के साथ मारपीट कर दी और उसे घर से निकाल दिया। आरोप है कि साजिया शौहर से तीन तलाक मिलने पर डिप्रेशन में आ गई। तीन तलाक से परेशान होकर साजिया मंगलवार शाम गंगनहर में कूद गई। बताया गया है कि निकाह के बाद से उनके तीन बच्चे हैं। वहीं पुलिस के द्वारा साजिया की गंगनहर में तलाश की जा रही है। जिसकी तलाश के लिए जल पुलिस के गोताखोरों द्वारा गंगनहर में सर्च अभियान चलाया जा रहा है, हालांकि अभी उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा: एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि-साजिया के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है. तहरीर के आधार पर साजिया के शौहर खुशनूद समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. फिलहाल गंगनहर में कूदी साजिया की तलाश जारी है. पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है. जांच के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

खुशनूद है १० बच्चों का अब्बा: जिस खुशनूद नाम के शख्स ने अपनी दूसरी बीवी को तीन तलाक दिया है, उसके 10 बच्चे हैं. पहली बीवी से उसकी 6 बेटियां और एक बेटा है. वहीं गंगनहर में डूबकर लापता हुई दूसरी बीवी साजिया जिसे उसेन तीन तलाक दिया, उससे 3 तीन बेटे हैं।

भारत में तीन तलाक पर प्रतिबंध है: भारत में तीन तलाक गैरकानूनी है. 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक घोषित किया था. 2019 में संसद ने मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 पारित कर इसे अपराध घोषित कर दिया था। इस कानून के तहत, तीन तलाक देना एक गैर-जमानती और संज्ञेय अपराध है। तीन तलाक देने वाले को तीन साल तक की सजा हो सकती है।

सट्टा पर्ची व नकदी सहित एक सटोरिया दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए एक खाईबाड को नगदी व सट्टा पर्ची के साथ गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिरान कलियर थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बुधवार देर शाम को एक युवक को सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए गिरफ्तार किया गया हैं। तलाशी लेने पर उनके पास से सट्टा पर्ची पेन गत्ता डायरी व 1430 रुपए की नगदी बरामद हुई हैं। पुलिस ने आरोपी जहांगीर निवासी खुरमेवाला मजार रामपुर यूपी हाल निवासी चार मीनार कलियर के खिलाफ जुआ अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया हैं।

आपराधिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर एक दर्जन अपराधियों को किया चिन्हित 129 बीएनएसएस के तहत की कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। एसएसपी के आदेशों के पालन में पुलिस की आपराधिक तत्वों पर पैनी नजर है। इसी के चलते लगभग दर्जन भर अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित किया है। जिन पर 129 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की जा रही है।

जानकारी के अनुसार आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु एसएसपी हरिद्वार के आदेश पर कोतवाली गंगनहर पुलिस द्वारा दिनांक 02/0 3 /2025 को आदतन अपराधियों को चिन्हित कर 03 वर्ष से अनधिक अवधि के लिए सदाचार के लिए जमानतपत्र निष्पादित करने हेतु कार्यपालक मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट भेजी जा रही है। 1. प्रिंस खटाना पुत्र सतीश खटाना निवासी भरना थाना सिकंदराबाद जनपद बुलंदशहर हाल निवासी चौधरी चरण सिंह कॉलोनी कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार: (हत्या) 2.प्रिंस यादव उर्फ पिकू पुत्र प्रमोद यादव निवासी कोर्ट गुलावठी बुलंदशहर हाल निवासी केयर ऑफ प्रिंस खटाना चौधरी चरण सिंह कॉलोनी कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार ('हत्या') 3-अनुराग पुत्र जोगिंदर निवासी शिवपुरम पनियाला रोड कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार (हत्या) 4. सऊफ पुत्र उस्मान निवासी पनियाला कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार ('हत्या') 5. इरफान पुत्र निसार निवासी सोहेलपुर गाड़ा कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार (गौ तस्कर) 6. चांद मियां पुत्र निसार निवासी सोहनपुर गाडा कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार ('गौ तस्कर') 7. आकिब उर्फ बकासुर पुत्र विरोध निवासी शेखपुरा कोतवाली गंगानगर जनपद हरिद्वार(मारपीट) 8-अमन उर्फ मच्छी निवासी पुत्र रामकुमार निवासी माता वाला बैग पुरानी तहसील कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार (वाहन चोर) 9 अजय धीमान उर्फ फिल्टर पुत्र सतीश धीमान निवासी माता वाला बाग पुरानी तहसील कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार 'वाहन चोर' का मामला दर्ज है।

4.32 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 4.32 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई है।

लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया जनपद में नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाए जाने के लिए नशा तस्करों के विरुद्ध करवाई किया जाने के लिए एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद की पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें 2 अप्रैल 2025 को छापेमारी चेकिंग के दौरान लक्सर क्षेत्र से एक व्यक्ति को चार 32 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम उस्मान पुत्र सुलेमान निवासी ग्राम ऐथल थाना पथरी हरिद्वार उम्र 25 वर्ष बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक कर्मवीर सिंह कांस्टेबल संदीप रावत सौदीश कुमार शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम मोहम्मद सरफराज से मोहद सरफराज कर लिया है। भविष्य में मुझे मोहद सरफराज नाम से जाना जाए।

पता-फ्लैट नं 20, बिल्डिंग नंबर 6, बोरला को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, सी पी गिडवानी रोड, चेंबूर, मुंबई, 40007

मारपीट के आरोप में चार पर केस दर्ज

रुड़की। थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही चार लोगों के खिलाफ अपने भाई पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उसका भाई राजवीर 30 मार्च की शाम अपने घर के बाहर खड़ा था। उसी समय गांव के ही शुभम, गौरव, सौरभ और सूरज वहां जाकर गाली-गलौज करने लगे। अभद्रता का विरोध करने पर आरोपियों ने उसके भाई पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। धमकी देते हुए फरार हो गए। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

लंढौरा पीएचसी को सीएचसी का दर्जा तो मिला, पर सुविधा नहीं

लंढौरा। लंढौरा की जनता इस वक्त तमाम परेशानियों से जूझ रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव सबसे बड़ी समस्या है। वर्ष 2020 में पीएचसी को सीएचसी का दर्जा मिल गया था। नई बिल्डिंग भी मिली लेकिन मरीजों के उपचार के लिए सुविधाएं नहीं मिली। यहां ना तो मानक के अनुसार डॉक्टर हैं और ना ही जांच की सुविधाएं हैं। प्रसव केंद्र की भी स्थिति ठीक नहीं है। यहां लोग गर्भवती महिलाओं को झोलाछाप के यहां ही दिखाते हैं। कई बार लापरवाही से जच्चा बच्चा की जान तक जा चुकी है। इसके अलावा राजकीय कन्या हाईस्कूल का उच्चीकरण कर इंटर का दर्जा देने की मांग भी स्थानीय लोग लंबे समय से करते आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन लोगों की मांग को अनसुना न करे बल्कि तत्परता से ठोस कदम उठाए।

प्रेमी युगल ने पुलिस से लगाई सुरक्षा की गुहार

भगवानपुर। थाना क्षेत्र के गांव से एक युवक और युवती कुछ दिन पूर्व घर से फरार हो गए थे। प्रेमी युगल ने दोनों ने कोर्ट मैरिज की। अब घर लौटने पर दोनों ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि कुछ दिन एक युवक सुमित पास के ही गांव भलस्वागाज निवासी एक युवती को प्रेम प्रसंग के चलते भाग ले गया था। दोनों ने मंदिर में शादी के बाद में कोर्ट मैरिज करने के बाद घर आ गए। विवाह करने के बाद दोनों ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है।

खानपुर विधायक उमेश के सिडकुल के लिए धनराशि स्वीकृत करने पर

खानपुर क्षेत्र में सिडकुल के विरोध को लेकर सियासी घमासान

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। खानपुर क्षेत्र में सिडकुल के विरोध को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है क्षेत्र के निवासियों ने कुँवरानी देवयानी सिंह से माफी की मांग की है। स्थानीय पूर्व प्रधान राकेश चौधरी ने कहा कि विधायक उमेश कुमार के प्रयासों से सिडकुल परियोजना को मंजूरी मिली थी, जिससे हजारों बेरोजगारों को रोजगार मिलने की उम्मीद थी। हालाँकि, कुँवरानी देवयानी सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर स्वीकृत धनराशि को रोकने की मांग की है, जिससे क्षेत्रवासियों में आक्रोश है। कुँवरानी देवयानी सिंह का कहना है कि सिडकुल परियोजना के लिए वास्तविक प्रयास उनके पति, पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चौंपियन ने किए थे, और उमेश कुमार इसका श्रेय ले रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से वित्तीय स्वीकृति को तत्काल रोकने का अनुरोध किया है।क्षेत्रवासियों का कहना है कि सिडकुल परियोजना क्षेत्र के विकास और युवाओं के रोजगार के लिए महत्वपूर्ण है। राकेश प्रधान ने कहा कि अगर सिडकुल और अस्पताल को रोका गया, तो क्षेत्र में बेरोजगारी बढ़ेगी। उन्होंने कुँवरानी देवयानी सिंह से सार्वजनिक माफी की मांग की है, अन्यथा वे उनके पुतले जलाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

❖रानी देवयानी के स्वीकृत धनराशि की रोक लगाने की मांग पर विरोध प्रदर्शन

विनोद प्रधान और रेनू समाजसेवी ने भी कुँवरानी देवयानी सिंह के पत्र का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह युवाओं के रोजगार के साथखिलवाड़ है और मुख्यमंत्री द्वारा परियोजना को मंजूरी देने के निर्णय का समर्थन किया है।इस घटना ने क्षेत्र में राजनीतिक तनाव बढ़ा दिया है, और आने वाले दिनों में और भी विरोध प्रदर्शन होने की संभावना है।

नौचंदी जुमेरात पर कलियर में उमड़ा जायरीनों का भारी हुजूम

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। ईद के बाद पड़ने वाली नोचन्दी जुमेरात पर भारी संख्या में जायरीन कलियर पहुंचे।जायरीनों की भीड़ होने की वजह से पुल पर जाम की स्थिति बनी रही।

कलियर में नोचन्दी जुमेरात को भारी संख्या में जायरीन साबिर पाक की दरगाह पर जियारत करने आते हैं।ओर अपनी मुरादे मन्नतें मांगते हैं।ईद के बाद नोचन्दी जुमेरात होने की वजह से दरगाह साबिर पाक सहित दरगाह इमाम साहब ,किलकिली साहब,आदि दरगाहों पर कई दिनों से जायरीन कलियर पहुंच रहे हैं। बुधवार से ही जायरीनों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। नोचन्दी जुमेरात पर बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात आदि शहरों कस्बो और गांवों में ईद-उल-फितर के त्यौहार को मनाने के बाद भारी संख्या में जायरीन पिरान कलियर पहुंचे। जिससे दरगाह परिसर में जायरीनों की भारी भीड़ रही।दरगाह में हाजरी लगाने के लिए जायरीनो ने लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतेजार करना पड़ा। कलियर में भारी भीड़ होने की वजह से पीपल चौक पुल पर और ,दरगाह इमाम साहब रोड पर आदि जगहों पर जाम की स्थिति बनी रही।जिससे जायरीनों और स्थानीय लोगो को भारी परेशानीयो का सामना करना पड़ा।जाम को खुलवाने के लिए पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। दरगाह प्रबंधन ने धूप और तपिस से बचने के लिए दरगाह परिसर में टेंट लगाए गए थे।कलियर थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि जायरीनों की भीड़ भाड़ को देखते हुए दरगाह परिसर, पीपल चौक सहित आदि जगहों पर पुलिसकर्मियों को लगाया गया था।भारी भीड़ होने की वजह से बार बार जाम की स्थिति बन जाती हैं।पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम को खुलवाया गया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार, 4 अप्रैल 2025

ट्रम्प के टैरिफ का असर

अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। इससे पहले ट्रम्प ने घोषणा की थी कि वह भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। भारत को भी अमेरिका की इस नीति का जवाब देना चाहिए। ऐस समय में भारत की विदेश नीति बहुत काम आ सकती है। क्योंकि ऐसा नहीं है कि भारत ही अमेरिका से आयात करता हो, अमेरिका भी भारत से कुछ चीजों का आयात करता है। आयात और निर्यात देशों की आपसी विदेश नीति का हिस्सा है। जो किसी भी देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दे सकती है। टैरिफ के मामले अगर दो देश आमने-सामने हो जाएं, तो देशों के विकास में अवरोध आ सकता है। इसलिए किसी भी देश को इस पर बहुत सोच-विचारकर कदम उठाने की जरूरत है। ट्रम्प की इस नीति से भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्रों और शेयर बाजार में उथल-पुथल दिख सकता है। यदि ट्रम्प ने अनुमान से कम टैरिफ की घोषणा की, तो फार्मा और आईटी सहित निर्यात से जुड़े क्षेत्रों से जुड़े शेयर मजबूत हो सकते हैं। इससे सेंसेक्स और निफ्टी में आने वाले समय में हम उछाल देख सकते हैं। जानकारों का मानना है कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से अमेरिकी वस्तुओं पर भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अमेरिका के टैरिफ से अधिक शुल्क लगाए हैं। इसका साफ मतलब है कि अमेरिकी टैरिफ के निशाने पर प्रमुख रूप से भारत भी है। अमेरिका के जवाबी टैरिफ से देश का फार्मा, ऑटोमोबाइल, कृषि और वस्त्र उद्योग पर महत्वपूर्ण असर पड़ सकता है। इससे अरबों का व्यापार बाधित हो सकता है। विश्लेषकों को आशंका है कि अमेरिका और अन्य देश यदि जवाबी कार्रवाई का मन बनाने लगे, तो वर्तमान हालात व्यापार युद्ध में बदल सकता है। केयरएज रेटिंग्स के कार्यकारी निदेशक और मुख्य रेटिंग अधिकारी सचिन गुप्ता का कहना है कि अमेरिकी टैरिफ लगाने से निर्यात-संचालित क्षेत्रों की गति बाधित हो सकती है। इसके साथ ही इससे प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं के बीच कीमतों के मोर्चे पर एक नई प्रतिस्पर्धा भी शुरू हो सकती है। इसका एक दुष्परिणाम यह भी होगा कि स्पष्ट संकेत न मिलने तक निजी क्षेत्र अपने पूंजीगत व्यय से परहेज कर सकता है। माना जा रहा है कि कृषि क्षेत्र में अमेरिका के जवाबी टैरिफ का सबसे अधिक प्रभाव मछली, मांस और प्रसंस्कृत समुद्री भोजन के निर्यात पर पड़ेगा। 2024 में इनका निर्यात 2.58 अरब डालर था। अब हालिया घटनाक्रम के बीच इस क्षेत्र पर 27.83 प्रतिशत से अधिक टैरिफ का भार बढ़ सकता है। ऐसे में अमेरिका को झींगे का निर्यात टैरिफ लागू होने के बाद प्रभावित हो सकता है। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक और मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक योगेश गुप्ता का मानना है कि अमेरिका में हमारे निर्यात पर पहले से ही डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्क लागू हैं। शुल्कों में अतिरिक्त वृद्धि से भारत अप्रतिस्पर्धी हो जाएगा। भारत के कुल झींगा निर्यात में से हम 40 प्रतिशत अमेरिका को निर्यात करते हैं।

वक्फ विधेयक समाज को बांटने की रणनीति

सरकार सोची समझी रणनीति के तहत समाज का ध्रुवीकरण कर रही है और वक्फ विधेयक जैसे कदम समाज को बांटने की उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है, भाजपा के सदस्य संसद में कांग्रेस शासित राज्यों की मुद्दों पर तीखा हमला करते हैं, इसलिए पार्टी सांसदों को भी भाजपा शासित राज्यों में उसकी विफलता को लेकर सदन में ही करारा जवाब देना चाहिए, कल वक्फ संशोधन विधेयक 2025 लोकसभा में जबरन पारित किया गया, इस विधेयक को लेकर हमारी पार्टी का दृष्टिकोण स्पष्ट है कि यह संविधान पर हमला है, इस तरह के विधेयक पारित कर भाजपा समाज को स्थायी रूप ध्रुवीकरण की स्थिति में रखने की सोची समझी राजनीति के तहत काम कर समाज को बांटने में लगी है, लगता है कि कांग्रेस को भी आक्रामक तरीके से भाजपा शासित राज्यों में सरकार की विफलताओं और कुशासन को उठाना चाहिए।

श्रीमती सोनिया गांधी
नेता, कांग्रेस संसदीय दल

घिब्ली की दुनिया बनाम हकीकत: कला रोजगार और मौलिकता का संघर्ष

आजकल सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल इमेज और वीडियो बहुत लोकप्रिय हो गए हैं एआई टूल्स की मदद से अब कोई भी बिना आर्ट स्किल्स के घिब्ली जैसी इमेज बना सकता है, लोग पिनटेरेस्ट और इंस्टाग्राम पर घिब्ली मूवी के सीन से बना एस्थेटिक गिफ्स और वॉलपेपर शेयर कर रहे हैं, टिकटॉक और रील्स में घिब्ली सीन के साथ रिलेटेबल ऑडियो या कोट्स लगाकर मजेदार कंटेंट बनाया जा रहा है, यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी बहस को जन्म दे रहा है

प्रियंका सौरभ

रोजगार हमारी ज़रूरतों के लिए आवश्यक है, लेकिन कला और मनोरंजन मानसिक शांति और प्रेरणा का स्रोत बन सकते हैं। घिब्ली स्टाइल इमेजरी और एआई टूल्स सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं, जिससे मौलिकता पर सवाल उठ रहे हैं। पहले जहां कलाकारों को महीनों मेहनत करनी पड़ती थी, अब एआई कुछ सेकंड में वैसा ही आर्ट तैयार कर देता है, जिससे असली कलाकारों को चुनौती मिल रही है।

अगर हम हकीकत की दुनिया में देखें, तो रोज़गार ज़रूरी है। बिना नौकरी या व्यवसाय के, सिर्फ घिब्ली की खूबसूरत दुनिया में खोकर पेट नहीं भरा जा सकता। लेकिन मानसिक शांति और प्रेरणा के लिए कला भी आवश्यक है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल की इमेज और वीडियो एक ट्रेंड बन चुके हैं। लोग पिनटेरेस्ट, इंस्टाग्राम और टिकटोक पर इसे देखकर टाइम पास कर रहे हैं, कुछ इसे खुद ट्राई कर रहे हैं, और एआई टूल्स की मदद से घिब्ली-स्टाइल की इमेज बना रहे हैं।

आजकल सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल इमेज और वीडियो बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। एआई टूल्स की मदद से अब कोई भी बिना आर्ट स्किल्स के घिब्ली जैसी इमेज बना सकता है। लोग पिनटेरेस्ट और इंस्टाग्राम पर घिब्ली मूवी के सीन से बनी एस्थेटिक गिफ्स और वॉलपेपर शेयर कर रहे हैं। टिकटोक और रील्स में घिब्ली सीन के साथ रिलेटेबल ऑडियो या कोट्स लगाकर मजेदार कंटेंट बनाया जा रहा है। कुछ एआई टूल्स अब आपकी असली फोटो को भी घिब्ली स्टाइल में बदल सकते हैं, जिससे लोग अपनी तस्वीरों को फेयरीटेल लुक दे रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी बहस को जन्म दे रहा है। क्या एआई जनरेटेड आर्ट असली कला की जगह ले सकती है?

एआई-जनरेटेड घिब्ली स्टाइल इमेजरी ने मौलिकता पर सवाल खड़ा कर दिया है। पहले कलाकारों को महीनों मेहनत करके घिब्ली जैसी पेंटिंग बनानी पड़ती थी, अब एआई कुछ सेकंड में वैसा ही कुछ तैयार कर देता है। लोग खुद से नया सोचने के बजाय रेडीमेड आर्ट पर निर्भर हो रहे हैं। असली कलाकार अब एआई-जेनरेटेड कंटेंट से मुकाबला करने को मजबूर हैं। एआई और टेम्प्लेट्स के चलते 'कुछ हटकर' करने की सोच धीरे-धीरे खत्म हो रही है। अगर आर्ट को केवल एक ट्रेंड बना दिया गया, तो मौलिकता धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी। इसका समाधान यह है कि लोग घिब्ली स्टाइल से प्रेरणा लेकर अपनी खुद की यूनिक कहानियां और आर्ट बनाएं, न कि बस इंटरनेट पर मौजूद चीज़ों को दोहराएं। घिब्ली की आत्मा सिर्फ उसकी खूबसूरत विजुअल्स में नहीं, बल्कि उसकी गहरी कहानियों और भावनात्मक जुड़ाव में है। अगर किसी को घिब्ली की दुनिया इतनी पसंद है कि वह इसमें कुछ नया जोड़ना चाहता है, तो यह एक रोजगार का साधन भी बन सकता है। उदाहरण के लिए डिजिटल आर्टिस्ट घिब्ली-स्टाइल आर्ट बनाकर पैसा कमा सकते हैं। मर्चेंडाइज़ बिज़नेस (पोस्टर, स्टिकर, कपड़े) से आय हो सकती है।

ल्वनज्नइम और सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल कंटेंट क्रिएट करना एक करियर विकल्प हो सकता है। एनिमेशन इंडस्ट्री में घिब्ली से प्रेरित होकर ओरिजिनल शॉर्ट फिल्म्स और सीरीज़ बनाई जा सकती हैं। गेम डिज़ाइन और वीएफएक्स स्टूडियो में भी घिब्ली जैसी विज़ुअल स्टाइल को अपनाकर कैरियर बनाया जा सकता है। हालांकि, केवल घिब्ली की दुनिया में खोए रहना नुकसानदायक हो सकता है। असली ज़िंदगी के काम टलते रहते हैं, और लोग प्रोडक्टिविटी खो सकते हैं। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है और अपने करियर पर ध्यान नहीं देता, तो यह एक समस्या बन सकती है। घिब्ली की दुनिया आदर्श (**Idealistic**) होती है। जहां हर चीज़ खूबसूरत, शांत और जादुई होती है। लेकिन असली दुनिया संघर्ष, तनाव और कठिनाइयों से भरी होती है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। समय की बर्बादी: लोग घंटों तक घिब्ली मूवीज़, पिनटेरेस्ट आर्ट, एआई-जनरेटेड इमेज और इंस्टाग्राम रील्स देखते रहते हैं। यह 'टाइम पास' कब 'टाइम वेस्ट' में बदल जाता है, पता भी नहीं चलता। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है, लेकिन उसे अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए, तो यह नुकसानदेह हो सकता है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। कुछ लोग इस वजह से प्रेरणा और महत्वाकांक्षा (**Ambition**) भी खो सकते हैं। घिब्ली स्टाइल इतना लोकप्रिय हो गया है कि कई कलाकार अपनी खुद की स्टाइल डिवेलप करने के बजाय सिर्फ घिब्ली-स्टाइल आर्ट कॉपी कर रहे हैं। घिब्ली स्टाइल एन्जॉय करें, लेकिन उसमें खो न जाएं। अगर आपको आर्ट पसंद है, तो इसे एक स्किल में बदलें, जिससे आप कमाई कर सकें।

अपने करियर और लाइफ गोल्स को इग्नोर न करें। काम ज़रूरी है, कला सिर्फ सुकून के लिए है। मौलिकता बनाए रखें। घिब्ली से प्रेरित हों, लेकिन अपनी खुद की यूनिक स्टाइल डेवलप करें। टाइम मैनेजमेंट करें। आर्ट और मनोरंजन का आनंद लें, लेकिन काम और ज़िम्मेदारियों को नज़रअंदाज़ न करें। घिब्ली का जादू खूबसूरत है, लेकिन अगर यह हमारी असली ज़िंदगी को प्रभावित करने लगे, तो नुकसान हो सकता है। बैलेंस बनाना ज़रूरी है। कला और करियर, कल्पना और हकीकत के बीच! घिब्ली-प्रेरित कला को करियर में बदला जा सकता है। डिजिटल आर्ट, मर्चेंडाइज़, यूट्यूब कंटेंट और एनिमेशन इंडस्ट्री में इसका उपयोग हो सकता है। लेकिन सिर्फ घिब्ली की दुनिया में खो जाना नुकसानदेह हो सकता है। यह समय की बर्बादी, करियर पर असर, असली दुनिया से डिस्कनेक्ट और मौलिकता की कमी ला सकता है।समाधान यह है कि घिब्ली की प्रेरणा से कुछ नया और मौलिक बनाया जाए, न कि केवल कॉपी किया जाए। कला और रोजगार के बीच संतुलन बनाए रखना ज़रूरी है ताकि हम जीवन के दोनों पहलुओं का पूरा लाभ उठा सकें।

अपनी कला के जरिये संस्कृति को बचाने की कोशिश में लगे मास्टर छोटूराम

किसान परिवार में जन्मे मास्टर छोटूराम का जीवन संघर्षो से भरा रहा है इनके पिता स्वर्गीय रिछपाल गैदर एक किसान थे जिनसे इनको संघर्ष करने और धैर्य रख आगे बढ़ने की सीख मिली, छोटी उम्र में पिता का साया उठने के बाद भी ये अपनी पढ़ाई को जारी रखते हुए शिक्षा और कला के क्षेत्र में आगे बढ़ते गए, पिछले चार-पांच दशकों से मास्टर छोटूराम अपने लिखे गीतों के जरिये समाज को भारत की प्राचीन संस्कृति से जोड़ने का अतुल्य प्रयास कर रहे है

1. **लोगों को आज के अश्लील दौर में एक सभ्य और जीवन मूल्यों से भरे गीतों को सुनने का सुनहरा अवसर मिलता है, भिवानी जिले के कस्बे सिवानी के गांव बड़वा की माटी में जन्मे मास्टर छोटूराम का जीवन संघर्षो से भरा रहा है**
2. **प्राचीन समय से ही इंसान का विभिन्न कलाओं के प्रति अटूट रिश्ता रहा है, कभी कलाकारों के फन ने तो अभी कलाओं के मुरीद लोगों ने इस जमाने में नए-नए रंग बिखेरे है**

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षक मास्टर छोटूराम आज किसी परिचय के मोहताज़ नहीं है। देश-विदेश में हज़ारों स्टेज कार्यक्रम दे चुके मास्टर छोटूराम देश के वीर-शहीदों शहीद भगतसिंह, सुभाष चद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री, शहीद उद्यम सिंह के साथ-साथ अन्य सपूतों की जीवनी को जब अपने गीतों और किस्सों के माध्यम से स्टेज पर प्रस्तुत करते है तो देशभक्ति की रसधार बहने लगती है। लोगों को आज के अश्लील दौर में एक सभ्य और जीवन मूल्यों से भरे गीतों को सुनने का सुनहरा अवसर मिलता है। भिवानी जिले के कस्बे सिवानी के गांव बड़वा की माटी में जन्मे मास्टर छोटूराम का जीवन संघर्षो से भरा रहा है। इनके पिता स्वर्गीय रिछपाल गैदर एक किसान थे जिनसे इनको संघर्ष करने और धैर्य रख आगे बढ़ने की सीख मिली।

प्राचीन समय से ही इंसान का विभिन्न कलाओं के प्रति अटूट रिश्ता रहा है। कभी कलाकारों के फन ने तो कभी कलाओं के मुरीद लोगों ने इस जमाने में नए-नए रंग बिखेरे है। ये माना जाता है कि आत्मा की तरह कला अजर-अमर है, ये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित होती है और नया रूप लेती है। आज कला के रूप बदरंग हो गए है। कलाकार अपने उद्देश्यों से भटक गए है और पैसों के पीछे दौड़ पड़े है जो एक तरह कला को बेचने जैसा है। आज कला के नाम पर परोसी जा रही अश्लीलता समाज को लील रही है। मगर इन सबके बीच आज भी देश में कुछ ऐसे कलाकार है जो भारत की प्राचीन सभ्यता को नए रंग देकर उन आदर्श और मूल्यों को बचाने की कोशिश में लगे है। जी हां, उनमे से एक है हरियाणा के भिवानी जिले के कस्बे सिवानी के गांव बड़वा की माटी में जन्मे मास्टर छोटूराम। किसान परिवार में जन्मे मास्टर छोटूराम का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। इनके पिता स्वर्गीय रिछपाल गैदर एक किसान थे जिनसे इनको संघर्ष करने और धैर्य रख आगे बढ़ने की सीख मिली।

छोटी उम्र में पिता का साया उठने के बाद भी ये अपनी पढाई को जारी रखते हुए शिक्षा और कला के क्षेत्र में आगे बढ़ते गए। पिछले चार-पांच दशकों से मास्टर छोटूराम अपने लिखे गीतों के जरिये समाज को भारत की प्राचीन संस्कृति से जोड़ने का अतुल्य प्रयास कर रहे है। पेशे से सरकारी अध्यापक मास्टर छोटूराम एक आशु कवि और हरियाणवी-हिंदी के जाने माने गायक है। देश भर में हज़ारों स्टेज कार्यक्रम दे चुके मास्टर छोटूराम हमारे देश के वीर-शहीदों शहीद भगतसिंह, सुभाष चद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री, शहीद उद्यम सिंह के साथ-साथ अन्य सपूतों की जीवनी को जब अपने गीतों और किस्सों के माध्यम से स्टेज पर प्रस्तुत करते है तो देशभक्ति की रसधार बहने लगती है। लोगों को आज के अश्लील दौर में एक सभ्य और जीवन मूल्यों से भरे गीतों को सुनने का सुनहरा अवसर मिलता है। इन सबके अलावा मास्टर छोटूराम यू ट्यूब एवं सोशल मीडिया के जरिये भारत की प्राचीन संस्कृति से जुड़े किस्सों को वीडियो और ऑडियो रूप में फ्री में शेयर करते है, ताकि प्राचीन संस्कृति को बचाया जा सके। हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न रंगों को इन्होने अपनी रागनियों और नाटकों में बखूबी पिरोया है और लोगों के मनों तक पहुंचाया है।

देश भर में आकाशवाणी एवं टीवी पर समय-समय पर इनके ये कार्यक्रम देखे व् सुने जा सकते है। गायक कवि कलाकार मास्टर छोटूराम अपने सिद्धांतों और कला से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करते। आज जब नग्न संस्कृति गीतों और किस्सों में हावी है। तब भी इन्होने अपने मूल्यों को बनाये रखा और हमारे ऐतिहासिक और पौराणिक किस्सों को जेब से पैसे लगाकर रिलीज़ करवाया है। बेशक आज के तड़क भड़क वाले अश्लील वीडियो की तुलना में उनको कम शेयर किया गया है लेकिन वास्तव में उन्होंने हमारी धरोहर को सहेजने कि दिशा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। पितृभक्त श्रवण कुमार-कुमार और फैशन की फटकार इनके पहले दो ऑडियो एल्बम है जिनको लोग आज बीस साल बाद भी सुन रहे है और सोशल मीडिया पर शेयर कर रहें है। 'कड़े गए वह नाथू-सुरजा' हरियाणा की बदलती संस्कृति पर फिल्माया गया उनका सुपर हिट गीत है जिसको बहुत पसंद और शेयर किया गया है। ऐसतिहा. सिक 'नरसी का भात' किस्सा दर्शकों को पूरी रात भर सुनने को मजबूर कर देता है। वास्तव में अपनी प्राचीन कला को बनाये रखना बहुत बड़ी बात है। आज के दौर में युवा पीढ़ी यूट्यूब और अन्य सोशल प्लेटफार्म पर घटिया स्तर के वीडियोस और ऑडियो को पसंद करती नज़र आ रही है। ऐसे में मास्टर छोटूराम के सामाजिक गीतों के प्रयास बड़ी छाप छोड़ रहें है। मीडिया को ऐसे कलाकारों के प्रयासों को जोर-शोर से प्रचारित-प्रसारित करना चाहिए।ताकि हमारे प्राचीन मूल्यों को आज की इस शोषणकारी और अश्लील संस्कृति से दूर रखा जा सके।

जब मास्टर छोटूराम जैसे कलाकर पैसों के लिए अपनी कला से समझौता नहीं करते तो हम क्यों घर बैठे कर रहें है। अश्लील गीतों को समाज से बाहर करने के लिए हमें अच्छे गीतों और अच्छे कलाकरों को उचित मान-सम्मान देना ही होगा, तभी हम कला को वास्तविक रूप देकर एक रहने योग्य समाज आने वाली पीढ़ियों को देकर जा पाएंगे। लोक कलाएं वास्तव में किसी भी समाज की नब्ज होती है। हमें अपने बच्चों को इन कलाओं से अवश्य रूबरू करवाना चाहिए। साथ ही ये भी ध्यान रखना चाहिए कि आज के इस इंटरनेट युग में हमारे बच्चे क्या देख रहें है क्या सुन रहें है। अच्छे कलाकार और उनकी कलाएं समाज के सच्चे पथ प्रदर्शक है लेकिन उनको चुनना हमारी जिम्मेवारी है।

अफगानिस्तान: विकास बंदूक की नाल में नहीं है!

अब वही तालिबान अपनी बौद्ध धरोहरों को सहेजने में लगा है, फिर से किताबों का दौर लौटा है और स्कूलों में बच्चों के शोर है, किताबों के पन्नों की फड़फड़ाहट है मोहब्बत आबाद हुई, आज वही अफगानिस्तान भारत से लाखों स्किल्ड लेबर मांग रहा है

अफगानिस्तान तेजी से बदल रहा है। हर ओर पुनर्निर्माण और पुनर्निवेश व पुनर्वास के कार्य जारी हैं। इस बदलते अफगानिस्तान के पीछे केवल एक शब्द है 'शांति'। तालिबानियों को कभी हर बात का हल एके-47 की नाल से निकलता नजर आ रहा था लेकिन अब उनकी समझ में आ चुका है कि हर बात का हल नफरत और एके-47 से नहीं हो सकता। जिस तालिबान को लगता था कि केवल उनका ही मजहब बेहतरीन है वो अब शांति से जीना चाहते हैं। वो अपने देश को फिर से आबाद कर रहे हैं। जिन तालि. बानियों ने बामियान की बेशकीमती ऐतिहासिक धरोहरों बौद्ध प्रतिमाओं को तोप से उड़ा दिया था उन्हें फिर से सहेजने लगे हैं।

नफरत और हिंसा से जब बहुत कुछ खत्म हो गया। लाखों लाशें गिर गईं तो फिर से याद आया कि वे गलत थे। अब वही तालिबान अपनी बौद्ध धरोहरों को सहेजने में लगा है। फिर से किताबों का दौर लौटा है और स्कूलों में बच्चों का शोर है। किताबों के पन्नों की फड़फड़ाहट है। मोहब्बत आबाद हुई। आज वही अफगानिस्तान भारत से लाखों स्किल्ड लेबर मांग रहा है। भारत लाखों स्किल्ड लेबर अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के लिए भेज रहा है क्योंकि अब भारत पुराने अफगानिस्तान की राह पर है और जिस स्किल्ड लेबर की जरूरत हमें थी वह हम अफगानिस्तान और इजरायल भेज रहे हैं। आज अफगानिस्तान पर एक रिपोर्ट पढ़ रहा था तो पिछले साल लखनऊ में लगी लंबी-लंबी कतारें आंखों के सामने आ गईं जब हजारों युवा रोटी के लिए परिवार, घर और मुल्क छोड़कर जाने के लिए तैयार दिखे। अफगानिस्तान ने बीते कुछ सालों में जबरदस्त बदलाव किए हैं और इसमें अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सहायता बड़ी भूमिका निभा रही है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान को करीब 30 बिलियन डॉलर की सहायता मिली है। जिसका उपयोग सुरक्षा बलों के आधुनिकीकरण, सुशासन, विकास की विभिन्न योजनाओं पर खर्च हो रहा है। जो अफगानिस्तान कभी मादक पदार्थों से पैसा कमाकर उसे विध्वंस पर खर्च करता था, वही अब अंतर्राष्ट्रीय सहायता राशि से मादक पदार्थों की तस्करी रोक रहा और भ्रष्टाचार रोकने के उपायों पर खर्च कर रहा है।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने अपने देश की पुनर्निर्माण परियोजनाओं और गतिविधियों की स्वतंत्र और वस्तुनिष्ठ निगरानी के लिए एसआईजीएआर नाम की एक संस्था खड़ी की है। यह संस्था अमेरिकी सहायता से जितनी भी योजनाएं संचालित हैं उन पर कड़ी नजर रखी रही है। लेखापरीक्षा और जांच करना, मितव्ययिता, दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ावा देने के लिए सिफारिशें करना और पैसों का दुरुपयोग रोकने की दिशा में सक्रिय है। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में जबरदस्त निवेश कर रही है। वह अपने बांधों, सड़कों व कृषि पर जबरदस्त कार्य कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान में महिलाओं की दशा सुधारने की दिशा में जबरदस्त कार्य आरंभ किया है। उसने 19 प्रांतों में 113 संगठनों के साथ भागीदारी की है। प्याज, पिस्ता, बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स उत्पादन को अफगानिस्तान ने तेजी से बढ़ाया है। साथ ही खनिज निर्यात पर ध्यान केंद्रित किया है। वर्ष 2020-21 में तालिबानी सरकार बनने से पहले अफगानिस्तान से निर्यात 825.78 मिलियन डॉलर और आयात 509.49 मिलियन डॉलर था। वहीं भारत से अफगानिस्तान को निर्यात लगातार घटता रहा है। वर्ष, 2021-22 में यह 554.47 मिलियन डॉलर था जो कि वर्ष, 2022-23 में गिरकर 437.05 मिलियन डॉलर रह गया और वर्ष 2023-24 में 355.45 मिलियन डॉलर तक लुढ़क गया। उधर अफगानी मुद्रा ने भारतीय रुपये को दौड़ा रखा है। हमारी मुद्रा कभी चीन, जापान और अमेरिका से टकराने की ओर बढ़ रही थी अब हमने इतनी प्रगति की है भूटान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से अपनी मुद्रा की तुलना करने की हैसियत में आ चुके हैं। अमेरिका सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान को जबरदस्त मानवीय सहायता दी। अफगानी बाजार में डॉलर की कमी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उधर तालिबानियों को भी शांति का मतलब पता चला तो अफ़गान मुद्रा में शानदार स्थिरता आई। अफ़गान मुद्रा का अपेक्षाकृत उच्च मूल्य अफ़गानिस्तान के लंबे इतिहास और विभिन्न देशों के साथ विभिन्न कृषि उत्पादों के व्यापार की प्रतिष्ठा के कारण है, जबकि अन्य देशों की तुलना में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में इसकी भागीदारी सीमित है। अफ़गान अर्थव्यवस्था लगातार स्थिर होने लगी, जिसका श्रेय आंशिक रूप से तालिबान के उपायों को जाता है, जैसे तस्करी के आयात पर प्रति. बंध, बैंकिंग लेनदेन पर नियंत्रण और संयुक्त राष्ट्र से सहायता। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार लौह अयस्क, संगमरमर, तांबा, सोना, जस्ता और अन्य मूल्यवान खनिजों तथा दुर्लभ-पृथ्वी खनिजों से जुड़ी खनन गतिविधियों से पर्याप्त आय अर्जित करता है। वे खनन कार्यों, मीडिया, दूरसंचार और अंतर्राष्ट्रीय सहायता द्वारा वित्तपोषित विकास परियोजनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों पर कर लगाते हैं। इसके अलावा, वे कृषि फसलों और संचित धन पर कर लगाते हैं। ये कारक सामूहिक रूप से अफ़गानिस्तान में आर्थिक गतिशीलता में योगदान करते हैं और कुछ हद तक अफ़गानिस्तान की विनिमय दर को प्रभावित करते हैं। वहीं दूसरी ओर, भारत हाल के वर्षों में उच्च मुद्रास्फीति, कम विकास राजकोषीय घाटे और व्यापार असंतुलन जैसी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। यही नहीं, भारत में बढ़ती धार्मिक कट्टरता, हिंसा और जनता में पर्चेजिंग पावर का लगातार कमजोर होते जाना भी भयावह साबित हो रहा है। इन सभी कारकों ने भारतीय रुपये के प्रति विश्वास और मांग को कमजोर कर दिया है।

पवन सिंह

गर्मियों में हीटवेव से बचने के लिए अपने शरीर को कैसे रखें ठंडा

गर्मियों का मौसम आ चुका है और इसी के साथ हीट स्ट्रोक और कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी होने लगी हैं। गर्मी के दिनों में न सिर्फ बाहर का वातावरण गर्म होता है बल्कि हमारा शरीर खुद भी अंदर से बहुत गर्म हो जाता है। जब हमारा शरीर अंदर से गर्म हो जाता है तो हमें थकान और हीट स्ट्रोक जैसी कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने का भी खतरा रहता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए आज हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने शरीर को अंदर से ठंडा रख सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इन उपायों के बारे में बताते हैं।

पानी और जूस पीते रहें

अगर आप इन गर्मियों के दिनों में अपने शरीर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो आपको पानी पीते रहना चाहिए। गर्मियों के दिनों में यह बहुत जरूरी हो जाता है कि आप सामान्य से ज़्यादा पानी पिएं। इतना ही नहीं, आपको इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स का सेवन भी शुरू कर देना चाहिए। ऐसे पेय पदार्थ आपके शरीर को अंदर से ठंडा रख सकते हैं।

नहाने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करें

अगर गर्मी के मौसम में आपका शरीर अंदर से बहुत ज्यादा गर्म हो रहा है, तो आपको नहाने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं, तो आपके शरीर का तापमान नियंत्रण में रहता है। अगर नहाने के बाद भी आपको बहुत ज्यादा गर्मी लग रही है, तो आप अपनी कलाई, गर्दन, माथे और पैरों पर कूलिंग पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने पर आपको गर्मी से राहत मिलती है।

हाइड्रेटिंग फल व सब्जियां खाएं

अगर आप गर्मियों में अपने शरीर को ठंडा रखना चाहते हैं, तो यह बहुत ज़रूरी हो जाता है कि आप अपनी डाइट में हाइड्रेटिंग फल और सब्जियां शामिल करना शुरू कर दें। जब आप अपनी डाइट में खीरा, तरबूज़ और खट्टे फल शामिल करते हैं, तो आपको गर्मी से काफ़ी राहत मिलती है।

हल्के और ढीले कपड़े पहनने से आराम मिल सकता है

गर्मी के इन दिनों में आप किस तरह के कपड़े पहनते हैं, इसका आपके शरीर के तापमान पर गहरा असर पड़ता है। आपको हल्के और ढीले कपड़े चुनने चाहिए ताकि आपके शरीर का तापमान न बढ़े दिनभर ठंडक बनी रहे, और आप हल्का और आरामदायक महसूस करे। हल्के कपड़े पहनने से आपको गर्मी कम लगेगी।

इजरायल ने रातभर बरसाए गाजा पर बम

55 फलस्तीनी नागरिकों की मौत, मृतकों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल

हमास ने हथियार डालने की मांग ठुकराई

देर अल-बलाह। इजरायल ने गाजा पट्टी पर रात भर ताबड़तोड़ हमले किए। इन हमलों में 55 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई।

खान यूनिस के अधिकारियों के अनुसार, 14 लोगों के शव नासिर अस्पताल में लाए गए हैं। इनमें से नौ एक ही परिवार के हैं। मृतकों में पांच बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार, एक से सात साल की उम्र के पांच बच्चों और एक गर्भवती महिला सहित 19 अन्य लोगों के शव खान यूनिस के पास यूरोपीय अस्पताल ले जाए गए। इसके अलावा, गाजा शहर में 21 शवों को अहली अस्पताल ले जाया गया है। इनमें सात बच्चे भी शामिल हैं। इजरायली हमलों से एक दिन पहले, वरिष्ठ सरकारी अधिका. रियों ने कहा था कि इजरायल गाजा के बड़े क्षेत्रों पर कब्जा करेगा। इसके बाद फलस्तीनी क्षेत्र में एक नया सुरक्षा गलियारा स्थापित किया जाएगा। इजरायल ने कहा है कि वह 18 महीने से चल रहे युद्ध को तब तक जारी रखेगा, जब तक कि आतंकवादी समूह हमास अपने हथियार नहीं डालेगा और शेष बंधकों को रिहा नहीं करेगा। इसके अलावा, इजरायल ने भोजन, ईंधन और मानवीय सहायता के सभी आयातों पर एक महीने के लिए रोक लगा दी है, जिससे आपूर्ति कम होने के कारण नागरिकों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को घोषणा की है कि इजरायल गाजा पट्टी में एक नया सुरक्षा गलियारा स्थापित कर रहा है, जिसके चलते राफा शहर को फलस्तीनी क्षेत्र से काट दिया जाएगा। नेतन्याहू ने इस सुरक्षा गलियारे को श्मोराग कारिडोरश का नाम दिया है, जो राफा और खान यूनिस के बीच होगा। नेतन्याहू ने कहा कि यह श्दूसरा फिलाडेल्फिया कारिडोरश होगा, जो मिस्र के साथ सीमा के गाजा पक्ष को दक्षिण की ओर संदर्भित करता है, जो मई 2024 से इजरायल के नियंत्रण में है। नेतन्याहू ने कहा कि हम पट्टी को काट रहे हैं और हमास पर कदम दर कदम दबाव बढ़ा रहे हैं, ताकि वो हमें हमारे बंधक सौंप दे। फलस्तीनी प्राधिकरण ने नियोजित गलियारे को अस्वीकार कर दिया है। वहीं, हमास ने भी इसका विरोध किया है। हमास ने कहा है कि वह केवल शेष 59 बंधकों को रिहा करेगा, जिनमें 24 के जिंदा होने का अनुमान है। हमास ने बदले में अधिक फलस्तीनी कैदियों की रिहाई की मांग की है।

40 साल बाद स्पेस जाएगा कोई भारतीय

मई में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे शुभांशु

नई दिल्ली। इंडियन एस्ट्रोनाट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन चार के तहत मई में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जा सकते हैं। इस मिशन में चार देशों के चार एस्ट्रोनाट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं।

अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा ने एक अपडेट में इसकी जानकारी दी। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। अभी वह इंडियन एयरफोर्स में आफिसर है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। चार देशों के चार एस्ट्रोनाट स्पेस स्टेशन जाएंगे इनमें एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। तरिक्ष में जाने वाले भारत के दूसरे एस्ट्रोनाट होंगे। स्लावोज उज्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनाट होंगे। टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनाट होंगे। अमेरिकी की पैगी व्हिटसन का यह दूसरा कामर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है। शुभांशु मिशन पायलट, स्लावोज और टिबोर मिशन स्पेशलिस्ट होंगे। व्हिटसन कमांडर होंगी। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल में ये एस्ट्रोनाट उड़ान भरेंगे। इस मिशन को फाल्कन-9 राकेट से फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लान्च किया जाएगा। लान्च की तारीख फाइनल अप्रूवल और मिशन की तैयारियों के अनुसार घोषित होगी। मिशन का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन करना है। यह मिशन प्राइवेट स्पेस ट्रैवल को प्रोत्साहित करने और भविष्य में एक कामर्शियल स्पेस स्टेशन स्थापित करने की दिशा में एक्सिओम स्पेस की योजना का हिस्सा है। के चारों ओर घूमने वाला एक बड़ा अंतरिक्ष यान है। इसमें एस्ट्रोनाट रहते हैं और माइक्रो ग्रैविटी में एक्सपेरिमेंट करते हैं। यह 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैवल करता है। यह हर 90 मिनट में पृथ्वी की परिक्रमा पूरी कर लेता है। 5 स्पेस एजेंसीज ने मिलकर इसे बनाया है। स्पेस स्टेशन का पहला पीस नवम्बर 1998 में लॉन्च किया गया था।

नेतन्याहू के दौरे से पहले लिया अहम फैसला

हंगरी ने किया आईसीसी की सदस्यता छोड़ने का ऐलान

बुडापेस्ट। हंगरी, अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की सदस्यता छोड़ने की तैयारी कर रहा है। हंगरी की सरकार ने बयान जारी कर कहा है कि वे गुरुवार से अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) की सदस्यता छोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे।

उन्होंने कहा कि सदस्यता छोड़ने की पूरी प्रक्रिया अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और संवैधानिक ढांचे के अनुरूप ही होगी। हंगरी का यह एलान ऐसे समय आया है, जब जल्द ही इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट का दौरा करने वाले हैं। गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में नरसंहार करने के आरोप में वारंट जारी किया हुआ है। दक्षिणपंथी विक्टर ओर्बन के नेतृत्व वाली हंगरी की सरकार ने बीते साल नवम्बर में नेतन्याहू को हंगरी आने का न्योता दिया था। आईसीसी ने नेतन्याहू के खिलाफ जो वारंट जारी किया था, उसके बाद ही यह न्योता दिया गया था। विक्टर ओर्बन को नेतन्याहू का करीबी माना जाता है और उन्होंने नेतन्याहू के खिलाफ जारी हुए गिरफ्तारी वारंट को बेशर्मी भरा और निंदनीय बताया था। दरअसल अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय का सदस्य होने के नाते हंगरी को नियमों के तहत नेतन्याहू के खिलाफ जारी वारंट के चलते उन्हें हंगरी पहुंचने पर हिरासत में लेना पड़ता, लेकिन अब हंगरी ने आईसीसी की सदस्यता ही छोड़ने का ऐलान कर दिया है। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद हंगरी का दौरा नेतन्याहू की दूसरी विदेश यात्रा होगी। इससे पहले फरवरी में नेतन्याहू ने अमेरिका का दौरा किया था। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय विश्व का प्रथम स्थायी अपराध न्यायालय है, जो रोम संविधि द्वारा शासित किया जाता है। यह नरसंहार, युद्ध अपराध, मानवता के विरुद्ध अपराध और आक्रमण जैसे अपराधों से संबंधित जांच करता है।

ट्रम्प का फैसला अमेरिका पर ही पड़ा भारी, शेयर बाजार में भारी गिरावट

न्यूयार्क। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ऐतिहासिक टैरिफ घोषणा के बाद गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक भारी बिकवाली के साथ खुले। टैरिफ पर ट्रम्प का फैसला अब खुद अमेरिका पर ही भारी पड़ा दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले से वैश्विक बाजार में भी मंदी का खतरा पैदा हो गया है।

अमेरिका में गुरुवार को बाजार खुलने के बाद प्रमुख इंडेक्स डाव 1,116 अंक या 2.64 प्रतिशत तक गिर गया। व्यापक सूचकांक एसएंडपी 500 इंडेक्स में 3. 24प्रतिशत तक की गिरावट दिखी। बाजार 2022 के मुद्रास्फीति संकट के बाद इंट्राडे में सबसे बड़ी गिरावट की ओर बढ़ गया। टेक शेयरों के बोलबा. ला वाला नैस्डैक में शुरुआती कारोबार में 4.33प्रतिशत तक की गिरावट दिखी। भारत समेत दुनिया के दूसरे बाजारों में भी बड़ी गिरावट दिखी। यह महत्वपूर्ण गिरावट ट्रम्प द्वारा अमेरिका में आने वाले लगभग सभी सामानों पर लगाए गए भारी टैरिफ के बाद आई है, जिससे यह आशंका पैदा हो गई है कि नई नीति से व्यापारिक साझेदारों में भारी नाराजगी पैदा हो सकती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। टैरिफ घोषणाओं के बाद निवेशकों ने सुरक्षित-संपत्तियों में पैसा लगाया। बुधवार को सोना 3,160 डॉलर प्रति औंस से ऊपर एक नए रिकार्ड पर पहुंच गया। दूसरी ओर, ट्रेजरी यील्ड्स में भारी गिरावट आई। 10 साल की ट्रेजरी यील्ड्स अक्टूबर के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। सोना गुरुवार सुबह 3,060 डॉलर प्रति ट्राय औंस के ऊपर कारोबार करता दिखा। इसमें इस साल सोने में 19: तक की तेजी आई है। 1986 के बाद से सोने के लिए ये सबसे अच्छी तिमाही रही है।

थाईलैंड में विश्व की सबसे यंग पीएम से मिले प्रधानमंत्री मोदी

- **भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी, रामायण देखी, कहा इसकी कहानियां थाई लोगों के जीवन का हिस्सा**

बैंकाक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दो दिन के थाईलैंड दौरे पर पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा के साथ जाइंट प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। सबसे पहले पीएम मोदी ने 28 मार्च को भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद उन्होंने भारत और थाईलैंड के धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि सदियों पुराने संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कड़ियों से जुड़े हैं। बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे लोगों को जोड़ा है। रामायण की कहानियां थाई लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इससे पहले थाईलैंड की राजधानी बैंकाक पहुंचकर पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाक. ात की। इसके बाद थाई रामायण का मंचन देखा। यहां रामायण को रामाक. `न कहा जाता है। इसके बाद पीएम मोदी ने थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा (38) से द्विपक्षीय मुलाकात की। वे दुनिया की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री हैं। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने व्यापारिक संबंधों पर चर्चा की। पीएम मोदी की यात्रा के दौरान थाईलैंड सरकार ने 18वीं शताब्दी के रामायण भित्ति चित्रों पर आधारित एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। पीएम मोदी ने कहा कि पीएम शिनवात्रा ने मुझे त्रिपिटक भेंट किया। बुद्ध भूमि भारत की ओर से, मैंने इसे श्रद्धा पूर्वक स्वीकार किया। पिछले साल भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत से थाईलैंड भेजे गए थे। मैं यह घोषणा करते हुए खुशी महसूस कर रहा हूं कि गुजरात के अरावली में 1960 में मिले भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भी थाईलैंड भेजे जाएंगे। पीएम ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट पालिसी और हमारे इंडो पेसिफिक विजन में थाईलैंड का खास योगदान है। आज हमने अपने संबंधों को स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का रूप देने का फैसला किया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच स्ट्रैटेजिक डायलाग स्थापित करने पर चर्चा की गई। साइबर क्राइम के शिकार भारतीयों को वापस भारत भेजने में थाईलैंड सरकार से मिले सहयोग के लिए थाईलैंड सरकार का शुक्रिया। हमारी एजेंसी ह्यूमन ट्रैफिकिंग और अवैध माइग्रेशन के खिलाफ एकजुट होकर काम करेंगी। उत्तर पूर्वी राज्यों और थाईलैंड के बीच टूरिज्म, कल्चर, एजुकेशन आदि क्षेत्रों में सहयोग पर बल दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच डैड, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट में सहयोग के लिए समझौता हुआ है। रिन्युएबल एनर्जी, डिजिटल टेक्नोलाजी, ई-व्हीकल्स, रोबोटिक्स, स्पेस, बायोटेक्नोलाजी और स्टार्ट अप में सहयोग बढ़ाने का फैसला लिया गया है। दोनों देशों के बीच फिनटेक कनेक्टिविटी बढ़ाने पर काम किया जाएगा। भारत ने थाई पर्यटकों के लिए ई-वीजा देना शुरू कर दिया है। पीएम मोदी और थाई पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा ने संयुक्त कांफ्रेंस के दौरान अपनी मुलाकात की तस्वीर दिखाई। थाईलैंड के प्रसिद्ध बौद्ध मंदिर जा सकते हैं पीएम मोदी गुरुवार को पीएम मोदी थाईलैंड के ऐतिहासिक वात फो मंदिर भी जा सकते हैं। वात फो मंदिर बैंकाक में स्थित है और अपने विशाल लेटे बुद्ध द्धरिक्लाइनिंग बुद्धाद्ध प्रतिमा के लिए फेमस है। वात फो थाईलैंड के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। इसमें 1,000 से अधिक बुद्ध प्रतिमाएं और 90 से अधिक स्तूप हैं।

म्यांमार में भूकंप से मृतकों का आंकड़ा 3085 पर पहुंचा

बैंकाक। म्यांमार में करीब एक हफ्ते पहले आए भूकंप में मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ है। बता दें कि, राहत और बचाव दल ने मलबे कई अन्य लोगों के शव बरामद किए हैं, इसके बाद मृतकों की संख्या 3085 तक पहुंच गई है। वहीं इस विनाशक. ारी भूकंप के बाद अभी चार हजार से ज्यादा लोग घायल है और कुल 341 लोग लापता हैं।

ये आंकड़े म्यांमार की सेना की तरफ से जारी किए गए हैं। बीते शुक्रवार यानी 28 मार्च को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। जिससे हजारों इमारत जमींदोज हो गए और सड़कें बड़े-बड़े खाई में बदल गईं। स्थानीय मीडिया में हता. हतों की संख्या की रिपोर्ट आधिका. रिक आंकड़ों से कहीं अधिक है और दूरसंचार के व्यापक रूप से बंद होने और कई स्थानों तक पहुंचना मुश्किल होने के कारण, ऐसा माना जाता है कि ज्यादा जानकारी मिलने पर हताहतों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि उसके प्रारंभिक आकलन के अनुसार, चार अस्पताल और एक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं जबकि अन्य 32 अस्पताल और 18 स्वास्थ्य केंद्र आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि बुनियादी ढांचे के नुकसान और रोगियों की बढ़ती संख्या के कारण, सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच लगभग असंभव हो गई है। हजारों लोगों को देखभाल, चिकित्सा और बीमारी के प्रकोप के लिए उपचार की तत्काल आवश्यकता है।

म्यांमार की सेना ने 2021 में आंग सान सू की की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार से सत्ता छीन ली, जिससे गृहयुद्ध छिड़ गया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भूकंप ने पहले से ही गंभीर मानवीय संकट को और बढ़ा दिया है, जिसमें तीन मिलियन से अधिक लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं और लगभग 20 मिलियन लोग भूकंप से पहले ही जरूरतमंद थे। इसी बीच सेना ने बुधवार को 22 अप्रैल तक अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा की। यह घोषणा सैन्य शासन का विरोध करने वाले सशस्त्र प्रतिरोध समूहों की तरफ से घोषित एकतरफा अस्थायी युद्ध विराम के बाद की गई है।

मोदी से मिलने को बेताब हैं यूनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के लिए बेताब हैं। वह थाइलैंड में पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता चाहते हैं। दोनों नेता यहां पर बिमटेक समिट में हिस्सा लेंगे। 2018 के बाद बिमटेक सम्मेलन के नेताओं की पहली मुलाकात होगी।

ढाका ट्रिब्यून ने यूनुस के उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान के हवाले से कहा कि बांग्लादेश ने बैठक का अनुरोध किया है और हमारे पास उम्मीद बनाए रखने के लिए उचित आधार हैं। बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी ने भी बैठक की संभावना से इनकार नहीं किया है, अगर ये बैठक होती है, तो दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव के माहौल के बीच होगी। भारत बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा चिंता व्यक्त कर चुका है। यही वजह है कि भारत बांग्लादेश को बहुत ज्यादा भाव नहीं दे रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे महापाप के बीच यूनुस पिछले हफ्ते चीन गए थे, जहां उन्होंने भारत के खिलाफ बयान दिया। यूनुस ने कहा कि भारत के सात राज्य, भारत के पूर्वी हिस्से, जिन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता है, ये भारत के लैंडलाक्ड क्षेत्र हैं। समंदर तक उनकी पहुंच का कोई रास्ता नहीं है। इस पूरे क्षेत्र के लिए समंदर के अकेले संरक्षक हम हैं। इसलिए यह विशाल संभावना के द्वार खोलता है। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए यह चीनी अर्थव्यवस्था के लिए विस्तार हो सकता है, चीजें बनाएं, उत्पादन करें, चीजें बाजार में ले जाएं, चीजें चीन में लाएं और बाकी दुनिया तक पहुंचाएं। उनकी टिप्पणी की भारत में कड़ी आलोचना हुई। उसे शर्मनाक और भड़काऊ बताया गया। यूनुस के बयान पर रिएक्ट करते हुए खलीलुर रहमान ने कहा कि बयान की गलत तरीके से लिया गया। उन्होंने कहा, यूनुस ने अच्छी नीयत के साथ बयान दिया। अगर लोग इसे अलग तरह से समझते हैं, तो हम इसे रोक नहीं सकते। हालांकि, मोदी-यूनुस की मुलाकात की संभावना का भारत में कई लोग स्वागत नहीं कर रहे हैं।

बदलते वैश्विक हालात में सबको अपनी चिंता खुद करनी होगी: जयशंकर

बैंकाक। थाईलैंड में बिम्सटेक मंत्रीस्तरीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि दुनिया अब आत्मनिर्भरता के दौर में प्रवेश कर रही है और हर क्षेत्र को अपनी जरूरतों का खुद ख्याल रखना होगा। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने बताया कि अब छोटे सप्लाई चेन और करीबी पड़ोसी देशों का महत्व पहले से ज्यादा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि आज की सच्चाई यह है कि हम आत्मनिर्भरता के युग में प्रवेश कर रहे हैं। खाद्य पदार्थों, ईंधन, उर्वरकों, टीकों और आपदा प्रबंधन जैसी जरूरतों के लिए हर क्षेत्र को खुद पर भरोसा करना होगा। बता दें कि, विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर बिम्सटेक द्धबंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोगद्ध की 20वीं मंत्रीस्तरीय बैठक में भाग लेने बैंकाक पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बिम्सटेक सम्मेलन में शामिल होंगे और समुद्री सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि श्दुनिया में बड़ा बदलाव हो रहा है।